राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार ,18 अप्रैल 2025

वर्ष 06,अंक 199, पृष्ट 12,मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अग्नि शमन प्रभारी ने अपनी टीम के साथ स्वास्थ्य कर्मचारियों को आग बुझाने की दी जानकारी ...03

समस्तीपुर में जमीन विवाद में फायरिंग और पत्थरबाजी, पुलिस ने मौके से 2 खोखा बरामद किया...12

सुप्रीम कोर्ट ने देश में सड़क सुरक्षा बोर्ड के कार्यों पर जताई नाराजगी, कहा- केवल कागजों तक सीमित

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में बढ़ते सड़क हादसों में घायलों को समय से इलाज और मुआवजा मिलने की घटती संख्या पर नाराजगी जताते हुए कहा कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड केवल कागजों तक सीमित रह गया है। कोर्ट ने कहा कि अब तक इसके अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति भी नहीं हुई है। सरकार की उदासीनता को लेकर दूसरा मुद्दा यह भी है कि बोर्ड की सिफारिशों को लागू करने की प्रक्रिया क्या होगी ! यह अब तक स्पष्ट नहीं है। कोर्ट की इस टिप्पणी पर सफाई देते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि बोर्ड के इन पदों को भरने के लिए विज्ञापन 2019 में जारी किया गया था। नियुक्तियों को मंत्रिमंडलीय नियुक्ति समिति द्वारा अनुमोदित किया जाना था। लेकिन अब तक कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिला।

हिट एंड रन दुर्घटनाओं पर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकारों के रवैये से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिसे याचिकाकर्ताओं ने उठाया है। देश में विभिन्न कारणों से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तुरंत सहायता नहीं मिलती। ऐसे मामले भी हैं, जहां पीड़ित घायल नहीं होते लेकिन वाहन में फंस जाते हैं। याचिकाकर्ता की मांग है कि ऐसे नोटिफिकेशन जारी किए जाएं जो दुर्घटनाओं की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया को सुनिश्चित करें। सरकार के वकील ने कहा कि हस्तक्षेप याचिका में एक मांग यह है कि हिट एंड रन दुर्घटनाओं में जिम्मेदारी तय करने के लिए एक प्रोटोकॉल बनाया जाए। यह अत्यंत कठिन है, क्योंकि कई मामलों में यह पता लगाना संभव नहीं होता कि वास्तव में क्या हुआ था।

सरकार के वकील ने दलील दी कि उत्तर प्रदेश में एक विसंगति है कि मोटर वाहन अधिनियम के मामलों को 10 वर्षों के बाद समाप्त कर दिया जाता है। इससे यह स्थिति उत्पन्न होती है कि अगर कोई व्यक्ति जुर्माना भरता है, तो उसका पैसा चला जाता है, लेकिन अगर वह मामला लंबित रहने देता है तो अंततः मामला समाप्त हो जाता है। यह एक अत्यंत विचित्र स्थिति है। ऐसे मामले जमा होते रहते हैं और फिर कहा जाता है कि बहुत अधिक मामले हैं, जुर्माना केवल 500 या 1000 रुपये है, इसलिए मामले बंद कर दिए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि हम उत्तर प्रदेश को इस अंतरिम आवेदन पर जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हैं। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तर प्रदेश अधिनियम का प्रभाव यह है कि यदि किसी व्यक्ति ने मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत अपराध किया है और वह जुर्माना नहीं भरता, तो उसका मामला स्वतः समाप्त हो जाता है। इससे एक ऐसी विसंगति उत्पन्न होती है जिसमें अपराधी बिना सजा के छूट जाते हैं।

याचिकाकर्ता के अनुसार, इसके लिए छह अलग-अलग प्रकार के प्रोटोकॉल होने चाहिए। हालांकि, इस कोर्ट के लिए रिट ऑफ मंडेमस जारी करना कठिन होगा, फिर भी हमारा मानना है कि राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को त्वरित प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल तैयार करने पर कार्य करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देशित किया जाता है कि वे त्वरित प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल विकसित करें, ताकि सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल सहायता मिल सके। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 6 महीने का समय दिया है, ताकि वे एक प्रोटोकॉल बना सकें और अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करवा सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 6 महीने का समय दिया

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 6 महीने का समय दिया है, ताकि वे एक प्रोटोकॉल बना सकें और अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करवा सकें। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कोर्ट को बताया कि उसने इस पहलू पर कार्य किया है और एक नोट दाखिल किया है, जो हाइवे उपयोगकर्ता सुरक्षा पर आधारित है। इसके बाद कोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वे सड़क सुरक्षा पर आधारित यह नोट सभी राज्यों के परिवहन सचिवों को भेजें। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को 6 महीनों के भीतर एक शपथ-पत्र दाखिल करना होगा, जिसमें उस प्रोटोकॉल के वास्तविक क्रियान्वयन की जानकारी हो जो उन्होंने तैयार किया है। सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भी सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल के क्रियान्वयन पर कार्य करें।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कोर्ट को बताया कि उसने इस पहलू पर कार्य किया है और एक नोट दाखिल किया है, जो हाइवे उपयोगकर्ता सुरक्षा पर आधारित है। इसके बाद कोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वे सड़क सुरक्षा पर आधारित यह नोट सभी राज्यों के परिवहन सचिवों को भेजें।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को 6 महीनों के भीतर एक शपथ-पत्र दाखिल करना होगा, जिसमें उस प्रोटोकॉल के वास्तविक क्रियान्वयन की जानकारी हो जो उन्होंने तैयार किया है। सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भी सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल के क्रियान्वयन पर कार्य करें।

भारतीय शेयर बाजार में तूफानी तेजी, सेंसेक्स 1,508 अंक चढ़कर बंद

शेयर बाजार में चौथे दिन भी दिखी जोरदार तेजी- सेंसेक्स 1508 अंक चढ़कर बंद, निवेशकों ने? 4.5 लाख करोड़ कमाए

स्वतंत्र प्रभात

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,508 अंक या 1.96 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,553 और निफ्टी 414 अंक या 1.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,851 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व बैंकिंग शेयरों ने किया। निफ्टी बैंक 1,172 अंक या 2.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 54,290 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, सन फार्मा, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और एनटीपीसी टॉप गेनर्स थे। केवल मारुति सुजुकी और टेक महिंद्रा ही लाल निशान में बंद हुए । सभी सेक्टरोल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए हैं। ऑटो, फार्मा, एनर्जी, इन्फ्रा, सर्विसेज और निजी बैंक सबसे ज्यादा बढ़ने वाले इंडेक्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी खरीदारी हुई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 312 अंक या 0.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,657 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 60 अंक या 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 16,410 पर बंद हुआ।

मोतीलाल ओसवाल में टेक्निकल रिसर्च के वाइस प्रेसिडेंट रुचित जैन के अनुसार, यह तेजी महज एक शॉर्ट-टर्म पुलबैक से कहीं

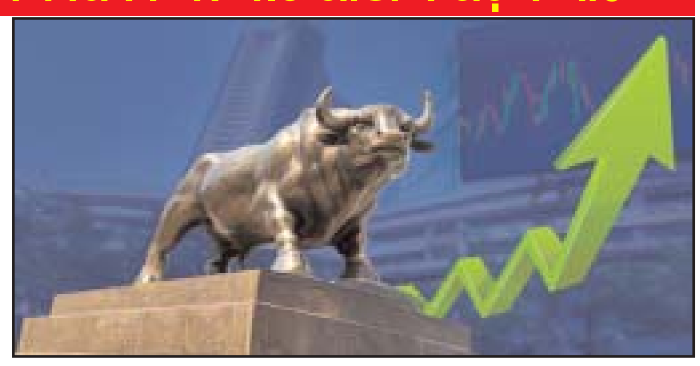

अधिक प्रतीत होती है, क्योंकि इसे सभी की व्यापक भागीदारी है, जिसमें खासकर बड़ी कंपनियों के नामों के साथ बैंकिंग और वित्तीय शेयरों से सपोर्ट भी शामिल हैं।

शेयर बाजार में व्यापक स्तर पर तेजी थी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,427 शेयर हरे निशान में, 1,522 शेयर लाल निशान में और 157 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। इस बढ़त के कारण बीएसई का मार्केट कैप बढ़कर 419 लाख करोड़ रुपये हो गया।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। सुबह करीब 9.27 बजे सेंसेक्स 338.13 अंक या 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,706.16 पर था, जबकि निफ्टी 120.75 अंक या 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,316.45 पर था।

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारत में फिर से सक्रिय रूप से खासकर घरेलू खपत-आधारित उच्च गुणवत्ता वाले लार्जकैप शेयरों में निवेश कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि मौजूदा वैश्विक संकट में भारत को निवेश का एक स्थिर और भरोसेमंद गंतव्य माना जा रहा है, खासकर तब जब अमेरिका और चीन की संभावनाएं कमजोर दिखाई दे रही हैं। इससे बीएसई के सभी 21 समूहों में लिवाली हुई।

इस दौरान कमोडिटीज 0.56, सीडी 0.95, ऊर्जा 1.13, एफएमसीजी 0.61, वित्तीय सेवाएं 2.00, हेल्थकेयर 0.91, इंडस्ट्रियल्स 0.57, आईटी 0.24, दूरसंचार 2.22, यूटिलिटीज 0.71, ऑटो 1.01, बैंकिंग 2.56, कैपिटल गुड्स 0.75, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.71, धातु 0.25, तेल एवं गैस 0.98, पावर 0.94, रियल्टी 0.49, टेक 1.19, सर्विसेज 1.47 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.21 प्रतिशत उछल गए। वैश्विक स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इससे ब्रिटेन का एफटीएसई 0.59 और जर्मनी का डैक्स 0.24 प्रतिशत गिर गया। वहीं, एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 1.35, हांगकांग का हैंगसेंग 1.61 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.13 प्रतिशत चढ़ गया।

संक्षिप्त ख़बरें

बिजली कटौती से उपभोक्ता त्रस्त

सिद्धार्थनगर। जिले के उसका कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों सामान्य से अधिक बिजली की कटौती हो रही है। बिजली की अधिक कटौती होने से उपभोक्ता त्रस्त है। प्रतिदिन भोर में ही लाइट कट जा रही है। विद्युत उपभोक्ता सतेंद्र पाण्डेय, सुभाष यादव, दिनेश चौरसिया, सचिन चौरसिया आदि लोगो ने बिजली सप्लाई पर्याप्त समय तक करने की मांग किया है।

खराब सड़क- राहगीरों एवं छात्रों को आवागमन में दिक्कत

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बा के संस्कृत महाविद्यालय से किसान इंटर कालेज तक जाने वाली सड़क काफी खराब हो गई है। खराब सड़क से राहगीरों और स्कूली बच्चों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। यह सड़क पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से खराब है। गिट्टियां उखड़ गई है और सड़क में गड्ढे भी बन गए है। बरसात होने पर आवागमन काफी कठिन हो जाता है। क्षेत्र के पवन कुमार, नारायण, कपिल देव, रीना, अमरेश वर्मा, रजनी लोधी आदि ने प्रशासन से सड़क मरम्मत की मांग की है।

मरमत के अभाव में खराब हो रहा है सरकारी भवन

उसका बाजार कस्बा में स्थित ब्लॉक कार्यालय के परिसर में ब्लॉक कर्मियों के लिए बने आवास की दीवारों में बड़े- बड़े पेड़ उग गए है, जिससे भवन खराब हो रहा है। पेड़ की जड़े भवन की दीवार के अंदर जा चुकी है इससे भवन ढह भी सकता है और दुर्घटना भी हो सकती है।

लोक निर्माण विभाग- सड़क निर्माण में खराब गुणवत्ता और कोई समय सीमा नहीं

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

मथुरा- छाता और मांट तहसील के अंतर्गत सड़क का निर्माण खराब गुणवत्ता और समय सीमा के साथ नहीं हो रहा है सड़क खराब होने की वजह से आए दिन आए दिन सड़क दुर्घटना हो रही है जिससे लोगों की जान जा रही है लोगों ने क्षेत्रीय सड़कों को लेकर शिकायतें भी किए हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है पीडब्ल्यूडी विभाग ने सरकार की साख पर बट्टा लगाने की ठान ली है जिससे सरकार की स्वर्णिम योजनाओं पर पलीता लग सके।

पीडब्ल्यूडी ने खराब सड़क बनाई तो क्षेत्रीय विधायक ने सांसद के सामने उठाया मुद्दा

मथुरा- जिले में भ्रमण के दौरान सांसद हेमा मालिनी ने सभी विधायकों के साथ-साथ अधिकारियों की मीटिंग ली मीटिंग के दौरान मांट विधानसभा के विधायक राजेश चौधरी ने बताया चंद दिनों पहले बनी सड़क बाजना से दिल्लू पट्टी और टीटी गांव से खैर रोड तक अभी से उखड़ने लगी है जिसे झाड़ू से इकट्ठा कर सकते हैं ग्रामीण फतुल चौधरी निवासी मुडलिया अर्जुन पट्टी ने बताया मंदिर से गांव तक चार दिन पहले सड़क बनी है अभी से उखड़ने लगी है हमने ठेकेदार से शिकायत की हमारी नहीं सुनी इसी गांव के अध्यापक अर्जुन सिंह ने बताया सड़क निर्माण के दौरान लाइन टू लाइन नहीं मिलाई गिट्टी पर कम तरकूल मिलकर डाल दिया गया निर्माण के दौरान सड़क में बहुत ही डबक हैं गांव बड़ी मुडलिया निवासी मिश्रीलाल ने बताया महीन गिट्टी में तरकूल मिलाकर सीधी सड़क पर डालकर रोड रोलर को घुमा दिया है जिससे सड़क में डबक और अभी से उखड़ने लगी हैं

बिना समय सीमा और खराब सड़क से जा रही है लोगों की जान

मथुरा- अकबरपुर से शेरगढ़ तक रोड निर्माण को शासन ने समय सीमा के साथ मंजूरी दी थी। लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते रोड को पूरा नहीं कर पाया। अकबरपुर में नाली ना बनी होने के कारण जल भराव बना रहता है सड़क निर्माण के दौरान 100 मीटर ,200 मी, कहीं-कहीं 400 मी टुकड़े छोड़ दिए गए हैं नौगांव ग्राम पंचायत निवासी सुभाष ने बताया सड़क निर्माण में खराब गुणवत्ता का प्रयोग हुआ है और छोड़े गए टुकड़ों पर निर्माण पूर्ण नहीं होने के कारण विगत 4 महीने में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की जान चली गई है। लेकिन अभी तक सड़क निर्माण अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरा नहीं हुआ है इसी गांव के निवासी मानसिंह ने बताया 2 महीने से काम बंद चल रहा है ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लिखित में शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है

खराब गुणवत्ता की सड़क

वर्जन- यह पूरा मामला मेरी संज्ञान में नहीं है दिखवाता हूं

सीपी सिंह अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी आगरा

जिला पंचायत अध्यक्ष पति का डिप्टी सीएम,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष व जिला महामंत्री को अमर्यादित बयान का वीडियो वायरल

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद के भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर के पति जितेन्द्र सोनकर का एक अमर्यादित बयान का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है, वायरल वीडियो में जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर के पति जितेन्द्र सोनकर एक बन्द कमरें में कुछ लोगों से यह कहते दिख रहे हैं कि लखनऊ में आयोजित अमित शाह की रैली में कौशाम्बी से हम व सांसद विनोद सोनकर ने अपने खर्चे से 50 बसें भेजी थी। जिसमें डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने न तो किराया दिया और न ही भाड़ा दिया न चाय,पानी पूंछा और न ही लंचबॉक्स पैकेट के लिए भी नहीं पूछा। वायरल वीडियो में जितेन्द्र सोनकर ने कौशाम्बी से भाजपा की पूर्व जिला अध्यक्ष रही अनीता त्रिपाठी व भाजपा के जिला महामंत्री संजय जायसवाल पर पार्टी का रुपया हजम कर जाने का भी आरोप लगाया गया है। जनपद में जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ जिले के भाजपा पार्टी खेमे में हड़कम्प मच गया है। वायरल वीडियो देखने के बाद विपक्षी पार्टियों के लोग आपस में चर्चा करते सुनाई दिये कि जिला पंचायत अध्यक्ष के पति अपनी ही पार्टी का बंटाधार कराने में लगे हुए हैं।हालांकि स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

खैरटिया में पेयजल संकट गहराया, ग्रामीणों ने मंत्री से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र, ओबरा। ओबरा ब्लॉक के खैरटिया क्षेत्र में व्याप्त भारी पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ÷हर घर नल योजना÷ को खैरटिया में लागू कराने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कमर कस ली है। इसी क्रम में, खैरटिया के ग्रामीणों ने ओबरा मंडल अध्यक्ष शिवनाथ जायसवाल के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री माननीय संजीव कुमार गोंड को एक ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन सौंपने के दौरान ग्राम सेवा समिति के अध्यक्ष शिवदत्त दुबे, अमरजीत कुमार, बहादुर खरवार, धर्मजीत जयसवाल, दुर्गा सिंह गोंड, राजेश जायसवाल समेत कई अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने मंत्री जी को खैरटिया में पेयजल की गंभीर समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि खैरटिया एक तराई और पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां बोरिंग करना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में, ÷हर घर नल योजना÷ ही खैरटिया के निवासियों की पानी की समस्या का एकमात्र स्थायी समाधान है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि खैरटिया एक अर्ध-शहरी क्षेत्र है, जिसकी आबादी लगभग 20,000 है और यहां पेयजल की तत्काल आवश्यकता है।ग्रामीणों

की समस्या को गंभीरता से लेते हुए, समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने ओबरा मंडल अध्यक्ष शिवनाथ जायसवाल के लेटर पैड पर जिलाधिकारी महोदय, सोनभद्र को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के लिए आदेशित किया। मंत्री जी ने जोर दिया कि खैरटिया में पानी की किल्लत एक गंभीर समस्या है और इसका जल्द से जल्द समाधान निकाला जाना चाहिए।खैरटिया के ग्रामीणों को उम्मीद है कि मंत्री जी के हस्तक्षेप के बाद प्रशासन इस मामले में तेजी से कार्रवाई करेगा और ÷हर घर नल योजना÷ को जल्द ही उनके क्षेत्र में लागू किया जाएगा, जिससे उन्हें पेयजल की समस्या से मुक्ति मिल सकेगी। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिलाधिकारी महोदय इस आदेश पर कितनी तेजी से संज्ञान लेते हैं और खैरटिया के ग्रामीणों को कब तक राहत मिलती है।

ठगी

नौकरी दिलाने के नाम पर 2.5 लाख की ठगी, विरोध करने पर घर में घुसकर हमला

डीएम और एडीएम से 'सेटिंग' का दावा, फिर ढाई लाख की वसूली

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक सरकारी कर्मचारी पर नौकरी दिलाने के नाम पर ढाई लाख रुपये की ठगी और विरोध करने पर पीड़ित के घर में घुसकर जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज आरोप लगा है। पीड़ित मोहम्मद जावेद अख्तर ने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत जिलाधिकारी को सौंपते हुए आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

डीएम और एडीएम से "सेटिंग" का दावा, फिर ढाई लाख की वसूली

पीड़ित के अनुसार, तहसील सदर स्थित इलेक्शन ऑफिस के वरिष्ठ लिपिक जगदीश कुमार पटेल ने खुद को उच्च अधिकारियों का करीबी बताकर नौकरी लगवाने का झांसा दिया। "हमारी सेटिंग डीएम और एडीएम साहब से है," - यही कहकर उसने विश्वास जमाया और वाराणसी निवासी एक लड़की को नौकरी दिलाने के नाम पर ?2,50,000 वसूल लिए। इस दौरान कुछ भुगतान ऑनलाइन किया गया,

जिसकी रसीदें व अन्य प्रमाण प्रार्थी ने अपने शिकायती पत्र के साथ संलग्न किए हैं। शेष रकम नकद दी गई थी।

फर्जी लेटर, व्हाट्सएप पर झूठे वादे और सचिवालय का ड्रामा

जब नौकरी को लेकर पीड़ित ने बार-बार पूछताछ की तो आरोपी ने इलेक्शन ऑफिस का फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया और कहा कि जल्द ही नियुक्ति हो जाएगी। पीड़ित की मित्र की बेटी को ऑफिस बुलाया गया, लेकिन जब जॉइनिंग लेटर मांगा गया, तो वह देने में विफल रहा।

इतना ही नहीं, आरोपी ने पीड़ित को लखनऊ सचिवालय तक भेजा और एक कथित अधिकारी ÷दानिश खान÷ से मिलने को कहा। बाद में पता चला कि सभी दस्तावेज और अधिकारी की पहचान पूरी तरह फर्जी थी। पीड़ित को तीन वर्षों से लगातार "आज-कल, परसों" का झांसा देकर मानसिक रूप से भी परेशान किया गया।

पैसे मांगे तो दरवाजे पर पहुंचा आतंक

घटना का सबसे गंभीर पहलू तब सामने आया जब 7 अप्रैल 2025 को शाम 6 बजे पीड़ित ने आरोपी से फोन पर पैसे लौटाने की मांग की। इसके बाद आरोपी ने धमकी देते हुए कहा, "आधे घंटे में अंजाम दिखाता हूं।" ठीक आधे घंटे बाद जगदीश पटेल चार अज्ञात युवकों को लेकर पीड़ित के घर पहुंचा और अश्लील गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित द्वारा विरोध करने पर सभी हमलावरों ने घर में घुसकर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग जुटे, तब जाकर पीड़ित की जान बच सकी। जाते-जाते हमलावरों ने चेतावनी दी कि अगर पैसे की मांग दोबारा की तो पूरे परिवार को खत्म कर दिया जाएगा।

पीड़ित का आरोप- यह सिर्फ मेरे साथ नहीं हुआ होगा

शिकायती पत्र में पीड़ित ने लिखा है कि आरोपी द्वारा किए गए झूठे वादे, फर्जी दस्तावेज़ और लगातार हो रही धमकियों से प्रतीत होता है कि यह एक सोची-समझी ठगी और साजिश है। संभव है कि इस तरह की धोखाधड़ी और भी कई लोगों के साथ हुई हो, जो डर या शर्म के कारण सामने नहीं आ पाए।

कानूनी कार्रवाई की मांग- पीड़ित ने पूरे प्रकरण की जानकारी के साथ ऑडियो रिकॉर्डिंग, चैट्स और अन्य साक्ष्यों को जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपते हुए आरोपी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है। इस घटना को लेकर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

संक्षिप्त खबरें

कंपोजिट विद्यालय मे निकाला गया स्कुल चलो अभियान की रैली

मनकापुर गोण्डाः कंपोजिट विद्यालय केशव नगर ग्रांट मे पुरस्कार वितरण समारोह एवं स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत रैली खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार के नेतृत्व में निकाली गई जो बच्चो को रैली के माध्यम से विद्यालय मे पढ़ने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर वरिष्ठ ए आर पी राम विलास वर्मा, सनवन्त कुमार वर्मा, जावेद कमर , मोहम्मद खालिद रजा बेग विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप वर्मा व विद्यालय के अभिभावक गण को विद्यालय परिवार के तरफ से फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। तथा परीक्षा मे अच्छे अंक प्राप्त किये बच्चो को खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा फूल माला पहनाकर और मेडल देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय वर्मा ने आये हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया किया। इस अवसर पर पृथ्वीराज दूबे, अखिलेश कुमार,संतोष कुमार गुप्ता, असीम वर्मा, राम तौल वर्मा,सरिता वर्मा, जय प्रकाश मिश्रा, मोल्हू प्रसाद वर्मा, सुमन यादव, मालती वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सचिव पशुपालन विभाग एवं डेयरी विभाग ने किया दुग्ध अवशीतन केंद्र का उद्घाटन

लखीमपुर खीरी- जनपद में प्रथम अत्याधुनिक दुग्ध अवशीतन केन्द्र का उद्घाटन मु य अतिथि सुश्री अलका उपाध्याय सचिव पशुपालन और डेयरी विभाग मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया गया इस मौके पर सृजनी दुग्ध उत्पादक संस्था बरेली द्वारा संचालित दुग्ध संकलन केन्द्र के सहायक और दुग्ध उत्पादक महिला किसानों को दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया इस मौके पर राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर मीनेश शाह के साथ सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर संस्था महिलाओं की अपनी संस्था है जिसमें हर महिला किसान के कंपनी में शेयर जमा है और सभी लोग मिल-जुलकर दुग्ध को अच्छे उचित मूल्य पर खरीद की जाती है और समय से दुग्ध का समय से उनके बैंक खाते में आ जाते हैं जिससे उनकी आर्थिक उन्नति हुई और प्रधानमंत्री मोदी के मंशानुरूप नारी सशक्तिकरण कर ग्रामीण अंचल की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है। कंपनी द्वारा समय समय पशुओं की डाक्टरी सलाह बीमार पशुओं का इलाज सहित बैंक से न्यूनतम ब्याज दरों पर ऋण से सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।सृजनी मिल्क प्रोड्यूसर संस्था के हेड लखविंदर सिंह, सहित कर्मचारी गौतम सिंह कुमार,अनुज कुमार, विनीत राय ,अतिल कुमार, रोहिणी , साक्षी, अनमोल , रिंकू, सहित कंपनी के सुपरवाइजर दुग्ध संकलन सहायक शशि,और महिला किसानों को सृजनी दुग्ध संस्था की कई लाभकारी योजनाओं की जानकारी साझा की।

समाजवादी लोहिया वाहिनी उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत हुए पूर्व जिलाध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी रियाजुल्ला खान

बरवर खीरी- उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े जनपद लखीमपुर खीरी में लोहिया वाहिनी के पूर्व जिला अध्यक्ष रहे रियाजुल्ला खां के मनोनयन से समाजवादी युवाओं में ऊर्जा का हुआ संचार पूरे जनपद में मुखरवक्ता, संगठनकर्ता,और बेबाकी के लिए मशहूर है रियाजुल्ला खान , इस अवसर पर समाजवादी नेतागण और कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ,प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष रामकरन निर्मल एवं जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह यादव को आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया साथ ही कार्यकर्ताओ ने आशा व्यक्त की कि रियाजुल्ला खान के प्रदेश प्रवक्ता बनने से जनपद ही नहीं पूरे प्रदेश में लोहिया वाहिनी वैचारिक स्तर पर राजनीति के गगन पर एक अमिट हस्ताक्षर दर्ज करेगी पूरे जनपद के कार्यकर्ताओं में एक ऊर्जा और हर्ष का संचार हुआ जिससे यकीनन 2027 में पार्टी विधानसभा चुनाव में इतिहास रचेगी। पुनः सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई धन्यवाद इस अवसर पर रियाजुल्ला खान ने सभी बड़ों को धन्यवाद ज्ञापित किया और छोटों को स्नेह और संकल्प लिया कि पूर्ण निष्ठा ईमानदारी से समाजवादी सिपाही बनकर पार्टी का प्रचार प्रसार करूंगा और 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाने के लिए तन मन धन से समर्पित होकर पार्टी का कार्य करूंगा।

अंबेडकर जयंती पर निकली भव्य झांकी यात्रा, डीजे की धुन पर थिरके युवा, महिलाओं ने गाए सोहर गीत

स्वतंत्र प्रभात

अंबेडकरनगर। विकास खंड जहांगीरगंज अंतर्गत कमालपुर पिकार, मुबारकपुर पिकार और तिलकटांडा गांवों में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गांववासियों द्वारा भव्य झांकी यात्रा निकाली गई, जिसमें युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भव्य झांकी यात्रा की शुरुआत मुबारकपुर पिकार और कमालपुर पिकार से हुई, जो सैथुआ, धरमपुर होते हुए सिंघलपट्टी चौराहे तक पहुँची। यात्रा में डीजे और ढोल की गूंज के बीच 'बाबा साहब अमर रहें' के नारों से माहौल गूंज उठा। जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। बाबा साहब की आकर्षक प्रतिमा से सजी झांकी ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

यात्रा का समापन सिंघलपट्टी चौराहे स्थित झारखंडी बाबा मंदिर के पास हुआ, जहां डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर गांव की महिलाओं ने पारंपरिक सोहर गीत गाए और डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

ग्राम पंचायत तिलकटांडा में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जनार्दन यादव ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने संबोधन में बाबा साहब के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने न केवल दलित समाज के उत्थान के लिए कार्य किया, बल्कि शिक्षा, नारी सशक्तिकरण और जातिविहीन समाज की स्थापना हेतु देश को दिशा दी।

कार्यक्रम में श्यामनारायण, पंकज कुमार (पत्रकार), लालचंद (कंप्यूटर ऑपरेटर, जनसेवा केंद्र), विनोद कुमार, कन्हैया, रमेश कुमार, अजीत कुमार, मनजीत, जयप्रकाश, रविंद्र, रोहित, जितेंद्र, बबलू, मुखराज, रामप्रीत, डॉ. दिनेश कुमार, श्रवण कुमार, डॉ. शनि कुमार, इंद्रेश लाइनमैन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और पुरुष उपस्थित रहे। बाबा साहब की जयंती ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि उनका जीवन और विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

सीएचओ अम्बुज मिश्र की लापरवाही से मिर्जापुर स्वास्थ्य उपकेंन्द्र कूड़ों के ढेर में हो रहा तब्दील

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के हरैया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अन्तर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र मिर्जापुर में स्वास्थ्य सुविधाओं का बुरा हाल है। सरकार गरीबों के इलाज के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर जैसी महत्वाकांक्षी योजना चला रही है कि मरीजों को इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े, इसके लिए जिला अस्पताल से लेकर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्रों में जीवन रक्षक दवा उपलब्ध कराने की बात कर रही है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रहीं है। विकासखण्ड हरैया के अर्न्तगत ग्राम पंचायत मिर्जापुर में उप स्वास्थ्य केंद्र विभागीय उदासीनता के कारण कचरों के ढेर में तब्दील हो गया है विभाग भले स्वास्थ्य व्यवस्था सुदृढ कराने के लाख दावे करें। परंतु ग्राम पंचायत मिर्जापुर उप स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति बद से बदतर बनी हुई है।

मिर्जापुर उपस्वास्थ्य केंद्र परिसर में पूरी तरह कूड़ा फैला हुआ है जो जिम्मेदार ने स्वास्थ्य उपकेंद्र पर स्वास्थ्य अधिकारी को तैनात किया गया है वह महीनो से गायब है आलम यह है कि ग्रामीणों को सीएचसी हरैया चिलचिलाती धूप में स्वास्थ्य संम्बधी समस्याओं के लिए जाना पड़ता है । बातचीत में मिर्जापुर के वृद्ध ने बताया की एक साल हो गए है स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण हुआ है लेकिन अभी तक इसका दरवाजा नहीं खोला गया है यहां तक कभी किसी कर्मचारी को मैंने अपने आंखों से नहीं अस्पताल पर आते हुए नही देखा है । इलाज कराने को लेकर बात पूछी गई तो वृद्ध ग्रामीण ने बताया कि मैं हरैया सीएचसी पर इलाज के लिए जाता हूं अब सवाल यह है कि जिन को ग्रामीणों के सेवा के लिए नियुक्त किया गया है वह घर पर बैठकर आराम फरमा रहे हैं वही जब स्वास्थ उपकेंद्र पर ताला लटके और कूड़े के ढेर में तब्दील होने को लेकर सीएचसी हरैया अधीक्षक बीके शुक्ला से बात की गई त तो पहले वह यह कहते रहे कि नहीं ऐसा नहीं है वहां अधिकारी जाते रहते है उनसे कूडों की ढेर की बात बताई गई तो पहले तो सटीक जवाब नहीं दे पाए फिर बाद में बोले कि ठीक है जांच करवाकर डियूटी से गायब सीएचओं अम्बुंज मिश्रा के खिलाफ कार्रवाई करूंगा।

जैतापुर पचपेड़वा मार्ग वर्षो से क्षतिग्रस्त सड़क गायब सिर्फ गड्ढे ही गड्ढे

● धार्मिक व सामरिक दृष्टि कोण से महत्वपूर्ण है मार्ग

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर। जूडीकुइयां से जैतापुर 21 कि0 मी0 सड़क वर्षो से टूट कर क्षतिग्रस्त है। एक सैकड़ों गावों को जोड़ने वाला सड़क अपने दुर्दशा पर आंसू बहा है रहा है। इसी के साथ क्षेत्र वासियों अयोध्या चन्दनपुर मार्ग का सपना चकना चूर रहा है।

बताते चलें कि पचपेड़वा के जुड़ीकुइयां चौराहे से जैतापुर की दूरी 21 की 0 मी है यह सड़क 8 वर्षो से टूट कर क्षति ग्रस्त हो गया गया राहगीरों को सड़क दिखाई ही नही पड़ता है सिर्फ गड्ढे ही दिखाई पड़ते हैं। यह सड़क बरगदही बरगदवा सिसहनिया तिलकहना सोनहटी, गणेश पुर बाजार, सिसवा, वसन्तपुर धवाई, विजयनगर, रतन पुर चौराहा सहित आसपास के सैकड़ों गावों के लोगों को जोड़ते हुये उतरौला मनकापुर होकर अयोध्या धाम तक जाती है। वहीं पंचपेड़वा से चन्दनपूर नेपाल सीमक की दूरी लग 20 कि0मी0 है। यह मार्ग धार्मिक और सामरिक दृष्टि कोण से अति महत्वपूर्ण है। इसके वाजूद यह इसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है।

चन्दनपुर से अयोध्या की दूरी लगभग 150 किमी0 है परन्त यहाँ के लोगों को लगभग 200 किमी. की यात्रा करनी पड़ रही, इससे भाद्वालुओं की आस्था को चोट हूँचता है वहीं अन्य जरूरतमन्दों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सन 2015 में यह सड़क प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना में स्वीकृत हुआ परन्तु भारी कमीशन खोरी के चलते मानक गुणवत्ता हवा में उड़ गये। सड़क वनने के बाद 5 वर्ष के वजाय एक वर्ष में ही टूट गई और पी एम जी एस वाई ठेकेदार ने मरम्मत तक नही कराया। अलबत्ता सड़क निर्माण के समय सड़क की चौड़ाई भी कम कर दिया और पटरियों पर लेंगे खडन्जे के ईटों को भी बेच लिया था। इस सड़क से जुड़े लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है और ग्रामीणों का गुस्सा कभी भी फूट सकता है। फिलहाल यदि इस मार्ग को निर्माण शीघ्र नही कराया गया है। जन प्रति। निधियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

परसरामपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग संग गैंगरेप, एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्तीजिले विकास में अभी भी पिछड़ा है कि लेकिन अपराध में प्रदेश में अपना मुकाम बना रहा है। यहां हर प्रकार के अपराध हो रहे हैं। ताजा मामला परसरामपुर थाना क्षेत्र का है। यहां बुधवार शाम शौच गई एक नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि गांव के ही कुछ युवकों ने उसे रास्ते से जबरन उठा लिया और तालाब किनारे स्थित बाग में ले गए। वहां घटना को अंजाम दिया। किशोरी ने घर पहुंचकर परिजनों से घटना की पूरी जानकारी दी। उसे तुरंत फरेंदा हॉस्पिटल ले जाया गया। जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी हरैया, थाना परसरामपुर, थाना छावनी व थाना हरैया की पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने पीड़ित परिवार से मिलकर न्याय का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। पीड़िता के परिजनों ने थाना परसरामपुर में नामजद तहरीर दी है। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की है। इस प्रकरण में थानाध्यक्ष परसरामपुर दिनेश कुमार से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होने सवालों का जवाब देना उचित नही समझा। सवालों से बचते नजर आए उन्होंने कहा जल्द ही तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी होगी मौके पर शांत व्यवस्था बनी हुई है पर जनों को आश्वासन दिया गया कि जल्द ही कार्रवाई किया जाएगा गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दी जा रही है।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, छापेमारी में 9 महिला 6 पुरुष गिरफ्तार

बस्ती। बस्ती पुलिस मुखबिर की सूचना पर सेक्स रैकेट का भंडाफोड़,छापेमारी में 9 महिला 6 पुरुष गिरफ्तार, बस्ती में मड़वा नगर के एक घर में देह व्यापार के अड्डे पर पुलिस ने छापा मारा। सीओ सिटी को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में 9 महिलाएं और 6 पुरुष गिरफ्तार हुए। इस सेक्स रैकेट का संचालन कैमरे की निगरानी में होता था और पुलिस इससे अनजान थी। एसपी अभिनंदन और एएसपी ओपी सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। पहले भी छापेमारी के दौरान संचालक फरार हो गया था और घर में ताला लगा दिया गया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस अलर्ट हुई और छापेमारी की। कोतवाली थाना क्षेत्र के मड़वा नगर में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। मकान के अंदर दो बोरो में कंडोम के पैकेट बरामद हुए है जिसमे 1 बोर से कंडोम का इस्तेमाल भी हो रहा था। पुलिस के मुताबिक रैकेट के मुख्य आरोपी की तलाश जारी है। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और पुलिस मामले की जाँच में जुटी हुयी है।

फायर सेफ्टी भगवान भरोसेः लखनऊ विकास प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं में गंभीर लापरवाही उजागर

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (ल0वि0प्रा0) की बहुखंडीय आवासीय योजनाओं में अग्नि सुरक्षा को लेकर भारी लापरवाही सामने आई है। जानकीपुरम विस्तार योजना के अंतर्गत आने वाले सृष्टि, सरगम, जनेश्वर और विशेष रूप से स्मृति अपार्टमेंट में फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी चिंताजनक स्थिति पैदा कर रही है। जानकारी के मुताबिक, कई अपार्टमेंटों में बिना फायर NOC (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) के ही निबंधन और कब्जा दे दिया गया। कुछ जगहों पर NOC की समय पर नवीनीकरण तक नहीं कराया गया है। वहीं, कई स्थानों पर लगाए गए अग्निशमन यंत्र (फायर एक्टिंग्विशर) भी या तो अधूरे हैं या उनकी समयावधि समाप्त हो चुकी है।

स्मृति अपार्टमेंट की स्थिति तो और भी गंभीर है – बिना फायर उपकरणों की स्थापना और NOC के निर्गमन के ही तीन वर्ष पूर्व पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कर कब्जा दे दिया गया। इस अपार्टमेंट में रहने वाले सैकड़ों परिवारों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। इन हालात में यदि इस भीषण गर्मी के दौरान कोई अग्निकांड हो जाए तो उसे संभाल पाना बेहद मुश्किल हो सकता है। वहीं विभागीय अफसरों और अभियंताओं की चुप्पी और लापरवाही से साफ है कि उन्हें आवंटियों की सुरक्षा की कोई फिक्र नहीं है।

प्रश्न उठता है-बिना NOC के कैसे मिला पूर्णता प्रमाण पत्र?

फायर सेफ्टी उपकरणों की निगरानी कौन करता है?

आखिर जिम्मेदार कौन?

अब देखना होगा कि प्रशासन इस लापरवाही पर क्या कार्रवाई करता है या फिर कोई बड़ा हादसा होने का इंतजार करता है?

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के सिविल लाइन क्षेत्र के प्रहलाद कॉलोनी में बुधवार को कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा शुभारंभ हो गया। यह कलश यात्रा प्रहलाद कॉलोनी से प्रारंभ होकर अमहट स्थित शिव मंदिर, कुआनो नदी तट पर समाप्त हुई। इस कलश यात्रा में जहां महिलाएं कलश लेकर चल रही थी। वहीं कथा वाचक पंडित देवस्य मिश्र ने बताया बड़े सौभाग्य की बात है कि यहां पर संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा का आयोजन होने जा रहा है। श्रीमद्भागवत कथा, ऐसी कथा है, जो जीवन के उद्देश्य और दिशा को दर्शाती है। इसलिए जहां भी भागवत कथा होती है।

इसे सुनने मात्र से वहां का संपूर्ण क्षेत्र दुष्ट प्रवृत्तियों से खत्म होकर सकारात्मक उर्जा से सशक्त हो जाता है। उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल बुधवार को गणेश पूजन और कलश यात्रा से कथा शुरू हुई है, गुरुवार को सुकदेव अवतरण कथा, महाभारत प्रसंग, शुक्रवार श्रृष्टि वर्णन, प्रहलाद चरित्र, शनिवार श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, शनिवार को भगवान कृष्ण की बाल लीलाएं, गोवर्धन पूजन, सोमवार महारास लीला वर्णन, रुक्मिणी विवाह, सुदामा चरित्र एवं भागवत पूजन एवं मंगलवार सुबह 7 बजे से हवन पूजन एवं दोपहर बाद से भंडारे का आयोजन होगा।

कलश यात्रा में सैकड़ो महिलाएं अपने सर पर कलश रखकर शामिल हुईं। कलश यात्रा में मुख्य यजमान श्याम नारायण पाल, उनकी पत्नी लालमति पाल, पुत्र सौरभ पाल, राजकुमार पाल, सुनीता पाल, धर्मेंद्र पाल, स्वाति पाल सहित सैकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

वित्तीय अनियमितता में जेल जा चुके बाबू पर बीएसए मेहरबान क्यों, 22 वर्षो से एक ही पटल पर तैनात

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में वरिष्ठ लिपिक संतोष गुप्ता 22 वर्षों से एक ही पटल पर तैनात हैं। सरकारी शासनादेश के अनुसार, किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को एक कार्यालय या पटल पर लगातार तीन वर्षों से अधिक कार्य नहीं करना चाहिए। इसके बावजूद संतोष गुप्ता का स्थानांतरण नहीं किया गया है।संतोष गुप्ता भ्रष्टाचार के मामले में जेल जा चुके हैं और वित्तीय अनियमितता के कारण निलंबित भी हो चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें बीएसए कार्यालय में महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए हैं। इससे यह सवाल उठता है कि आखिर क्यों संतोष गुप्ता को लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जा रही हैं।

बीएसए अनूप कुमार तिवारी पर संतोष गुप्ता के प्रति मेहरबान होने का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, संतोष गुप्ता बीएसए कार्यालय में " कमाऊ पूत" के रूप में जाने जाते हैं। इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि संतोष गुप्ता के कार्यों में बीएसए की भूमिका संदिग्ध हो सकती है।

इस मामले में भाजपा सरकार की भी किरकिरी हो रही है। संतोष गुप्ता की लंबी तैनाती को लेकर जिले में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर क्यों संतोष गुप्ता को लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जा रही हैं, जबकि वे भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता के मामले में जेल जा चुके हैं और निलंबित हो चुके हैं। हाल ही में बीएसए अनूप कुमार ने 15 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति-पत्र सौंपा था, जिसमें संतोष गुप्ता भी मौजूद थे। इससे यह पता चलता है कि संतोष गुप्ता का बीएसए कार्यालय में अभी भी महत्वपूर्ण रोल है।इस मामले में जांच और कार्रवाई की मांग हो रही है, ताकि यह पता चल सके कि आखिर क्यों संतोष गुप्ता को लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जा रही हैं और उनके खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

बीईओ अशोक कुमार के विरुद्ध शिक्षक लामबंद, कार्यवाही की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

●बस्ती में शिक्षा विभाग पर लगा लगाभ्रष्टाचार के गंभीर आरोपः 19 बिन्दुओं पर भेजा साक्ष्य

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री और महानिदेशक स्कूल शिक्षा को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से रुधौली और सल्टौआ के खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार के विरुद्ध 19 बिंदुओं के शिकायती पत्र व साक्ष्य को प्रस्तुत कर विधिक व विभागीय कार्यवाही की मांग किया।

ज्ञापन देने के बाद जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ने बताया कि खण्ड शिक्षा अधिकारी रुधौली व सल्टौआ का अतिरिक्त प्रभार देखने वाले खंड शिक्षा अधिकारी के ऊपर सरकारी भवन गिराने, बच्चों के कार्यक्रम में जलपान व बैठक व्यवस्था न करने, सरकारी कार्यक्रम में विभाग से टेंट, कुर्सी, साउंड हेतु आए धन का गबन कर कार्यक्रम को ब्लॉक सभागार में कराने, एमडीएम में भेजे गए बर्तन हेतु धन में हिस्सा मांगने, सर्विस बुक पूर्ण न करने, चयन वेतनमान समय से न लगाने, मासिक बैठकों में शिक्षकों के लिए आए जलपान के धनराशि का गबन करने सहित 19 बिंदुओं पर फोटो सहित साक्ष्य भेजा गया है।

जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि पूर्व में सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक बस्ती मंडल तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी पत्र देकर कार्यवाही की मांग की गई थी। जिस पर सहायक शिक्षा निदेशक द्वारा सुनवाई व साक्ष्य प्रस्तुत करने का पत्र भी जारी किया था जिस पर शिक्षकों व संगठन पदाधिकारियो ने शपथ पत्र के साथ शिकायत की पुष्टि की थी। परंतु अभी तक उनके द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गयी। ब्लॉक अध्यक्ष रुधौली शिवरतन ने बताया कि बीईओ द्वारा हर कार्य के लिए धनराशि की मांग की जाती है। बच्चो के खेल कूद प्रतियोगिता में भी प्रति विद्यालय 400 रुपये वसूली की मांग व्हाट्सएप ग्रुप पर इनके द्वारा की गयी थी। सूचना वायरल होने पर जिलाधिकारी ने इनको तलब भी किया था।

इनके द्वारा अपने मातहत कर्मचारियों से अमर्यादित शब्दों का प्रयोग भी बराबर किया जाता है जिसका ऑडियो अभी कुछ दिन पहले वायरल हुआ था। जिस पर उच्च अधिकारियों ने संज्ञान लेकर चेतावनी भी दी थी। मुख्यालय पर रात्रि निवास करने के शासन के आदेश के बावजूद जनपद अंबेडकरनगर से ड्यूटी करते हैं और शिक्षकों को किसी भी कार्य के लिए अनावश्यक उनके घर तक भी दौड़ना पड़ता है।

ब्लॉक अध्यक्ष सल्टौआ दुर्गेश यादव ने बताया कि समय से सर्विस बुक में फीडिंग न होने के कारण अधिकांश शिक्षक चयन वेतनमान के लाभ से विगत 4 माह से वंचित हैं। शिक्षकों के प्रशिक्षण में भी भोजन की व्यवस्था खराब ही रहती है। बच्चों के 300 से अधिक आधार कार्ड बनवाने हेतु जन्म प्रमाणपत्र फॉर्म 4 माह से उनके कार्यालय पर पड़े हुए हैं अभी तक किसी भी बच्चे का आधार बनवाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु उपजिलाधिकारी कार्यालय पर नही भेजवाया गया। इनके द्वारा विद्यालयों में शिक्षकों को अनुपस्थित कर और धनराशि लेकर उसी दिन शिक्षकों का चिकित्सीय अवकाश स्वीकृत कर दिया जाता है। उपरोक्त बिंदुओं पर कई बार उच्च अधिकारियों को शिकायत की गई परंतु विभाग इनके ऊपर पूर्ण रूप से मेहरबान है और दो-दो ब्लाकों का अतिरिक्त प्रभार 6 माह से इनको दिए हुए हैं।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष रवीश मिश्र, सुधीर तिवारी, शिवप्रकाश सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव, राहुल सिंह, जिला संगठन मंत्री विवेक कांत, अविनाश दूबे, राम भवन यादव, विवेक प्रताप सिंह, प्रताप नारायण चौधरी, उमाशंकर पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, प्रभाकर पटेल, अविनाश दुबे, गिरजेश सिंह ,मोहम्मद असलम, सोहनलाल, दीपचंद, नितिन कुमार, धर्मराज यादव, गोविंद, धर्मेंद्र कुमार, मनु प्रकाश, प्रसून श्रीवास्तव, रत्नेश्वर नारायण, राजीव सिंह, सुरेंद्र यादव,अनुराग श्रीवास्तव ,राजेश गिरी, रजनीश, मनीष मिश्रा, चंदन श्रीवास्तव, रेहाना परवीन, रीना कनौजिया, अनिल पाठक, संतोष पाण्डेय, हरेंद्र यादव, अखिलेश पाण्डेय, सनद पटेल, विजय यादव, अशोक यादव, सुरेश गौड़, आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

आज से शुरू हो रही भव्य संगीतमयी श्री राम कथा

पं चन्द्रदेव महराज एवं दधीचि योगी जी के मुखारबिंद से भक्तगण सुनेंगे श्री राम नाम का गुणगान

कादीपुर/सुल्तानपुर-आज दिनांक 18 अप्रैल से राईबीगो कादीपुर में श्री दुर्गा मन्दिर पर भव्य संगीतमयी श्री राम कथा का शुभारंभ किया जा रहा है। इस दौरान राष्ट्रीय कथावाचक पं चन्द्रदेव महाराज अयोध्या तथा योग एवं अध्यात्म गुरु दधीचि योगी जी महराज के मुखारबिंद से भगवान राम के आदर्शों व उपदेशों को श्रद्धालुओं के समक्ष रखा जाएगा। दिनांक 18 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से 10 बजे तक श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा का गुणगान सुनने का सुनहरा अवसर मिलेगा । श्री राम कथा को धूमधाम से सम्पन्न कराने में समस्त क्षेत्रवासियों का विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। 25 अप्रैल को हवन पूजन एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

समाज में डॉ भीमराव अम्बेडकर के योगदान विषय पर आयोजित की गई गोष्ठी

चित्रकूट ब्यूरो: जगदुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर गुरुवार को सामाजिक समरसता में भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का योगदान विषय पर एक दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रबंधन विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा समाज में समरसता, संविधान निर्माण तथा समाज में सभी वर्गों के हितों के लिए किए गए योगदान की जानकारी दी गई। इस दौरान समान नागरिक संहिता, श्रम सुधार कानून, मौलिक अधिकारों सहित अन्य अधिकारों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बाबा साहब के आदर्शों को अपने जीवन में उतारते हुए समाज में नए बदलाव के लाने लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रबंधन विभाग प्रभारी डॉ दलीप कुमार, डॉ भविष्या माथुर, डॉ रवि प्रकाश शुक्ला, विनीत पाण्डेय, वर्षा वर्मा, मोहित तिवारी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ रीना पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

फरमाइशी गीत बजाने को लेकर मारपीट, चार गिरफ्तार, एक घायल

पिहानी (हरदोई) बारात में डीजे पर फरमाइशी गाना बजाने को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। ल पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान कर दिया। पुलिस के मुताबिक बारातियों के डांस में आरोपित शराब के नशे में घुसकर जबरदस्ती डांस कर फरमाइशी गाना लगाने के लिए दबाव बना रहे थे। जानकारी के मुताबिक कोतवाली पिहानी के कुल्लही गांव निवासी अभिवरन पुत्र जगनू की बेटी रिचा का विवाह शिवम पुत्र अमरुतला निवासी उदरा सुरसा के साथ विवाह के लिए बारात बुधवार की रात को आई थी। बारातियों का नाश्ता पानी के बाद द्वारचार के लिए बरात जा रही थी। कुल्लही गांव के ही अरुण, आकाश, सोनू, धीरज बारातियों के डांस में जबरदस्ती घुसकर फरमाइसी गाना लगवा कर डांस करने का दबाव बनाने लगे और घुसकर डांस भी करने लगे। इसी बात को लेकर बरातियों में विवाद हो गया। शराब के नशे में अरुण, आकाश, सोनू, धीरज बारातियों के साथ मारपीट करने लगे। मारपीट में उदरा सुरसा निवासी राहुल घायल हो गए। सूचना पर तत्काल पहुंचे कोतवाल विद्यासागर पाल ने सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टिकोण से स्थिति पर नियंत्रण किया। बारात में हुई अव्यवस्था को दुरुस्त किया। इस संबंध में कोतवाल विद्यासागर पाल बताते हैं कि शराब के नशे में उक्त चारों ने बारातियों के साथ मारपीट की। शांति भंग में कार्रवाई की गई है।

अखिलेश की काली कलम ने भगवान बुद्ध से लेकर बाबा साहब तक का किया अपमान- प्रभारी मंत्री असीम अरुण

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई भारतीय जनता पार्टी का ÷हमारा संविधान हमारा अभिमान÷ अभियान के अंतर्गत 15 से 28 अप्रैल तक चलने वाले कार्यक्रमों में आज नगर के श्रीश चंद्र बारात घर में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर सम्मान संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी मंत्री राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की कलई खोलते हुए बताया कि पिछले छः दशकों के शासन में जो बाबा साहब और उनकी स्मृतियों को सम्मान न दे पाए, वह दल और उसके नेता आज समाज के सम्मान के लिए सड़क से संसद तक झंडा बैनर लिए नजर आ रहे है। संगोष्ठी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने की, एवं संचालन जिला महामंत्री ओम वर्मा ने किया।

संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व सांसद प्रियंका रावत, सांसद अशोक रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती एवं जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने अपने विचार साझा किए।

संगोष्ठी में राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि बाबा साहब जिस कद के व्यक्तित्व थे, कांग्रेस ने कभी उनको वह सम्मान नहीं दिया। नेहरू गांधी परिवार पिछड़े समाज के व्यक्ति को राजनीति की मुख्य धारा में शामिल होने के खिलाफ था। इसका उदाहरण जब जब बाबा साहब ने राजनीति में अपने कदम बढ़ाए कांग्रेस ने षडयंत्र रच उनको छलने का काम किया। 1937 में बांबे प्रेसीडेंसी का विधान सभा चुनाव हो, या 1952 का लोकसभा चुनाव, नेहरू ने अपने केंद्रीय मंत्रिमंडल तक में अर्थशास्त्र और कानून के मर्मज्ञ बाबा साहब को जानबूझकर दरकिनार किया। वही समाजवादी पार्टी ने अपने शासन में दलित समाज के चिंतकों के नाम से पहचान वाले जिलों का नाम बदलने का कार्य किया। आज वही दल जब बाबा साहब के सम्मान की लड़ाई लड़ने की बात करते है तो बात हजम नहीं होती। बाबा साहब और पिछड़े समाज का कोई असली हितैषी है तो वह भाजपा है। जिसने मरणोपरांत बाबा साहब को भारत रत्न से नवाजा। प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहब के सम्मान में पांच तीर्थों को स्थापित किया। पिछड़े दलित समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा।

प्रदेश महामंत्री प्रियंका रावत ने संगोष्ठी में कहा कि पिछड़े और दलित समाज के व्यक्ति को राजनीति से उठकर देखना है कि कौन सा राजनैतिक दल सच में उनका हितैषी है और कौन सिर्फ वोट की राजनीति कर रहा है। भाजपा संघठन 24 घंटे समाज को एक सूत्र में बांधने के लिए जीजान से लगा हुआ है। भाजपा ने कभी अगड़े पिछड़े और दलित में भेद किया। भाजपा के लिए देश पहले है। कांग्रेस वहीं दल है जिसने संविधान की धज्जियां उड़ा के रख दी। बाबा साहब के संविधान को तोड़ मरोड़ कर 88 बार राष्ट्रपति शासन के जरिए चुनी हुई सरकारों को हटाने का कार्य किया। आपातकाल लगा कर जनता और प्रेस के मौलिक अधिकारों को छीना। अनुसूचित जाति आरक्षण का विरोध, मंडल आयोग की सिफारिशों का विरोध, अल्पसंख्यक संस्थानों में पिछड़े और दलित समाज के हक को लूटना, समान नागरिक संहिता में रोड़े अटकाना का कार्य कांग्रेस पार्टी ने किया। आज उसी दल के नेता पैजामे के पीछे की पॉकेट में बाबा साहब द्वारा निर्मित देश के ग्रन्थ को लेकर घूमते है और हवा में लहराते हुए पिछड़े समाज की लड़ाई लड़ने का दिखावा करते है। आज की संगोष्ठी का मकसद सिर्फ पिछड़े समाज को जगाना नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग को जगाने का प्रयास है। उसे समझना होगा कि देश को बनाने में किसका सबसे बड़ा योगदान है। कांग्रेस पार्टी वंशवाद का शिकार है, पिछड़े समाज का व्यक्ति कभी वहां उच्च पद पर आसीन नहीं हो सकता। भाजपा एकमात्र ऐसा दल है जहां आम कार्यकर्ता देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बन सकता है, बस मेहनत से समाज की सेवा का प्रण उसका संकल्प हो।

सांसद अशोक रावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी सर्व समाज के सहयोग से बनी है। यह विश्व का एकमात्र ऐसा संगठन है जिसका अगला अध्यक्ष किसी परिवार से नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं के बीच से निकलता है और वह किसी भी समाज का हो सकता है। इसलिए भाजपा को सभी समाज का विश्वास हासिल हुआ है। तीन बार केंद्र में भाजपा की सरकार बनना जनता के आशीर्वाद से संभव हुआ। जिसमें पिछड़े और दलित समाज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने पिछड़े और दलित समाज को सिर्फ वोट बैंक तक सीमित रखा। कभी उसे मुख्यधारा में शामिल करने के लिए किसी योजना पर कार्य नहीं किया। आज वहीं दल अपनी खत्म होती राजनैतिक जमीन को बचाने के लिए झूठे प्रपंच कर रहे है। पिछड़े और दलित समाज में खाई खोदने का कार्य कर रहे है, लेकिन उनके मंसूबों पर हमेशा पानी ही फिरा है क्योंकि जनता को मोदी और योगी के नेतृत्व पर विश्वास है।

जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें बाबा साहब के दिखाए हुए मार्ग पर बढ़ते हुए देश को एकसूत्र में बांधकर विकसित भारत यात्रा की ओर अग्रसित है। भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं में सभी धर्म और जाति के लाभार्थियों को लाभ दिलाने का कार्य किया गया। पीएम मोदी के शासन काल में 8 संविधान संशोधन हुए, जो परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति को नहीं बल्कि राष्ट्र की एकता को समर्पित रहे। पीएम मोदी ने बाबा साहब द्वारा निर्मित संविधान की 75वीं वर्षगांठ को ऐतिहासिक रूप में मनाने का कार्य किया। देश के सभी नागरिकों को इस अभियान के से जुड़कर अपने संविधान निर्माता के विषय में जानने और उनके सम्मान में समाज में फैली भ्रांतियों को मिटाने का मौका दिया है। हमें इसका लाभ लेकर अपनी युवा पीढ़ी को सच का सामना करना है। संगोष्ठी में बौद्ध भिक्षु भंते एवं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती ने विचार साझा किए और कार्यक्रम का समापन अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष महिपाल गौतम के भाषण से संपन्न हुआ। संगोष्ठी में उपस्थित रहे नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा, जिला महामंत्री अनुराग मिश्र, सतेंद्र राजपूत, जिला मंत्री अविनाश पांडे, नीतू चंद्रा, मीना वर्मा, आज़ाद भदौरिया, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक सह मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता, सत्यम शुक्ल, महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता, नगर अध्यक्ष मुदित बाजपेई, निवर्तमान नगर अध्यक्ष अजीत उपाध्याय, मीनाकुमारी, निधि सिंह, अनुराधा मिश्र, सुहाना जैन, शोभना सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी प्रद्युम्न आनंद, अनुराग श्रीवास्तव आदि।

मायावती ने सपा पर लगाया दलित वोटों के लिए तनाव और हिंसा भड़काने का आरोप

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर दलित वोटों के लिए तनाव और हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने सपा की बयानबाजी और कार्यक्रमों को संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करार दिया। मायावती ने दलितों, पिछड़ों और मुस्लिमों से सपा के बहकावे में न आने की अपील की है। बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, "विदित है कि अन्य पार्टियों की तरह आए दिन सपा द्वारा भी पार्टी के खासकर दलित लोगों को आगे करके तनाव व हिंसा का माहौल पैदा करने वाले इनके अति विवादित बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप व कार्यक्रम आदि का जो दौर चल रहा है।

अग्नि शमन प्रभारी ने अपनी टीम के साथ स्वास्थ्य कर्मचारियों को आग बुझाने की दी जानकारी

स्वतंत्र प्रभात

मिश्रिख (सीतापुर) अग्नि शमन प्रभारी मिश्रिख राजबहादुर दुबे ने अपनी टीम के साथ आज महर्षि दधीचि सामुदायिक स्वास्थ्य मिश्रित में माक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन करके सभी कर्मचारियों को आग बुझाने के तरीके और सुरक्षा उपायों के बारे में विस्त्रत जानकारी देकर जागरूक किया। तथा सभी लोगों को जागरूक करने की अपील की । इस मौके पर अग्निशमन प्रभारी ने बताया है। कि गैस सिलेंडर आदि उपकरणों में अचानक आग लगने पर घबराने की कतई जरूरत नही है। उसे बहुत ही आसानी से बुझा कर आग पर काबू पाया जा सकता है। अगर अचानक आग लग जाती है। तो नजदीकी अग्नि शमन स्टेशन में फोन करके सूचना दे। अग्नि शमन टीम तत्काल मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लेगी। आयोजित मांक ड्रिल में अग्नि शमन प्रभारी ने गैस सिलेंडर में आग लगाकर उसे बुझाकर सभी को दिखाया । तथा प्रत्येक मांह सुरक्षा उपकरणों की जांच कराने की हिदायत दी। उन्होने बताया कि अग्नि शमन सुरक्षा सेवा सप्ताह के तहत यह आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूली बच्चों, सामाजिक संस्थाओं के साथ ही सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बराबर जागरूक किया जा रहा है। इस अवसर पर अग्नि शमन टीम में शामिल समीउल्ला, विकास वर्मा तथा महर्षि दधीचि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के स्वास्थ्य अधीक्षक डा. प्रखर श्रीवास्तव, रवी विश्वकर्मा सहित चिकित्सालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

84 वां निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित हुआ

स्वतंत्र प्रभात

सण्डीला (हरदोई) सीतापुर आई हॉस्पिटल, सीतापुर एवं लाला गंगाप्रसाद मानव कल्याण, सण्डीला के संयुक्त तत्वावधान में 84वाँ निःशुल्क नेत्र परीक्षण व निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु नेत्रशिविर का आयोजन, नगर कल्याण समिति (नियर आइडियल स्कूल), सण्डीला में आयोजित किया गया। इस शिविर का उद्घाटन विकास खण्ड कछौना के अपर कार्यक्रम अधिकारी अतुल कुमार राय ने किया। शिविर प्रारम्भ होने से पूर्व विश्व के कल्याण के लिए, संयोजक डॉक्टर सत्यप्रकाश गुप्ता के संयोजन में हवन किया गया व साथ ही टीबी रोग से ग्रसित 5 मरीजों को निःशुल्क खाद्य किट भी संस्था के द्वारा प्रदान की गई।दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ करते हुए एपीओ अतुल कुमार राय ने कहा कि डॉक्टर सत्यप्रकाश व उनकी संस्था के सहयोगीगण द्वारा यह एक बेहतरीन प्रयास किया जा रहा है। ये सब लोग इस निःशुल्क शिविर का प्रत्येक महीने आयोजन कर रहे हैं और हजारों गरीबों की आँखों के निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन करवा चुके हैं। आज के मतलब के समय में यह संस्था वास्तव में बहुत नेक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही वास्तव में नारायण सेवा है।बताते चलें कि यह निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर पिछले सात वर्ष से संयोजक डॉक्टर सत्यप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में हजारों बेसहारा, गरीब आशक्तजनों की आँखें, संस्था के द्वारा निःशुल्क सही कराई जा चुकी हैं।संस्था में सण्डीला नगर व आसपास के कई प्रतिष्ठित व्यक्ति जुड़ें हैं। इनमें पूर्व शिक्षक व वरिष्ठ भाजपा नेता विशुनदयाल शुक्ला, संतकृपाल नगर के सामने स्थित सीएनजी व पेट्रोल पंप के मालिक शिवनारायण गुप्ता, पूर्व प्रधानाचार्य भगवान बुद्ध इण्टर कॉलेज, सण्डीला अरविंद अस्थाना, हरदोई की निःस्वार्थ समाजसेवी विभा गुप्ता, एडवोकेट श्रीकांत गुप्ता, अपर कार्यक्रम अधिकारी, बेहन्दर/कोथावाँ व नगर के निःस्वार्थ समाजसेवी आलोक कुमार अस्थाना, समाजसेवी नितिन शर्मा, राकेश मोहन, शिवाजी, राधेश्याम आदि निःस्वार्थ लोग डॉक्टर सत्यप्रकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रत्येक महीने के तीसरे बुद्धवार को इस नेक कार्य में सहयोग करते हैं।इस अवसर पर उपरोक्त सदस्यों के अतिरिक्त सीतापुर आई हॉस्पिटल से आई नेत्र चिकित्सक डॉक्टर श्रुति, रामगोपाल शुक्ल, शहनवाज हुसैन, अनवर हुसैन, नर्स हमजा, नर्स समीक्षा आदि टीम में सम्लित रहे।

डॉ नन्द किशोर को दी गयी भावभीनी विदाई

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई विगत दिवस देर शाम बसंत लीला होटल में संयुक्त निदेशक कृषि डॉ नन्द किशोर को भावभीनी विदाई दी। जनपद हरदोई में उपनिदेशक कृषि के रुप में कार्यरत रहे डॉ नन्द किशोर अब अलीगढ़ मण्डल में संयुक्त निदेशक कृषि के रुप में अपनी सेवाएं देंगे। विदाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने संयुक्त निदेशक को पुष्प गुच्छ भेंट किया। उन्होंने डॉ नन्द किशोर को शाल उढ़ाई व राम दरबार की प्रतिमा भेंट की। मुख्य विकास अधिकारी ने डॉ नन्द किशोर को भगवान कृष्ण की प्रतिमा भेंट की। जिलाधिकारी ने भावुक होकर अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि संयुक्त निदेशक कृषि कभी भी निराश न होने वाले अधिकारी रहे। उन्होंने अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा व तन्मयता के साथ निर्वहन किया। जिलाधिकारी ने उदाहरणों के माध्यम से डॉ नन्दकिशोर के बेदाग कार्यकाल पर प्रकाश डाला। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने कहा कि उपनिदेशक कृषि के रुप में डॉ नन्द किशोर सभी विभागों को साथ लेकर चलने की क्षमता रखते थे। अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह ने कहा कि उपनिदेशक कृषि का पूरा कार्यकाल बेदाग रहा। अन्य अधिकारियों ने भी उपनिदेशक कृषि के साथ अपने यादगार लम्हों को रखा। अंतिम वक्ता के रुप में अपनी बात रखते हुए संयुक्त निदेशक कृषि ने कहा कि जब उन्होंने कृषि विभाग में सेवा शुरू की थी उस समय उनके जिलाधिकारी जी के मित्तल जी थे जो एक बेहतरीन जिलाधिकारी थे और

कार्यकाल के अंतिम पड़ाव पर पर मंगला प्रसाद सिंह के रुप में ऐसे जिलाधिकारी मिले जिन्हे मानवीय संवेदना और प्रशासकीय क्षमता के मामले में उनके समकक्ष रखा जा सकता है। उन्होंने जिलाधिकारी को उन पर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया।

बच्चों की प्रतिभा निखारने में शिक्षक व अभिभावक की भूमिका अहम- सुनील कुमार

प्राथमिक विद्यालय तड़ौरा में शारदा संगोष्ठी व वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

सांडी विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय तड़ौरा में गुरुवार को शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन व मां शारदा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, शिक्षक और अभिभावक मिलकर इनको निखारने का काम करें।शिक्षक अजीत शुक्ल ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जितनी भूमिका शिक्षक की है उतनी ही उनके माता-पिता की भी है। दोनों का समवेत प्रयास बच्चों की प्रगति में सहायक होगा।वार्षिकोत्सव में वार्षिक परीक्षा में प्रथम ,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कक्षा एक में नवीन नामांकन करने वाले बच्चों को भी पुस्तक देकर पढाई के प्रति प्रेरित किया गया।

पांचवी कक्षा उत्तीर्ण कर चुके बच्चों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शिवांशु दुबे, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले आयुष दुबे व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा चांदनी को खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं विद्यालय में बेहतर कार्य करने के लिए शिक्षा मित्र विनोद कुमार व अर्जुन सिंह को विद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान संतोष यादव, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव,शिक्षक विजय वर्मा, अभिभावक राम मुरारी, नरेश कुमार, राजीव कुमार, मंजू यादव, उर्मिला देवी, अनीता देवी व जितेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

सोनभद्र ओबरा-चोपन मार्ग पर कमला पेट्रोल टंकी बनी नियमों का अड्डा, स्कूली बच्चों की सुरक्षा खतरे में

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र। ओबरा-चोपन मार्ग पर स्थित कमला पेट्रोल टंकी इन दिनों खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाने का केंद्र बन गई है। यहां प्रतिदिन ओवरलोड और बिना नंबर प्लेट वाली बालू से लदी ट्रकों का जमावड़ा देखा जा सकता है। रोड के किनारे पत्थर, बस्सी गिल बालू गिरे और बिखरे पड़े हुए हैं, जिससे आम राहगीरों को भारी असुविधा और खतरे का सामना करना पड़ रहा है।चिंताजनक बात यह है कि इस पेट्रोल टंकी के ठीक बगल में मां शारदा पब्लिक स्कूल एवं देवी पब्लिक स्कूल स्थित हैं, जहां लगभग सैकड़ों बच्चों का प्रतिदिन इसी रास्ते से आना-जाना लगा रहता है। दो स्कूलों के बीच में पेट्रोल टंकी पर गाड़ियों का जमावड़ा बच्चों का ध्यान भी आकर्षित करता है, जिससे उनकी सुरक्षा और भी अधिक खतरे में पड़ गई है।

प्रत्येक दिन इस पेट्रोल पंप पर ओवरलोड बालू की गाड़ियां खड़ी रहती हैं, जिनसे लगातार पानी टपकता रहता है, जिससे सड़क पर फिसलन का खतरा बना रहता है। नगर से निकलने वाले बरसात के पानी का नाला भी टूट गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पेट्रोल टंकी पर खुलेआम कुर्सी लगाकर दबंग घात लगाए बैठे रहते हैं। ये इतने दबंग हैं कि पत्रकारों द्वारा सच्चाई उजागर करने की कोशिश करने पर उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी तक देते हैं। सबसे गंभीर चिंता का विषय यह है कि यदि पत्रकार सच्चाई लिखते हैं तो उन्हें फर्जी मुकदमा करने की धमकी दी जाती है।इनमें से ज्यादातर ट्रकों पर नंबर प्लेट मौजूद नहीं है। ट्रक मालिक निर्भीक होकर सरकारी नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, और राजस्व को क्षति पहुंचा रहे हैं, जिसकी कीमत स्थानीय जनता को चुकानी पड़ रही है। आस-पास के क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों के कारण यदि कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना घट जाती है, तो पीड़ितों के लिए न्याय की उम्मीद धूमिल हो जाती है। बिना नंबर प्लेट की गाड़ियां सड़क पर तेज गति से चलती हैं, जिसके कारण आस-पास के लोगों में भय का माहौल व्याप्त है। इसके अतिरिक्त, ये भारी वाहन सड़कों पर तेज गति से दौड़ते हैं, जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। शारदा मंदिर से गजराज नगर और डिग्री कॉलेज, बिल्ली स्टेशन तक इसी तरह का खतरा बना रहता है।इस गंभीर समस्या के साथ-साथ, शारदा मंदिर चौराहे पर स्थापित पुलिस केंद्र की निष्क्रियता भी चिंता का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, जब से यह पुलिस केंद्र बना है, तब से इस पर ताला लटका हुआ है।

पुलिस केंद्र में ताला लगे रहने के कारण असामाजिक तत्वों और मनमानी करने वाले वाहन चालकों का मनोबल बढ़ गया है, जिससे क्षेत्र में अराजकता का माहौल है और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ गई है।जब पत्रकार बंधुओं ने इस संबंध में कमला पेट्रोल टंकी के कर्मचारियों से पूछताछ करने का प्रयास किया, तो पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने हमेशा की तरह यही रटा-रटाया जवाब दिया कि ये गाड़ियां केवल तेल भरवाने के लिए यहां रुकती हैं। हालांकि, पानी से लबालब और बिना नंबर प्लेट की इतनी बड़ी संख्या में गाड़ियों की लगातार उपस्थिति कई गंभीर सवाल खड़े करती है, जिनकी जांच आवश्यक है।यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि इस क्षेत्र में परिवहन नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है और संबंधित अधिकारी इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई करने में नाकाम रहे हैं।

ट्रक मालिक की दबंगई और पत्रकारों को धमकाना स्थिति की गंभीरता को और बढ़ाता है, खासकर दो-दो स्कूलों के लगभग सैकड़ों बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। आम जनता की सुरक्षा और सुविधा को दांव पर लगाकर किए जा रहे ऐसे गैरकानूनी कृत्यों पर प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। शारदा मंदिर चौराहे पर पुलिस केंद्र की निष्क्रियता भी प्रशासन की लापरवाही को उजागर करती है, जिसे तुरंत दूर किया जाना चाहिए ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनी रहे और पत्रकारों को निर्भीक होकर अपना काम करने का सुरक्षित माहौल मिल सके, साथ ही स्कूल के बच्चों की सुरक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित की जा सके।

पूर्व सपा विधायक ने निशुल्क मोक्ष रथ जनता को किया समर्पित

● बाबा जनवारी नाथ धाम में विधिवत पूजन अर्चन के बाद शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात

लंभुआ। सुल्तानपुर समाज सेवा का कोई अलग रूप नहीं होता है, समाज सेवा किसी राजनीति से प्रेरित नहीं होती, यह कभी भी कहीं भी की जा सकती है। ईमानदारी से की गई जन सेवा ही सच्चा धर्मार्थ है। उक्त विचार बाबा जनवारीनाथ धाम में। विशुल्क मोक्ष रथ जनता को समर्पित करने के मौके पर पूर्व सपा विधायक संतोष पांडे ने व्यक्त किए। लंभुआ विधानसभा सपा के पूर्व विधायक संतोष पांडे ने गुरुवार को बाबा जनवारीनाथ धाम से मौनी महाराज की उपस्थिति में विधिवत पूजन अर्चन के बाद निशुल्क मोक्ष रथ का शुभारंभ किया। इसके लिए बाकायदा उन्होंने अपनी तरफ से समाज को एक बस प्रदान की। पूर्व विधायक श्री पांडे ने कहा कि यह सेवा समाज के सभी जाति धर्म के लोगों के लिए है। कभी-कभी जब मैं दाह संस्कार के समय घाट पर जाता था, तो देखता था कि समाज के गरीब कमजोर लोग ऐसी व्यवस्था करने में अपने को काफी असहज महसूस करते थे और वह लोग चाहते भी थे कि अंतिम यात्रा में समाज के अन्य लोग भी आए। लेकिन व्यवस्था करने में असमर्थ होते थे। बस मेरे मन में विचार आया कि मैं समाज के लिए ऐसी व्यवस्था दूं। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था लावारिस लाशों के लिए भी रहेगी। हमारे साथ हमारे सहयोगी आरव ग्लोबल संस्था के नितिन तिवारी भी ऐसे सामाजिक कार्य में साथ दे रहे हैं। मौनी महाराज ने कहा कि निशुल्क मोक्ष रथ सर्व समाज का है, यह किसी सत्ता या किसी राजनीतिक दल का नहीं है। आज एक वाहन आया है कल सैकड़ो वाहन शामिल होंगे। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य को पूर्व विधायक ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मौके पर वरिष्ठ सपा नेता राजबली यादव, विधानसभा अध्यक्ष सतपाल यादव, परमात्मा यादव, अतेंद्र जायसवाल, मुलायम यादव, अजीत श्रीवास्तव, बंसराज यादव, हरिकेश यादव, हरीश यादव, यगदेव भट्ट समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

वक्फ संशोधन विधेयक पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और राहुल गांधी की चुप्पी पर उठे सवाल, मुस्लिम लीग नाराज, बताया 'काला धब्बा'

संसद में हाल ही में पारित वक्फ संशोधन विधेयक 2024 ने राजनीतिक हलकों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस विधेयक पर चर्चा के दौरान वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति ने इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग (ढ्ढरूरु) सहित कई विपक्षी दलों को नाराज कर दिया। पार्टी ने इस बारे में तीखी प्रतिक्रिया दी और प्रियंका गांधी की आलोचना की। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर भी सवाल उठाए गए हैं।

प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति पर नाराजगी

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संसद में चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी का सत्र में हिस्सा न लेना कई लोगों के लिए चौंकाने वाला था। समस्त केरल जेम-इय्यथुल उलमा के मुखपत्र 'सुप्रभातम' में प्रकाशित एक संपादकीय में प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति को "काला धब्बा" बताया गया। संपादकीय में सवाल उठाया गया कि जब बीजेपी इस विधेयक को आगे बढ़ा रही थी, तब प्रियंका गांधी कहां थीं? साथ ही, यह भी कहा गया कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

राहुल गांधी पर सवाल उठाए गए

प्रियंका गांधी के अलावा, कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पर भी सवाल उठाए गए। संपादकीय में कहा गया कि राहुल गांधी ने वक्फ विधेयक पर अपनी स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की, जबकि वे यह दावा करते हैं कि यह विधेयक देश की एकता को प्रभावित करता है। संपादकीय में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ तीखा रुख अपनाया गया, लेकिन साथ ही इंडिया गठबंधन के तहत संसद में बिल के खिलाफ उनके सामूहिक रुख की सराहना भी की गई।

कांग्रेस सांसद ने विधेयक को बताया असंवैधानिक

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन ने वक्फ विधेयक को असंवैधानिक और अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि "यह विधेयक संविधान के खिलाफ है और इसे पारित नहीं किया जाना चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष ने एकजुट होकर इस विधेयक का विरोध किया, लेकिन सरकार इसे पारित करने पर अडिग रही। उन्होंने इसे लक्षित कानून भी करार दिया, जिसका उद्देश्य विशेष समुदाय को नुकसान पहुंचाना है।

वक्फ विधेयक 2024 की पारित प्रक्रिया

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को संसद में काफी बहस के बाद पारित किया गया। राज्यसभा में इस विधेयक पर बहस रातभर चली और इसके पारित होने के बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने इसकी पुष्टि की। इस विधेयक के पक्ष में 128 वोट पड़े जबकि 95 वोट इसके खिलाफ थे, और अनुपस्थित वोटों की संख्या शून्य रही।

वक्फ विधेयक 2025 का उद्देश्य

वक्फ विधेयक 2024 का मुख्य उद्देश्य 1995 के वक्फ अधिनियम में संशोधन कर भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में सुधार करना है। इस विधेयक के तहत वक्फ बोर्डों की कार्यकुशलता बढ़ाने, पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने और वक्फ रिकॉर्ड के प्रबंधन में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य वक्फ बोर्डों की कार्यप्रणाली में सुधार कर उनकी पारदर्शिता और कार्यकुशलता को बढ़ाना है, ताकि वक्फ संपत्तियों का सही तरीके से प्रबंधन किया जा सके।

विपक्षी दलों का विरोध

इस विधेयक को लेकर विपक्षी दलों ने इसे असंवैधानिक और गलत तरीके से लागू करने का आरोप लगाया है। उनका मानना है कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन करता है और उन्हें इस प्रक्रिया से बाहर रखा जा रहा है। विपक्षी दलों ने इसे लक्षित कानून बताया है, जो केवल एक विशेष समुदाय को निशाना बनाता है। वक्फ विधेयक 2024 ने भारतीय राजनीति में हलचल मचाई है, जिसमें कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने इसकी आलोचना की है। हालांकि, सरकार इसे पारित करने पर अडिग रही और इसको एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अब यह देखना होगा कि यह विधेयक समाज में किस तरह के प्रभाव डालता है और क्या विपक्षी दलों के विरोध के बावजूद इसका प्रभावी कार्यान्वयन हो पाता है।

तेजस्वी-राहुल मुलाकात में भी नहीं बनी बात- महागठबंधन में पेंच अभी फंसा हुआ है!

बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था।

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था।

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है।

बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है।

कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे।

लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे। कांग्रेस ने आरजेडी के ऑफर (यानी 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने) को सिरे से नकार दिया और पिछली बार की तरह 70 सीटों की मांग रख दी। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछली बार की तरह कांग्रेस कमजोर और हारने वाली सीटों को स्वीकार नहीं करेगी। सीट को लेकर विस्तार से चर्चा पटना की बैठक में होगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर भी कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते खोलने से साफ इनकार कर दिया है।

दिल्ली की बैठक बेनतीजा रही, यह बैठक के बाद आए बयानों से भी साफ पता चलता है। बड़ी उम्मीदों के साथ दिल्ली आए तेजस्वी यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, "पता नहीं आप लोग क्यों चिंतित रहते हैं चेहरे के लिए। यह हम लोगों की चीजें हैं। हम लोगों की बातचीत के बाद सारी चीजें सामने आ जाएंगी। इसमें आप लोगों को परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है।"

मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर पत्रकारों ने यही सवाल बैठक से बाहर आए कांग्रेस के नेताओं से भी पूछा। कृष्णा अल्लावरु ने भी साफ और स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि , अगर पहली मुलाकात में ही सब कुछ तय हो गया होता तो वे इसकी जानकारी जरूर देते। मतलब साफ है कि गठबंधन में अभी काफी पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस इस बार झुकने को तैयार नहीं है।

बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने है। आरजेडी चाहती थी कि पहले कांग्रेस के साथ सारे मुद्दे तय कर लिए जाएं, फिर गठबंधन में शामिल अन्य राजनीतिक दलों के साथ बैठक की जाए। लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में खरगे के आवास पर हुई पहले दौर की बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश कामयाब नहीं हो पाई। आपको बता दें कि, 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे के तहत आरजेडी 144, कांग्रेस 70, सीपीआई (एमएल) 19, सीपीआई 6 और सीपीआइ (एम) 4 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। विपक्षी गठबंधन के प्रदर्शन की बात करें तो, आरजेडी को 75, कांग्रेस को 19, सीपीआई(एमएल) को 12 और सीपीआई एवं सीपीआई(एम) को 2-2 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

आरजेडी कांग्रेस को 70 में से सिर्फ 19 सीटें जीतने की याद दिलाते हुए, इस बार सिर्फ 50 सीटों पर लड़ने की बात कह रहा है। जबकि कांग्रेस 70 से कम पर मानने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब सबकी निगाहें, 17 अप्रैल को पटना में होने वाली महागठबंधन की बैठक पर टिक गई है। कांग्रेस सीटों की संख्या और सीटों के नाम के ऐलान के साथ ही उपमुख्यमंत्री के पद पर भी अड़ गई है। आरजेडी जब तक इन मुद्दों पर कांग्रेस की बात नहीं मान लेती है, तब तक कांग्रेस भी मुख्यमंत्री पद को लेकर अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं है। इसके साथ ही कांग्रेस इस बार एक साझा कार्यक्रम के आधार पर चुनाव में जाना चाहती है।

शैक्षणिक जड़ता की गिरफ्त में हजारीबाग का गौरव- कब मिलेगा विवि को स्थायी कुलपति?

झारखण्ड के हजारीबाग जिले में स्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय, जो कभी राज्य की उच्च शिक्षा का एक प्रेरणास्पद और प्रतिष्ठित केंद्र हुआ करता था, आज प्रशासनिक अस्थिरता और असमंजस की स्थिति से जूझ रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता का प्रतीक रहा यह विश्वविद्यालय पिछले दो वर्षों से अस्थायी कुलपति के नेतृत्व में चल रहा है। शुरुआत में यह व्यवस्था तात्कालिक समाधान के रूप में स्वीकार की गई थी, परन्तु समय के साथ यह एक स्थायी समस्या बन चुकी है। अस्थायी नेतृत्व के पास न तो वह अधिकार होते हैं जो एक स्थायी कुलपति को प्राप्त होते हैं, और न ही वह दीर्घकालिक योजनाओं को कार्यान्वित करने में समर्थ होता है। इसके परिणामस्वरूप, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, शोध और प्रशासनिक कार्य ठहराव का शिकार हो गए हैं। आज विश्वविद्यालय की निर्णय प्रक्रिया लगभग ठप पड़ी है। नए पाठ्यक्रमों की स्वीकृति रुकी हुई है, शोध परियोजनाएं अधूरी हैं, और शिक्षकों की नियुक्ति व प्रोन्नति जैसे महत्वपूर्ण कार्य महीनों से लंबित हैं। इससे न केवल अकादमिक वातावरण प्रभावित हुआ है, बल्कि विद्यार्थियों का मनोबल भी गिरा है। वे यह सोचने पर मजबूर हैं कि उनके भविष्य की दिशा किसके हाथ में है। शिक्षकों पर भी इसका गहरा असर पड़ा है। जब संस्थान का नेतृत्व अस्थिर होता है, तो उनकी व्यावसायिक प्रगति, सेवा शर्तों की समीक्षा और नवाचार की संभावनाएं सभी प्रभावित होती हैं। इससे उनका उत्साह और समर्पण कमजोर पड़ता है, जो अंततः शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। अस्थायी कुलपति के पास विश्वविद्यालय के दीर्घकालिक विकास के लिए न तो पर्याप्त समय होता है, न ही संसाधन। इससे संस्थान की बौद्धिक उर्वरता, शोध और नवाचार की संभावनाएं बाधित होती हैं। विश्वविद्यालय एक जीवंत शैक्षणिक केंद्र बनने के बजाय केवल एक प्रशासनिक इकाई बनकर रह जाता है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार और राजभवन को इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। यह केवल विश्वविद्यालय का संकट नहीं है, बल्कि पूरे राज्य की शिक्षा व्यवस्था की साख का सवाल है। अब समय आ गया है कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय को इस अस्थायी जड़ता से मुक्त किया जाए और इसे एक स्थायी, सक्षम व दूरदृष्टि-संपन्न कुलपति प्रदान किया जाए। यह नियुक्ति केवल एक प्रशासनिक कार्यवाही नहीं होनी चाहिए, बल्कि एक ऐसी पहल होनी चाहिए जो विश्वविद्यालय के पुनर्निर्माण, शोध कार्यों के सुदृढ़ीकरण और शैक्षणिक माहौल को पुनर्जीवित करने के लिए की जाए। एक प्रभावशाली और दूरदर्शी कुलपति ही इस संस्थान को फिर से उस गौरवशाली स्थिति तक ले जा सकता है, जहां से यह प्रेरणा और उत्कृष्टता का स्रोत बना था। यदि ऐसा शीघ्र नहीं किया गया, तो यह विश्वविद्यालय केवल नाममात्र का संस्थान बनकर रह जाएगा, न कि एक जीवंत और सशक्त शैक्षणिक केंद्र।

हंसराज चौरसिया

संपादकीय

शपथ पत्रों में झूठ का दस्तावेज़ीकरण- कानून की आत्मा पर आघात

भारतीय न्याय व्यवस्था, जो विश्व की सबसे विशाल और जटिल विधिक संरचनाओं में से एक है, केवल विधानों की व्याख्या का मंच नहीं है, बल्कि यह भारतीय गणराज्य की आत्मा की अभिव्यक्ति है। यह व्यवस्था इस सिद्धांत पर आधारित है कि न्याय की नींव सत्य पर टिकी होनी चाहिए, और इस सत्य को स्थापित करने के लिए जो विधिक औज़ार न्यायालय में प्रयुक्त होते हैं, उनमें सबसे मौलिक और गंभीर औज़ार है शपथ पत्र। शपथ पत्र, मात्र एक लिखित कथन नहीं है। यह एक कानूनी प्रतिज्ञा है एक वचन जिसे कोई व्यक्ति न्यायालय के समक्ष यह विश्वास दिलाने के लिए प्रस्तुत करता है कि उसमें उल्लिखित तथ्य संपूर्ण रूप से सत्य, निष्पक्ष और प्रमाणिक हैं। यह प्रतिज्ञा न केवल विधिक दायित्व है, बल्कि नैतिक उत्तरदायित्व का भी प्रतीक है। जब कोई व्यक्ति अदालत के समक्ष शपथ लेकर कोई तथ्य प्रस्तुत करता है, तो वह स्वयं को उस सत्य के साथ जोड़ता है, जिसे संविधान ने न्याय के लिए अनिवार्य माना है। किन्तु, आज जब हम न्यायालयों में शपथ पत्रों की वास्तविकता पर दृष्टिपात करते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि इस मूलभूत प्रक्रिया की पवित्रता में एक गहरा क्षरण हो रहा है। अनेक मामलों में देखा गया है कि पक्षकार जानबूझकर झूठे या भ्रामक शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहे हैं, जिनका उद्देश्य केवल अदालत को गुमराह करना, न्याय प्रक्रिया को विलंबित करना, या अपने प्रतिद्वंदी पक्ष को अनुचित रूप से दबाव में लाना होता है। यह प्रवृत्ति न केवल एक व्यक्तिगत दोष है, बल्कि यह संपूर्ण न्यायिक व्यवस्था को अपवित्र करने वाली विकृति है। शपथ पत्रों का दुरुपयोग अब केवल असाधारण अपवाद नहीं रहा। यह एक सामान्य होती जा रही प्रवृत्ति है, जिससे मुकदमों की अवधि अनावश्यक रूप से लंबी होती है, न्यायालयों पर कार्यभार बढ़ता है और सत्य की खोज में बाधाएँ उत्पन्न होती हैं। इससे न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठते हैं। जब आम नागरिक देखता है कि झूठे दस्तावेज़ प्रस्तुत करने वालों के विरुद्ध कोई कड़ी कार्रवाई नहीं होती, तो वह धीरे-धीरे न्यायालयों में अपने विश्वास को खोने लगता है। यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत गंभीर संकेत है। वास्तव में, भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत इस प्रकार के कृत्य के लिए सख्त दंड का प्रावधान है। धारा 191 के अंतर्गत झूठा साक्ष्य देना अपराध है, और धारा 193 के अनुसार ऐसे व्यक्ति को सात वर्ष तक के कारावास की सजा दी जा सकती है। धारा 199 झूठे शपथ पत्र के लिए अलग से दंड निर्धारित करती है। परंतु व्यवहार में इन धाराओं का उपयोग बहुत सीमित होता है। निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक, बहुत कम ऐसे मामले देखे जाते हैं जहाँ शपथ पत्र में झूठे विवरण प्रस्तुत करने पर स्वतः संज्ञान लिया गया हो या कड़ी कार्रवाई की गई हो। इससे यह संकेत जाता है कि इस अपराध को अब भी एक गंभीर अतिक्रमण की बजाय एक प्रक्रियात्मक खामी के रूप में देखा जाता है जो न्याय के सिद्धांतों के साथ अन्याय है। इस स्थिति में सुधार की दिशा में प्रथम प्रयास यह होना चाहिए कि न्यायालय शपथ पत्रों को केवल औपचारिक दस्तावेज़ की तरह न देखकर, उसे न्यायिक विवेक का बुनियादी आधार मानें। न्यायालयों को चाहिए कि वे प्रत्येक शपथ पत्र की प्रामाणिकता पर, विशेषकर जब विरोधी पक्ष संदेह जताए, संजीदगी से विचार करें और आवश्यक हो तो स्वतंत्र जांच के आदेश दें। साथ ही, यदि किसी शपथ पत्र में झूठ या भ्रामक तथ्य प्रमाणित होते हैं, तो उसकी गंभीरता को देखते हुए दंडात्मक कार्यवाही तत्काल की जानी चाहिए। इस विषय में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। अधिवक्ता न केवल न्यायिक प्रक्रिया के तकनीकी ज्ञाता होते हैं, बल्कि वे न्याय व्यवस्था के नैतिक प्रहरी भी होते हैं। यदि कोई अधिवक्ता अपने मुवक्किल के झूठे शपथ पत्र को जानते हुए प्रस्तुत करता है, तो वह केवल कानूनी कदाचार नहीं करता, बल्कि संपूर्ण न्यायिक प्रणाली की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। बार काउंसिल और न्यायालयों को ऐसे मामलों में स्पष्ट दिशानिर्देश और दंड व्यवस्था बनानी चाहिए ताकि अधिवक्ताओं की नैतिक जिम्मेदारी स्पष्ट हो सके। इसके अतिरिक्त, विधायिका को चाहिए कि वह शपथ पत्रों की वैधता और प्रामाणिकता सुनिश्चित करने हेतु तकनीकी उपायों को प्रोत्साहित करे। डिजिटल शपथ प्रणाली, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, और सत्यापन के लिए स्वतंत्र निगरानी तंत्र जैसे नवाचार न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता ला सकते हैं। इससे झूठे शपथ पत्रों की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा और साथ ही तकनीकी रूप से सशक्त न्याय व्यवस्था की नींव तैयार होगी। शपथ पत्र केवल एक कागज़ नहीं, यह एक दृष्टिकोण है। यह उस नागरिक की मानसिकता को प्रतिबिंबित करता है, जो कानून के समक्ष खड़ा है। अगर यह दृष्टिकोण सत्यनिष्ठ, नैतिक और समाजोपयोगी नहीं है, तो फिर उस दस्तावेज़ की कोई विधिक या सामाजिक प्रासंगिकता नहीं रह जाती। और जब ऐसे दस्तावेज़ों की संख्या बढ़ती है, तो संपूर्ण विधिक व्यवस्था केवल प्रक्रिया बनकर रह जाती है न्याय का उद्देश्य गुम हो जाता है।अतः अब समय आ गया है कि हम शपथ पत्र की गरिमा को पुनर्स्थापित करें। इसे केवल दस्तावेज़ नहीं, न्याय की आत्मा मानें। जो व्यक्ति इसे झूठ से कलंकित करे, उसे समाज, विधि और नैतिकता तीनों स्तर पर उत्तरदायी ठहराया जाए। न्यायालय, अधिवक्ता, विधायिका और नागरिक सभी को इस सामूहिक उत्तरदायित्व का निर्वाह करना होगा।न्यायालयों की प्रतिष्ठा, केवल उनके निर्णयों की शक्ति में नहीं होती, बल्कि उस प्रक्रिया की पवित्रता में होती है, जिससे वे निर्णय निकलते हैं। और उस प्रक्रिया की पहली शपथ, वही है कोर्ट में दायर किया गया शपथ पत्र।

हंसराज चौरसिया

बढ़ता ही जा रहा है सत्ता प्रतिष्ठान का दुस्साहस

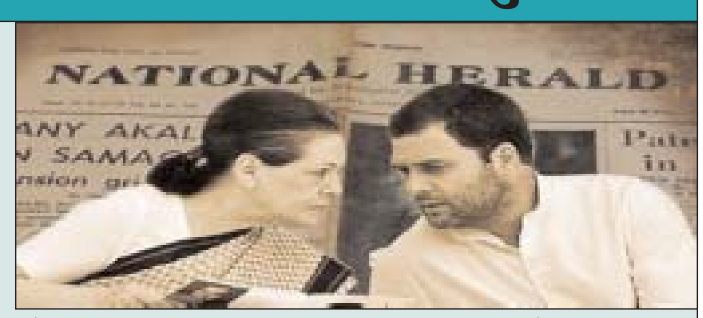

ये अच्छी खबर है या बुरी ये कहना कठिन है ,लेकिन एक बात साफ़ है कि बैशाखियों पर चलने वाले देश के सत्ता प्रतिष्ठान का दुस्साहस लगातार बढ़ता जा रहा है। अब सत्ता प्रतिष्ठान का मकसद येन-केन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी माँ श्रीमती सोनिया गांधी को जेल भेजना है। माँ-बेटे को जेल जाने से अब भगवान भी शायद ही बचा पाए ,क्योंकि अब अदाबत अपने चरम पर है।

नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल होने के बाद अब गेंद अदालत के पाले में है। अदालत किसी पर मेहरबान होती है और किसी पर नहीं। हालाँकि आरोप पत्र दाखिल होने के बाद श्रीमती सोनिया गाँधी और राहुल गांधी की दोबारा गिरफ्तारी आसान नहीं है क्योंकि दोनों पहले से जमानत पर हैं और अब जब तक कि अदालत कोई फैसला नहीं सुना देती तब तक दोबारा गिरफ्तारी नामुमकिन है। मुमकिन है की सत्ता प्रतिष्ठान ने इस मामले में भी कोई कैलेंडर तय कर रखा हो कि कब फैसला आये और कब दोनों को जेल यात्रा पर भेजा जाये ?

पूरे देश को पता है कि ईडी यानि प्रवर्तन निदेशालय इन दिनों सत्ता प्रतिष्ठान के जमूरे की तरह काम कर रहा है। नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालयने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कई नेताओं के खिलाफ चार्जशीट में ईडी ने आरोपियों पर 988 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया है।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और व्यापारी राबर्ट वाड्रा के खिलाफ गुरुग्राम लैंड डील केस में बुधवार को दूसरी बार पूछताछ हो रही है। पिछले दो दिनों में ये कांग्रेस के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों की दूसरी बड़ी कार्रवाई है। सत्ता प्रतिष्ठान की इस कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस ने देश भर में प्रदर्शन किये हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि इनका कोई असर सरकार या अदालत पर पड़ने वाला है ,क्योंकि सत्ता प्रतिष्ठान और प्रवर्तन निदेशालय के साथ ही माननीय अदालत का रुख साफ़ है।

मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठान ने गांधी परिवार को नेस्तनाबूद करने के लिए पिछले एक दशक में अपने सभी घोड़े खोल लिए हैं किन्तु उसे अभी तक कामयाबी नहीं मिली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता छीनी गयी किन्तु माननीय सुप्रीम कोर्ट ने उसे बहाल कर दिया। राहुल से उनका सरकारी बँगला खाली करा लिया गया। राहुल न डरे और न झुके। उलटे पिछले आम चुनाव में नयी ऊर्जा के साथ अपनी बहन प्रियंका के साथ लोकसभा में वापस लौटे। राहुल ने पिछले दिनों हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव भी हारे किन्तु हिम्मत नहीं हारी और वे कांग्रेस का अधिवेशन करने सत्ताप्रतिष्ठान के नाभि केंद्र गुजरात में जा पहुंचे। सत्ता प्रतिष्ठान को ये सब नागवार गुजर रहा है। परिणाम स्वरूप सत्ता प्रतिष्ठान की और से गांधी परिवार पर आक्रमण और तेज हो गया है।

आने वाले दिनों में कौन जेल जाए और कौन न जाये इससे हमारा कोई ताल्लुक नहींहैं। हमारी चिंता तो सियासत में बढ़ती अदावत को लेकर है। जिनके प्रारब्ध में जेल यात्रा होती है ,वे जेल जाते ही हैं और गांधी परिवार तो सनातन जेल यात्री है लेकिन सत्ता प्रतिष्ठान से जुड़े नेताओं को जेल यात्रा का कोई ख़ास अनुभव नहीं है। वे आपातकाल को छोड़ कभी जेल नहीं गए। जो दुर्भाग्य से जेल गए वे भी माफियां मांगकर जेल से बाहर आ गये। किसी ने जेल में रहकर अपनी जवानी बर्बाद नहीं की । किसी ने जेल में रहकर न स्वाध्याय किया और न कोई किताब लिखी। बहरहाल मामला राहुल,सोनिया,और रावर्ट वाड्रा का है। इनकी कुंडली में जेल यात्रा का योग होगा तो कोई ताकत रोक नहीं सकती और नहीं तो सत्ता प्रतिष्ठान कितनी भी कोशिश कर ले उसे कामयाबी नहीं मिलने वाली।

देश की राजनीति में वर्ष 2014 के बाद जो तब्दीली आयी है उसमें सबसे प्रमुख बात ये हैकि अपने विरोधियों को किसी न किसी तरह या तो झुका लिया जाये और कोई न झुके तो उसे तोड़ दिया जाये। सत्ता प्रतिष्ठान के आगे झुकने वालों और टूटने वालों की फेहरिश्त बहुत लम्बी है। टीडीपी और जेडीयू जैसे दल तो झुककर सत्ता प्रतिष्ठान की बैशाखी ही बन चुके हैं। बहन मायावती ,भाई अरविंद केजरीवाल हों या नवीन पटनायक तोड़े जा चुके हैं ,लेकिन बहुत से ऐसे हैं जो सत्ता प्रतिष्ठान से लगातार जूझ रहे हैं, उसे चुनौती दे रहे हैं। गांधी परिवार इस काम में सबसे आगे है। उनके पीछे समाजवादी अखिलेश यादव हैं,राजद के तेजस्वी यादव है। बंगाल की ममता बनर्जी हैं,झारखण्ड के हेमंत सोरेन हैं। दक्षिण के स्टालिन हैं। सत्ता प्रतिष्ठान की तमाम आसमानी-सुल्तानी ताकतें इन तमाम नेताओं को न तोड़ पायी हैं और न झुका पायीं है। बावजूद इसके सत्ता प्रतिष्ठान की कोशिशें जारी हैं ,हरि अनंत ,हरि कथा अनंता की तरह।

कितनी अच्छी बात है कि हमारा देश अमेरिका के टेरिफ वार यानी प्रहार से उतना आक्रान्त नहीं है जितना कि गांधी परिवार से आक्रान्त है । ममता,अखिलेश,तेजस्वी और सोरेन से आतंकित है। क्योंकि ये सब देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने में सबसे बड़ी बाधा है। ये सब मिलकर धर्मनिरपेक्षता का राग अलापते रहते हैं। ऐसे में इन्हें कैसे बर्दास्त किया जा सकता है ? सत्ता प्रतिष्ठान के ओझाओं ने अभी बिच्छुओं को पकड़ने का मन्त्र सीखा है लेकिन हाथ साँपों के बिल में डाल रहे हैं। आप हंस रहे होंगे कि मैं सत्ता प्रतिष्ठान के विरोधियों को बिच्छू और सांप कह रहा हूँ ,लेकिन ये एक कहावत है। मैं न सत्ता प्रतिष्ठान के नेताओं को सांप-बिच्छू कहता हूँ और न किसी दूसरे को ,हालाँकि तमाम ऐसे हैं जो आकंठ जहर से भरे हुए हैं।

अब इस देश की दशा और दिशा देश की अदालतों को तय करना है। वे जो फैसला देंगी उसी से इस देश की भावी राजनीति की दशा और दिशा तय होगी । फिर चाहे मामला वक्फ बोर्ड कि नए कानून का हो या गांधी परिवार के खिलाफ 'मनी लांड्रिंग' का।देश की अदालतें अभी संयोग से पूरी तरह भगवा रंग में नहीं रंगीं है। उनमें आज भी अदालतों में तर्क की ,दलील की ,बहस की गुंजाइश बाक़ी है। ये गुंजाइशें ही एक उम्मीद बांधती हैं ,अन्यथा अब लोकशाही को तानाशाही में तब्दील करने किदिशा में देश बहुत आगे बढ़ चुका है। लेकिन हम तो उनमें से हैं जो ये मानते हैं की -को कहि तर्क बढ़ावहि साखा ,होइए वही जो राम रचि रखा।

राम जी ने क्या रच कर रखा है राम जी ही जानें।हम तो इतना जानते हैं कि हमारा सत्ता प्रतिष्ठान परम दुस्साहसी है। वो अपने विरोधियों को नेस्तनाबूद करने कि लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। यानि सत्ता में बने रहने कि लिए हम कुछभी करेगा।

राकेश अचल

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

नमस्ते इंडिया की गाड़ी मोटरसाइकिल से टकरा कर गिरी, एक व्यक्ति की दबकर मौत, एक घायल

कानपुर। आज दिनांक 17/4/25 को समय लगभग 2.45 बजे एक नमस्ते इंडिया दूध की गाड़ी जिसका नंबर यूपी 76 के 8292 गोविंदपुरी ढाल से नीचे चावला की ओर जा रही थी कि अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल से टकरा गई। जिससे मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति योगेंद्र सिंह पुत्र ओंकारनाथ निवासी पुखरायां कानपुर देहात तथा कृष्ण मोहन शुक्ला पुत्र राम शंकर निवासी बर्रा 2 थाना बर्रा कानपुर नगर से टकराकर रेलवे स्टेशन को जाने वाले रास्ते पर मोटरसाइकिल सहित नीचे गिर गई जिसके नीचे कृष्णमोहन शुक्ला दब गए तथा योगेंद्र सिंह के भी चोट लगी है, कृष्ण मोहन शुक्ला को हाइड्रा मंगवाकर बड़े वाहन को उठाकर घायल कृष्ण मोहन शुक्ला को गाड़ी के नीचे से निकालवा कर नजदीकी रीजेंसी अस्पताल, गोविंद नगर भिजवाया गया, रीजेंसी अस्पताल से हैलट अस्पताल भेजा गया, जहां अस्पताल में घायल कृष्ण मोहन शुक्ला को मृत घोषित कर दिया गया है। दूसरे व्यक्ति योगेंद्र का इलाज रीजेंसी अस्पताल में चल रहा है परिजनों को सूचना दी गई है। मौके पर शांति व्यवस्था बनी है, लाइन ऑर्डर की कोई समस्या नहीं है।

कानपुर में तड़पती मां ,24 घंटे बाद भी नहीं मिला नहर में डूबा मासूम, तलाश जारी

कानपुर। मौत किसी ना किसी बहाने से संबंधित व्यक्ति को अपने साथ ले ही जाती है। वह चाहे कोई बुजुर्ग हो,जवान हो या फिर बच्चा। साथ मौत के रूप में किसी से भी बिछुड़ने का गम भी जीवन भर के लिए असह्य पीड़ा के साथ खून के आंसू रुलाने से नहीं चूकता। खास कर मां बेटे के संबंधों में बिछुड़ने की पीड़ा किसी मां के लिए और भी ज्यादा दुखदाई होती है। कुछ इसी तरह की असह्य पीड़ा का शिकार गोविंद नगर थाना क्षेत्र में रहने वाली रेनू भी है ,जिसकी वजह है। उसके 2 साल के बेटे साहिल का नहर में डूब जाना, जिसकी लाश बहुत प्रयास के बाद अब तक बरामद नहीं की जा सकी है। दादानगर फैक्टरी एरिया में रहने वाले पिता नीलकमल के मुताबिक उनका दो साल का मासूम साहिल बाबा सुरेश के पीछे-पीछे घर आ रहा था। मुरारी गैस प्लांट के पास खारजा नहर पार करने के दौरान साहिल तेज बहाव में बह गया।

सूचना देने पर मौके पर पुलिस और गोताखोर पहुंचे थे, लेकिन देर रात के चलते पानी में नहीं उतरे। सुबह गोताखोरों ने तलाशी अभियान शुरू किया है। पिता ने बताया कि पानी का भाव बहुत तेज था, जिसके कारण बच्चा डूब गया और अभी तक नहीं मिला है। बच्चे को बचाने के लिए पत्नी भी नहर में उतर गई थी। लोगों ने कूदकर बचा लिया था, वरना वह भी डूब जाती। आज पानी ढाई फीट कम कर दिया गया है। सुबह देर से पहुंचे गोताखोरों ने तलाश शुरू की है। लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका शव बरामद नहीं किया जा सका। इस घटना से मां और अन्य परिजनों का रो रो कर बहुत बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि बच्चों की तलाश लगातार की जा रही है।

शादी पुरस्कार योजना के तहत दिव्यांगजन करें आवेदन

चित्रकूट ब्यूरो: जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रियंका यादव ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत दम्पत्ति में युवक के दिव्यांग होने की दशा में 15 हजार, युवती के दिव्यांग होने की दशा में 20 हजार तथा युवक-युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में 35 हजार रुपये की धनराशि पुरस्कार स्वरूप दम्पत्ति को प्रदान की जाती है। बताया कि इस योजना का लाभ लेने वाले पात्रों की विवाह के समय युवक की आयु 21-45 वर्ष व युवती की आयु 18-45 वर्ष से अधिक न हो, दम्पत्ति में कोई आयकर दाता न हो, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक हो तथा जिनका विवाह गत वित्तीय वर्ष एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में हुआ हो। बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र दम्पत्ति विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन के बाद प्रति दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग चित्रकूट में भी जमा करें ताकि नियमानुसार कार्यवाही की जा सके।

विधानसभा अध्यक्ष ने की कानपुर के विकास कार्यों की समीक्षा

● आउटर रिंग रोड के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य शीघ्र होगा

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। विधानसभा अध्यक्ष उ0प्र0 सतीश महाना की अध्यक्षता में जनपद कानपुर के समग्र विकास के कार्यों की समीक्षा बैठक नवीन सभागार सरसैया घाट में सम्पन्न हुई। कानपुर रिंग रोड के निर्माण की समीक्षा में एन0एच0ए0आई0 के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया की कानपुर रिंग रोड का कार्य 4 पैकेज में होना है, जिसके अन्तर्गत 3 पैकेज में कार्य प्रारम्भ हो गया है एक पैकेज के टेण्डर का कार्य प्रक्रियाधीन है और अधिग्रहण का कार्य किया जा रहा है। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की समीक्षा में एन0एच0ए0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि 02 पैकेज में कार्य पूर्ण होना है। परियोजना का निर्माण कार्य मैसर्स पी0एन0सी0 इन्फ्राटेक लि0 द्वारा कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है कार्य तेजी से चल रहा है, परियोजना का निर्माण छः लेन में शहीद पथ जंक्शन से प्रारम्भ होकर बनी पर समाप्त होगा।

पैकेज 02 ऊपरगामी बनाया जाएगा तथा आउटर रिंग रोड के निकट नीचे उतरेगा। आउटर रिंग रोड पर जंक्शन का निर्माण किया जाएगा, उक्त परियोजना का निर्माण कार्य मैसर्स पी0एन0सी0 द्वारा प्रारम्भ कर दिया गया है जो कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। उक्त परियोजना जल्द ही पूर्ण होगी।

विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कानपुर नगर दक्षिण वासियों की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुये बैठक में विचार-विमर्श किया गया विभागीय समंजन स्थापित करते हुए कार्य कराए जाने के निर्देश दिए गए। सैबसी झील के निर्माण की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए गए की इसका स्वरूप बेहतर सुरक्षित बनाया जाए इसके लिए कार्य करना सुनिश्चित करें। जाजमऊ से चकेरी एयरपोर्ट को जाने वाले मार्ग के निर्माण में आ रही बढ़ाओ को दूर करते हुए युद्ध स्तर पर कार्य करना सुनिश्चित किया जाए।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में किया प्रदर्शन

राजापुर, चित्रकूट: पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में गुरुवार को राष्ट्रीय हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी हर्षिता देवड़ा को सौंपा। इस दौरान संगठन मंत्री चन्द्रिका पाण्डेय सोनू ने कहा कि देकर पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार एवं धर्मांतरण पर रोक लगाई जाए। कहा कि केंद्र सरकार को ऐसा करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। कहा कि ऐसा न होने पर संगठन के पदाधिकारी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र त्रिपाठी, कृष्णा मिश्रा, महेश कुमार, रोहित तिवारी, विजय बहादुर सिंह, स्वयं प्रकाश मिश्र, ब्रजेश शुक्ला, हर्ष गौतम, सौरभ मिश्र, राहुल शुक्ल आदि मौजूद रहे।

डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार सिंह ने प्रशिक्षु पीपीएस अफसरों से की मुलाकात, दी पुलिसिंग कार्यप्रणाली की जानकारी

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। आज दिनांक 17.04.2025 को पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह द्वारा यूपी दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीपीएस अधिकारियों से कानपुर नगर स्थित ग्रीन पार्क स्टेडियम में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह द्वारा सभी को भीड़ नियंत्रण की रणनीतियों एवं व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधन एवं पुलिसिंग की कार्यप्रणाली के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान की। ग्रीन पार्क स्टेडियम में पूर्व में आयोजित हुए भारत-बांग्लादेश क्रिकेट मैच की सुरक्षा व्यवस्था, तैयारियों तथा संपूर्ण प्रबंधन की रूपरेखा साझा की। सभी प्रशिक्षणरत पीपीएस अधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया व भविष्य की सेवा यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं व अधिकारियों को कर्तव्यनिष्ठा, पेशेवर दक्षता और जनकल्याण की भावना से कार्य करने के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर अपर पुलिस उपायुक्त महेन्द्र कुमार व सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली मौजूद रहे।

डीजे पर रोक लगने से ढ़ोल वालों ने पुलिस आयुक्त को दिया धन्यवाद

● मानक से तेज डीजे पर रोक से ढ़ोल वालों को मिलेगा काम।

ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए कमिश्नरेट पुलिस की कार्रवाई का सराहनीय परिणाम।

पारम्परिक वाद्य यंत्रों को मिला नया जीवन, गरीब तबके को मिला रोजगार।

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा विगत दिनों ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम हेतु डीजे संचालकों के विरुद्ध की गई कार्रवाई के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इस अभियान के फलस्वरूप न केवल शहर में ध्वनि प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आई है, बल्कि इसके अप्रत्यक्ष प्रभाव से पारम्परिक वाद्य यंत्रों को एक बार फिर से लोकप्रियता मिलने लगी है। पारम्परिक वाद्य यंत्र जैसे ढोल, नगाड़ा, शहनाई आदि - जो समय के साथ विलुप्त होने की कगार पर थे, अब पुनः समाज में अपनी पहचान बना रहे हैं। इन वाद्य यंत्रों के पुनः प्रचलन में आने से न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संजीवनी मिली है, बल्कि इनसे जुड़े हुए गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों को भी रोजगार के अवसर मिलने लगे हैं।

इस संबंध में पारम्परिक वाद्य यंत्रों से जुड़े विभिन्न समूहों व कलाकारों द्वारा मुकेश कुमार नगाड़ा कमेटी ग्वालटोली की अध्यक्षता में ढोल नगाड़े बजाते हुए पुलिस कार्यालय आकर पुलिस आयुक्त अखिल कुमार से मिलकर ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसमें कमिश्नरेट पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार प्रकट किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि डीजे पर नियंत्रण लगने से जहां ध्वनि प्रदूषण में कमी आई है, वहीं परम्परागत संगीत का महत्व पुनः बढ़ा है। इससे कलाकारों को सम्मान के साथ आजीविका चलाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। कमिश्नरेट पुलिस इस अभिव्यक्ति को सम्मान की दृष्टि से देखती है और यह विश्वास दिलाती है कि भविष्य में भी जनहित में इस प्रकार के अभियान निरंतर जारी रहेंगे। पुलिस का उद्देश्य न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना है, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण व आमजन के स्वास्थ्य की रक्षा भी उसकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

पनकी पड़ाव के फोर लाइन पुल का प्रस्ताव पारित

● मेगा लैदर क्लस्टर का कार्य 31 मई तक पूरा करने के दिशा-निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। कानपुर के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को अवगत कराया गया कि पनकी पड़ाव पुल में चार लेन मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि सेतु निगम द्वारा प्रस्ताव बनाकर कार्य योजना में सम्मिलित कर लिया गया है। मेगा लेदर क्लस्टर के संबंध में 31 मई तक जो भी कार्य किया जाना है, उसे पूर्ण करें अन्यथा वैकल्पिक रास्ता तलाशते हुए निस्तारण कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए,कानपुर विकास प्राधिकरण अपनी भूमि को संरक्षित करते हुए पर को एवं तालाबों को जल संचयन हेतु विकसित करने हेतु कार्य करना सुनिश्चित करें। एमडी केस्को को निर्देशित किया गया कि लाल बंगला बाजार में अंडरग्राउंड विद्युत केबल का कार्य यथाशीघ्र आरंभ कराया जाए इस हेतु जो भी प्रक्रियाएं हैं या जो भी कार्य किए जाने हो, उन्हें युद्ध स्तर पर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

पुलिस कमिश्नर यह सुनिश्चित कराए कि शहर में जो भी बरात निकले, वह सड़क के एक साइड से ही निकाला जाए एवं सुगम यातायात व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ही बरात निकले।डिफेंस कॉरिडोर की समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण कराते हुए आ रही बधाओं को शीघ्र दूर कराया जाए। नगर आयुक्त को निर्देशित करते हुए कहा कि जेके फर्स्ट में सड़क पर लगने वाली सब्जी मंडी को पुल के नीचे से अन्य स्थान पर व्यवस्थित कराना सुनिश्चित करें। बनियापुरवा एसपी की समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक स्थिति में जुलाई में एसपी प्रारंभ करना सुनिश्चित करें। नगर आयोग को निर्देश दिए, नाला सफाई का जो भी कार्य कराया जाए, उसमें से प्रत्येक स्थिति में सिल्ट उठाई जाए , साथ ही प्रत्येक गली, मोहल्लों,सड़को की सफाई हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी सफाई कर्मचारी

नियमित रूप से उपस्थित होकर सफाई करें। वहीं, एमडी केस्को को निर्देशित करते हुए कहा कि संवाद की स्थिति रहे और फाल्ट होने पर उसका निराकरण युद्ध स्तर पर कराया जाए।

बैठक में महापौर प्रमिला पाण्डेय, विधायक नीलिमा कटियार, सरोज कुरील, सुरेन्द्र मैथानी, महेश त्रिवेदी, मण्डलायुक्त विजयेंद्र पांडियन, पुलिस आयुक्त अखिल कुमार, जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था हरिश्चंद्र, एम0डी0 केस्को सैमुअल पॉल, नगर आयुक्त सुधीर कुमार, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीयूजीएल गैस कनेक्शन के नाम पर लाखों की ठगी करने वालों को साइबर क्राइम टीम ने किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। थाना साइबर क्राइम कमिश्नरेट कानपुर नगर जुर्माने का डर दिखाकर सीयूजीएल गैस कनेक्शन रिन्यूअल करने के नाम पर एपीके फाइल भेजकर लाखों की साइबर ठगी करने वाले दो साइबर अपराधियों को झारखण्ड से गिरफ्तार किया है। पनकी निवासी विनोद मिश्रा ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था कि साइबर ठगों द्वारा उनके सीयूजीएल गैस कनेक्शन रिन्यूअल करने के नाम पर एपीके फाइल भेजकर उनके बैंक खातों से 14,59,000/- रुपयों की साइबर ठगी की थी। साइबर ठगों द्वारा उनके गैस कनेक्शन को रिन्यूअल करने के लिए उन्हें मोबाइल पर एक श्वद्म फाइल भेजी । जिसमें ठगों द्वारा मांगी गयी बैंक की गोपनीय जानकारी वादी द्वारा श्वद्म फाइल डाउनलोड़ करके भर दी गयी। जिससे वादी के बैंक खाते से अलग-अलग ट्रांजैक्शनों में कुल 14,59,000/- रुपये निकल गये। थाना साइबर क्राइम कानपुर नगर द्वारा वादी से तहरीर प्राप्त कर उपरोक्त प्रकरण में तत्काल वैधानिक कार्यवाही करते हेतु वादी मुकदमा के साथ हुई साइबर ठगी से कुल 14,59,000/- रुपयों के संदिग्ध लाभार्थी बैंक खातों का विवरण प्राप्त करने हेतु संबंधित को जरिए ईमेल पत्राचार किया गया तथा वादी के मोबाइल पर आये संदिग्ध अज्ञात मोबाइल नंबरों की जांच सर्विलांस से की जाने लगी। जिसमें घटना में प्रयुक्त मोबाइल नंबरों का विवरण प्राप्त कर अभियुक्तों को चिहिन्त किया गया। टीम ने दो अभियुक्तों को झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर कस्बे से गिरफ्तार किया।

भाकियू अराजनैतिक ने किसान समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट: भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक चित्रकूट के जिलाध्यक्ष ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संगठन की मासिक बैठक गुरुवार को जिला मुख्यालय में संपन्न हुई। इस दौरान किसानों की समसामयिक समस्याओं जैसे कि गेहूं क्रय केंद्र में पल्लेदारी के नाम पर 2 किलो प्रति कुंतल गेहूं की उगाही, किसानों के बैठने एवं पानी पीने की व्यवस्था न होना, चना मसूर सरसों क्रय केंद्र खुलवाने, अन्ना जानवरों को संरक्षित करने, जल जीवन मिशन द्वारा गांव के उखड़ी गई सड़कों का निर्माण न होने तथा डिफेंस कॉरिडोर में जमीन जाने के कई महीने बाद भी भुगतान न होने आदि कई किसान समस्याओं को लेकर एडीएम को ज्ञापन सौपा। बैठक में किसान रामलाल यादव, तहसील अध्यक्ष मानिकपुर अश्विन द्विवेदी, ब्लॉक अध्यक्ष पहाड़ी बलबीर सिंह, जिला महामंत्री सुमित सिंह, युवा जिला सचिव समय आदि मौजूद रहे।

दिन दहाड़े हुई हत्या के मामले में पुलिस ने फरहार चार लोगों को जेल भेजा

बेनीगंज/(हरदोई)- लगभग दो सप्ताह पूर्व कोतवाली क्षेत्र के भैनगांव में दिन दहाड़े हुई हत्या के मामले में गुरुवार को पुलिस ने चार लोगों को जेल भेजा । भैनगांव में सरपंच महावत की उसी की बिरादरी के लोगों ने एक जुट होकर घेर कर हत्या कर दी थी ।हत्या की वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के कारण पुलिस फुटेज के आधार पर हत्या में शामिल लोगो की पहचान कर पहले उन्नीस लोगों को जेल भेज चुकी थी। आज चार लोगों जेल भेजने के साथ इस मामले में अब कुल तेईस लोगो को पुलिस ने जेल भेजा गया। सरपंच की हत्या की रिपोर्ट उसकी पत्नी निर्मला की ओर से तहरीर दी गई थीद्य जिसमें बारह नाम जद लोगो के साथ पच्चीस तीस अज्ञात लोग के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था । आज जेल भेजे गए चार लोगो में मुल्ला पुत्र किशोर,बसंत पुत्र रामपाल,सौरभ पुत्र रामपाल,अजय पुत्र सर्वेश निवासी गण नटपुरवा मजरा मझिगवां को गिरफ्तार किया गया।

पोषण पखवाड़े के तहत किया महिलाओं को जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यरो: दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां में आठ से 17 अप्रैल तक आयोजित किए जा रहे पोषण पखवाड़े के तहत गुरुवार को बरुआ, पिंडरा, केलहौरा आदि पंचायतों की महिलाओं को जागरूक किया गया। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के खाद्य प्रसंस्करण वैज्ञानिक डॉ हेमराज द्विवेदी ने बताया कि पोषण पखवाड़ा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों और छह साल से कम आयु के बच्चों में पोषण स्तर में सुधार करना है। जिसके तहत अभियान चलाकर समुदाय में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए और स्वस्थ आहार एवं जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं को ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के द्वारा अपनी तथा अपने परिवार की संतुलित थाली बनाने के बारे मे

बताया जाता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ पंकज शर्मा ने महिलाओं को पोषण वाटिका मे परंपरागत खाद एवं प्राकृतिक कीट नियंत्रक के बारे मे जानकारी दी। मृदा वैज्ञानिक डॉ अशोक शर्मा ने संतुलित उर्वरकों के प्रयोग एवं मृदा नमूना लेने का प्रयोग कराया। साथ ही वर्षा जल संचयन के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर समाज शिल्पी दयाराम यादव सहित 40 महिलायें मौजूद रहीं।

महिला आयोग के निरीक्षण से मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने जनपद दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को संयुक्त जिला अस्पताल सोनेपुर का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने अन्य स्थलों का भी निरीक्षण किया। पीएनसी वार्ड की जांच के दौरान आयोग की सदस्य ने गर्भवती व धात्री महिलाओं को दिए जा रहे खाने में कमी पाई। जिसमें महिलाओं को मेनू के अनुसार दूध, फल और समय से खाना न दिए जाने की कमी पाई गई। इसके अलावा स्टाफ नर्स और लेडी स्टाफके लिए टॉयलेट की समस्या तथा मरीज से एक रुपए की जगह पांच रुपये मांगने की शिकायत मिली। इस पर महिला आयोग की सदस्य ने सम्बन्धितों को समस्याओं को दुरुस्त करने के के लिए निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने गढ़ीवा ग्राम पंचायत में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में अन्नप्राशन व गोद भराई का कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुई। जिसमें उन्होंने धात्री महिलाओं को गोद भराई में फल, आहार दिया। साथ ही अन्नप्राशन में बच्चों को खीर खिलाया गया। इसके साथ ही उन्होंने वन स्टाफसेंटर का निरीक्षण किया, जहां सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित पाई गई। महिला आयोग की सदस्य ने शिवरामपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। जहां पर सारी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित पाई गई। इस दौरान उन्होंने बच्चियों को योग, सूर्य नमस्कार और पढ़ाई में मन लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा, एचईडब्ल्यू टीम से डीएमसी प्रिया माथुर, जेंडर स्पेशलिस्ट मीनू सिंह, महिला मोर्चा महामंत्री विनीत द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

साइबर क्राइम से पीड़ित चार व्यक्तियों के वापस कराए दो लाख 43 हजार 600 रुपये

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराध को रोकने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के क्रम में साइबर सेल टीम ने साइबर अपराध से पीड़ित चार व्यक्तियों के कुल दो लाख 43 हजार 600 रुपये उनके खातों में वापस कराए।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बताया कि साइबर अपराधियों ने स्क्रीन शेयरिंग ऐप एवं एपीके फाइल को फोन में डाउनलोड कराकर साइबर धोखाधड़ी करते हुए चार व्यक्तियों के साथ दो लाख 43 हजार 600 रुपये की ठगी की थी। जिसकी शिकायत मिलने पर साइबर सेल प्रभारी निशीकान्त राय ने अपनी टीम आरक्षी सर्वेश कुमार व प्रशांत कुमार के साथ मामलों की विवेचना करते हुए चार पीड़ित व्यक्तियों के कुल दो लाख 43 हजार 600 रुपये उनके खातों में वापस कराए।

साइबर सेल प्रभारी निशीकान्त राय ने बताया कि वर्तमान समय में लोगों का समय बचाने के लिये व डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने के क्रम में भारत सरकार द्वारा लोगों को ऑनलाइन बैंकिंग सेवा का लाभ दिया जा रहा है, लेकिन इस कार्य में जरा सी असावधानी होने पर कई लोग साइबर ठगी का शिकार भी हो रहे है। अतः ऑन-लाइन बैंकिंग सेवा का लाभ लेने वाले लोगों को साइबर ठगी से बचने के लिए साइबर सेल द्वारा लगातार जागरुक किया जाता हैं। कहा कि किसी भी प्रकार का साइबर फ्राड होने पर हेल्पलाइन पर तुरंत कॉल करें या विभाग के पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। साथ ही अपने नजदीकी थाने के साइबर हेल्प डेस्क व जनपदीय साइबर सेल को तत्काल सूचना दें।

क्लस्टर बनाकर सोलर फेन्सिंग योजना का लाभ उठाए किसान

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट ब्यूरो: उप कृषि निदेशक राज कुमार ने बताया कि बुन्देलखण्ड पैकेज परियोजना बुन्देलखण्ड एकीकृत कृषि (सोलर फेन्सिंग) योजना के अन्तर्गत बुन्देलखण्ड में कृषकों को अन्ना प्रथा एवं जंगली जानवरों से फसलों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये सोलर फेन्सिंग का कार्य कराया जाना है। बताया कि इसमें न्यूनतम 10 हेक्टेयर से अधिक के फार्मर कलस्टर समूह का गठन कर कलस्टर के लिए अनुमानित कम्पोजिट सोलर फेन्सिंग औसतन 1500 रनिंग मीटर जिस पर कृषक समूह को 80 प्रतिशत अनुदान दिया जाना प्रस्तावित है। जिसमें 20 प्रतिशत कृषक अंश रहेगा। बताया कि जनपद में कुल 92 कलस्टर के लक्ष्य है। जिसमें कुल 1380 हेक्टेयर क्षेत्रफल को सोलर फेन्सिंग से आच्छादित किया जायेगा। इस योजनान्तर्गत तीन मॉडल से कार्य कराया जाना है। मॉडल एक में न्यूनतम 10 हेक्टेयर, ऊचाई 1.5मी. (पांच फीट), मॉडल दो में न्यूनतम 10 हेक्टेयर, ऊचाई 1.8मी. (छह फीट) व मॉडल तीन में न्यूनतम 10 हेक्टेयर, ऊचाई 2.10मी. (सात फीट) सोलर फेंन्सिग की जाएगी। बताया कि इस योजना में कृषि वानकी/सहजन पौधा रोपड़ का कार्य खेत के चारों ओर मेडों पर कराया जायेगा। जिसमें पौधे का व्यय परियोजना से किया जायेगा। प्रति

कलस्टर 500 सहजन के पौधे लगाये जायेगें। योजना का क्रियान्वयन ग्राम/परियोजना स्तर पर गठित समिति द्वारा किया जायेगा, जिसमें अध्यक्ष व सदस्य नामित किये जाएंगे। उन्होंने कहा है कि सभी कृषक परियोजना मॉडल के अनुसार कलस्टर का गठन कर आवेदन कार्यालय उप सम्भाग कृषि प्रसार कर्वी, मऊ व कृषि भवन चित्रकूट में उपलब्ध कराए।

सोनभद्र कांग्रेस ने रामराज गोंड पर जताया भरोसा, कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

स्वतंत्र प्रभात

डाला (सोनभद्र)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी अपनी खोई हुई जमीन को वापस पाने के लिए लगातार प्रयासरत है। संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर से युवाओं को जोड़ने के लिए पार्टी ने अपनी कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में, सभी जिलों के अध्यक्षों की सूची जारी होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई है। सोनभद्र जिले में कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर रामराज गोंड पर भरोसा जताते हुए उन्हें जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने रामराज गोंड के पिछले कार्यों को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण पद दोबारा सौंपा है।गुरुवार को, रामराज गोंड के नगर आगमन पर डाला शहीद स्थल के पास कांग्रेस पार्टी के युवा नेता अहमद हुसैन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। जिलाध्यक्ष रामराज गोंड ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया और डाला शहीद स्मारक पर पहुंचकर डाला गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मीडिया से बातचीत करते हुए, जिलाध्यक्ष रामराज गोंड ने सत्ता पक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि डाला की जनता ने उन्हें कई समस्याओं से अवगत कराया है, जिनमें डाला-ओबरा संपर्क मार्ग, डाला में स्वास्थ्य केंद्र, इंटर कॉलेज और स्थानीय कंपनियों में रोजगार जैसी प्रमुख समस्याएं शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि डाला के स्थानीय लोगों पर किसी भी प्रकार का अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।आदिवासियों के नेता स्वर्गीय राम प्यारे पनिका को याद करते

हुए रामराज गोंड भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि राम प्यारे पनिका के कार्यों को पूरा जिला आज भी याद करता है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी जल्द ही अपने संगठन का विस्तार करेगी और बूथ स्तर से युवाओं को जोड़कर आगामी चुनावों में पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। इस अवसर पर नागेश मणि पाठक, अहमद हुसैन, ओम प्रकाश तिवारी, बबुंदर पाठक, अहमद अली, लालजी साहनी, शंकर भारती, सुधीर पाठक, शशिबाला, अनीता, दाउद, अशफाक, जाकिर हुसैन, जुम्मन, नसरुद्दीन, नूर हसन, विनोद पाठक सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

लोवर टीशर्ट पहने गमछा ओढ़ कर एडीएम (वि/रा)अरविंद कुमार ने दो ट्रक सहित कुल लगभग 600 कुंटल गेहूं पकड़ा

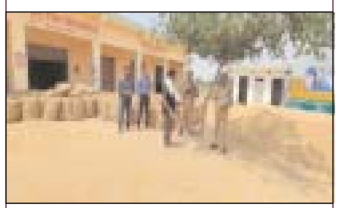

शाहजहांपुर/अपनी धाकड़ और ईमानदार शैली को लेकर जनपद में एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने लोअर टी-शर्ट और गमछा पहनकर देहाती वेश बनाकर जिलाधिकारी के निर्देश पर ग्राम खमरिया , ब्लॉक जैतीपुर, तहसील तिलहर में अवैध तरीके से दो ट्रक ओवर लोडेड ट्रक , और अवैध तरीके से बिना मंडी लाइसेंस लिए कुल लगभग 600 कुंतल गेहूं को पकड़ा गया। तहसीलदार तिलहर , मंडी सचिव तिलहर आदि मौके पर मौजूद मिले। अवैध तरीके से ओवरलोडेड ट्रक के गेहूं और रखे गेहूं पर जुर्माना और जब्ती की कार्यवाही के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया।

वर्षा जल संचय के संबंध में कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष में डीएम ने बैठक की

बैठक में अधिशासी अभियंता सिंचाई के अनुपस्थित होने पर डीएम ने दिये निलंबन सहित विभागीय कार्रवाई के निर्देश

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में वर्षा जल संचय के संबंध में कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना (वर्षा जल संभरण/रिचार्ज के महत्व के दृष्टिगत शासकीय/अर्द्धशासकीय भावनाओं पर रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना) योजना अंतर्गत स्थल स्वीकृत के प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक में अधिशासी अभियंता सिंचाई राजू मिश्रा द्वारा अनुपस्थित होने पर जिलाधिकारी ने निलंबन सहित विभागीय कार्रवाई हेतु प्रमुख सचिव शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वर्षा जल संचय के संबंध में मानकों की जानकारी लेते हुए सहायक अभियंता लघु सिंचाई को निर्देश दिए कि पहले के बने वर्षा जल संचय की जांच कर ली जाए सही से कार्य कर रहे हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केदो कस्तूरबा एवं माध्यमिक विद्यालयों के बिल्डिंगों सहित शहर के सामुदायिक एवं वन स्टाफ सेंटर सहित आदि बिल्डिंगों पर वर्षा जल संचय सिस्टम बनाया जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि वर्षा जल संचय सिस्टम बनाने का कार्य समय से पूर्ण कर लिया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 अपराजिता सिंह, पीडी डीआरडीए अवधेश राम, सहायक अभियंता लघु सिंचाई सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नगर आयुक्त ने ककरा स्थित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर का ज्ञान निरीक्षण दिए निर्देश

शाहजहांपुर। नगर आयुक्त डॉ0 बिपिन कुमार मिश्र ने महानगर क्षेत्र के ककरा स्थित मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय एम0आर0 एफ0 सेंटर पर हो रहे कार्यों को देखा व कचरे के ठोस निस्तारण हेतु विभिन्न प्रकार के सूखे कचरे को व्यवस्थित ढंग से अलग-अलग करने हेतु सम्बंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। महानगर से प्रतिदिन आने वाले कचरे को व्यवस्थित स्थान पर डाले व कचरे का ठोस निस्तारण भी कराये। निरीक्षण के समय मुख्य सफाई एवं खादय निरीक्षक हरवंश दीक्षित व अन्य लोग उपस्थित रहे।नगर आयुक्त डॉ0 बिपिन कुमार मिश्र द्वारा नगर क्षेत्र के न्यू सिटी ककरा स्थित नंदीशाला में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल व गौवंश हेतु चारा, भूसा एवं दवाओं की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सफाई व्यवस्था को दुरस्त रखने हेतु, गौवंश हेतु शुद्ध पेयजलापूर्ति हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया व गौवंश हेतु चारा, भूसा आदि की उपलब्धता के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय संयुक्त नगर आयुक्त संगीता कुमारी, मुख्य अभियंता निर्माण एस0के0 अम्बेडकर, मुख्य सफाई एवं खादय निरीक्षक हरवंश दीक्षित व अन्य लोग उपस्थित रहे।

बहू की हत्या कर, ससुर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक ने अपने पुत्र की पत्नी को ही कुल्हाड़ी से काटकर मौत के घाट उतार दिया। मामला कांट थाना क्षेत्र का है जहां एक व्यक्ति ने पुत्रवधु की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी।घटना के बाद आरोपित ससुर फरार हो गया। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, सीओ सदर, फोरेंसिक टीम के साथ गांव पहुंचे और घटना का स्थल का निरीक्षण किया।

कांट क्षेत्र के गांव हटीपुर कुर्रिया निवासी सर्वेश ट्रक चलाता है। घर पर उसकी पत्नी सुमित्रा(30), पुत्री रागनी(7), पिता राजपाल (65) और मां थी।जबकि सर्वेश ट्रक लेकर बाहर गया हुआ था।बीती रात किसी समय राजपाल ने अपनी पुत्र वधु सुमित्रा (30) की कुल्हाडी से वार कर हत्या कर दी और फरार हो गया। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने सुमित्रा का खून से लथपथ शव घर के बाहर पड़ा देखा। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर अपर पुलिस अधीक्षक नगर देवेंद्र कुमार,क्षेत्राधिकारी सदर प्रयांक जैन कांट पुलिस और फोरेंसिक टीम के साथ गांव पहुंचे।अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से घटना की जानकारी हासिल की।

सात महीने पहले हुई थी सर्वेश और सुमित्रा की शादी

सुमित्रा मध्य प्रदेश के सतना की रहनी वाली थी और यह उसकी दूसरी शादी थी। करीब सात महीने पहले ही सर्वेश के साथ उसका विवाह हुआ था। विवाह के बाद सुमित्रा की सात साल की बेटी रागनी भी उसके साथ हठीपुर कुर्रिया गांव में ही उसके साथ रह रही थी।

बेटी के सामने हुई उसकी मां की हत्या

क्षेत्राधिकारी सदर प्रयांक जैन ने बताया सुमित्रा की हत्या की घटना को उसकी सात वर्षीय पुत्री रागनी ने अपनी आंखों से देखा था। पूछताछ में रागनी ने पुलिस को पूरा घटनाक्रम बताया। पुलिस मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज रही है। वहीं पुलिस गहनता से घटना की छानबीन कर रही है।

बहू की हत्या कर आरोपित ससुर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

ससुर ने पुत्र वधू की हत्या के बाद फंदे से लटकर खुदकुशी कर ली। वारदात के बाद से फरार आरोपित का शव गांव से कुछ दूर एक पेड़ से लटका मिला है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजते हुए जांच कर रही है।मंगलवार रात घरेलू विवाद के बाद ससुर राजपाल ने कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी, घटना के बाद आरोपित ससुरा फरार हो गया था, पुलिस अधीक्षक ने ससुर राजपाल कीगिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमों को लगाया थापुलिस आरोपित को तलाश कर रही थी कि इस बीच ग्रामीणों ने आरोपित राजपाल (70) का शव गांव से कुछ दूर एक आम के पेड़ से फंदे के सहारे लटका देखा इस जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई की।

विधायक ने मीटिंग में न पहुंचने वाले विभागों के अधिकारियों पर कार्रवाही के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। जनपद के ब्लॉक मुख्यालय जलालाबाद में क्षेत्र पंचायत की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख लता सिंह ने की एवं मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक हरि प्रकाश वर्मा रहे। मीटिंग को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक हरि प्रकाश वर्मा ने जिन विभागों के कर्मचारी अधिकारी मीटिंग में नहीं आए उन पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए और नाराजगी जताई।

मीटिंग मे बिजली सिंचाई जल विभाग वन विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग आंगनवाड़ी आज कई विभागों के अधिकारी नदारद थे। इस स्तर पर उन्होंने प्रदेश व केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं की जानकारी दी ।साथी उन्होंने सभी क्षेत्र पंचायत के सदस्यों से अनुरोध किया की भी अपने गांव की प्रतिनिधि है गांव के विकास की उनकी जिम्मेदारी है और जवाब देही है सभी लोग वृद्धावस्था पेंशन विधवा पेंशन एवं पात्रों के प्रधानमंत्री आवास योजना के फॉर्म ऑनलाइन जरूर भरवाये ताकि लोगों को लाभ मिल सके। उन्होंने सभी से अपील की की प्रत्येक गांव से कम से कम पांच मुख्यमंत्री शादी अनुदान योजना के फार्म भरवाना जरूरी है। इस योजना में अब शादी अनुदान के रूप में ?100000 की राशि मिलती है। इससे पूर्व खंड विकास अधिकारी रवि कुमार ने मनरेगा योजना के अंतर्गत चलाए जाने वाले तमाम कार्यों की जानकारी दी। वहीं कृषि विभाग के अजय वीर सिंह यादव ने कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर की खरीद पर 80% अनुदान मिल रहा है, जबकि कृषि उपकरणों पर 50 से 60त्न अनुदान उपलब्ध है सभी लोग इसके फॉर्म भर और लाभ उठाएं। उन्होंने ग्राम प्रधानों का बीडीसी मेंबरों से अनुरोध किया अपने गांव में किसान सम्मन निधि पाने वाले सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री जरूर करवा दें अभी उनका लाभ मिल सकेगा। अंत में ब्लॉक प्रमुख लता सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बिना मान्यता के चल रहे 6 स्कूल, डीएम ने शिक्षा विभाग के बाबू को किया निलंबित

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। जिले में शिक्षा विभाग में भ्रभ्रष्टाचार की शिकायत को लेकर जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग के बाबू को निर्लंबित कर दिया जनपद में 06 गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय अवैध रूप से चल रहे थे। अवकाश स्वीकृति व अस्वीकृति में भी बीएसए ने की मनमानी। शाहजहांपुर के डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह के औचक निरीक्षण में बीएसए कार्यालय में बड़ी खामियां मिली थी। डीएम ने वरिष्ठ लिपिक के निलबंन व दो डीसी की सेवा समाप्ति के दिये आदेश, बीएसए से भी जबाब तलब।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील पुवायां के सभागार में समीक्षा बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तहसील पुवायां के सभागार में लंबित राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अविवादित वरासत की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का निस्तारण समय से किया जाए।

राजस्व निरीक्षक संबंधित गांवों में लेखपाल के साथ जाकर प्रकरणों की जांच कर समय से कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। खारिज किए गए मामलों में शिकायतकर्ता को लिखित में जवाब दिया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि चकमार्ग पैमाइश की कोई भी प्रकरण लंबित न रहे शिकायत मिलने पर संबंधित लेखपाल पर कार्रवाई की जाए। कृषक दुर्घटना बीमा के 35 मामले लंबित होने पर जिलाधिकारी ने एक सप्ताह में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि आय, जाति, निवास सहित आदि प्रमाण पत्र भी समय से जारी किए जाए। तालाब आवंटन की कार्रवाई एक सप्ताह में पूर्ण की जाए।

जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि जिन लोगों की समस्या का समाधान हो गया है उन से दूरभाष से वार्ता करें। उन्होने कहा कि गंभीरता से कार्य करके लोगों की समस्याओं का समाधान करना सुनिश्चित करें।बैठक में उप जिलाधिकार चित्रा निर्वाल, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित अन्यत संबधित अधिकारी मौजूद रहे।

शाहजहांपुर जेल में कैदियों के लिए जिम की सुविधा, सुधार की ओर बड़ा कदम

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। जेल प्रशासन ने बंदियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक सराहनीय पहल की है। जेल अधीक्षक मिजाजीलाल के निर्देशन में शाहजहांपुर जेल में अब कैदियों के लिए एक आधुनिक जिम की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह प्रयास न केवल बंदियों के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में अहम है, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में भी एक ठोस कदम है।जेल अधीक्षक मिजाजीलाल ने बताया कि जिम में ट्रेडमिल, साइकलिंग मशीन, जैसे उपकरण आदि लगाए हैं ताकि बंदी नियमित रूप से व्यायाम कर सकें। इससे उनकी मानसिक स्थिति में सुधार होगा और आक्रोश या नकारात्मक भावनाएं कम होंगी।

इस योजना का उद्देश्य बंदियों को शारीरिक रूप से फिट रखना ही नहीं, बल्कि उन्हें एक अनुशासित और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना है। इससे सुधारात्मक प्रक्रिया को भी बल मिलेगा और जेल से रिहा होने के बाद वे समाज में एक बेहतर नागरिक के रूप में लौट सकेंगे। जेल में जिम की शुरुआत को लेकर कैदियों में भी उत्साह देखा जा रहा है। यह पहल जेल सुधार के क्षेत्र में एक सकारात्मक उदाहरण बनकर उभर रही है।

हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंक कर हिंदुओं के विरुद्ध जारी हिंसा के विरोध में जिला अधिकारी को संबोधित राष्ट्रपति को 6 सूत्री ज्ञापन भेजा

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। हिंदू जागरण मंच के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के विरुद्ध जारी हिंसा के विरोध में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंक कर विरोध किया तथा जिलाधिकारी शाहजहांपुर को 6 सूत्री ज्ञापन देकर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने के लिए महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेज कर गुहार लगाई है ।महानगर अध्यक्ष राजेश अवस्थी एडवोकेट हिंदू जागरण मंच शाहजहांपुर ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए बताया की पश्चिम बंगाल की सरकार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए, प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए हिंसा प्रभावित क्षेत्र को सेना के हवाले किया जाए, दंगा प्रभावित हिंदुओं का पलायन रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए ,बांग्लादेशों को पहचान कर तत्काल देश से निकला जाए ,इस दौरान महानगर अध्यक्ष राजेश अवस्थी एडवोकेट ,शेर सिंह एडवोकेट ,गोविंद मिश्रा, राजेंद्र, दुर्गेश मिश्रा जिला अध्यक्ष ,संतोष शर्मा ,शैलेंद्र सिंह ,आशीष शुक्ला ,सेठ पाल सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे महानगर अध्यक्ष ने बताया संपूर्ण देश के हिंदुओं में आक्रोश व्याप्त है कानून व्यवस्था कैमरा गई है इस कारण पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना जरूरी हो गया है।

कैम्ब्रिज कॉन्वेन्ट स्कूल, पुवायां में यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक विशेष गोष्ठी का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहाँपुर। पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर द्वारा यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक विशेष गोष्ठी कैम्ब्रिज कॉन्वेन्ट स्कूल,पुवायां मे की गई। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, खासकर स्कूली छात्रों, दोपहिया वाहन चालकों, और सार्वजनिक वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक करना था। इस जागरूकता कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, सामाजिक संगठनों के सदस्य व आम नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है, यदि प्रत्येक नागरिक यातायात नियमों का पालन करे, तो न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि समाज में एक सुरक्षित परिवेश का निर्माण होगा तथा हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग, ट्रैफिक सिग्नल का पालन, नशे में गाड़ी न चलाने, आदि यातायात नियमों का स्वयं पालन करें एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस गोष्ठी मे अपर पुलिस अधीक्ष ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी पुवायां,यातायात पुलिस व अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

भाजयुमो द्वारा टूण्डला चौराहा पर सोनिया गांधी व राहुल गांधी का पुतला दहन किया

● कार्यकर्ताओं ने बाजू पर काली पट्टी बांधकर सोनिया गांधी व राहुल गांधी का जमकर विरोध प्रदर्शन किया व नारेबाजी की

स्वतंत्र प्रभात

टूण्डला- भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला फिरोजाबाद द्वारा टूण्डला चौराहे पर सभी कार्यकर्ताओं ने बाजू पर काली पट्टी बांधकर सोनिया गांधी व राहुल गांधी का जमकर विरोध प्रदर्शन किया व नारेबाजी की तत्पश्चात भाजयुमो जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा की अध्यक्षता में सोनिया गांधी व राहुल गांधी का पुतला दहन किया। पुतला दहन के कार्यक्रम के बाद भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में प्रदेश उपाध्यक्ष व भाजपा फिरोजाबाद जिला प्रभारी ब्रज बहादुर भारद्वाज एवं भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा नेशनल हेराल्ड केस में 15 अप्रैल 2025 को पीएमएलए के तहत चार सीट दाखिल की है जिसमें आरोपी के रूप में सोनिया गांधी राहुल गांधी से प्रतिरोध सुमन दुबे के नाम शामिल हैं विषयांतर्गत मीडिया को सूचित कराया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष हनुमंत बघेल, टूण्डला नगर पालिका अध्यक्ष भंवर सिंह, टूण्डला ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सतीश बघेल, जिला कोषाध्यक्ष महिपाल निषाद, पूर्व विधानसभा संयोजक शिव शंकर शर्मा, भाजयुमो जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा, मंडल प्रभारी वीरेंद्र प्रताप सिंह, टूण्डला नगर अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सचिन जैन, मनप्रीत कौर, अनंत प्रताप सिंह, शशांक प्रताप सिंह, अभिषेक प्रताप सिंह विक्की, मुकेश धामा, जुबिन भारद्वाज, गौरव सिसोदिया अजय, रामतीर्थ चक, अजय धनगर, विनोद बाबू, देवांशु उपाध्याय, अभिषेक पचौरी, दीपक ठैनुआ, गिरवर निषाद, पवन चक, प्रदीप जैन टाइगर, विकास वाल्मिक, अनूप चक, लालू जादौन आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बलिया में होने जा रहे मैराथन में अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का आगमन शुरू

स्वतंत्र प्रभात

बलिया यूपी में होने जा रहे चंद्रशेखर हॉफ मैराथन बलिया वालों के लिए बहुत ही सुनहरा पल है। पूरे बलिया की लिए अपने आप में एक गौरव की बात है।पत्रकार सैयद सेराज अहमद ने प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया कि मैराथन को भव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए राष्ट्र नायक चंद्रशेखर मैराथन समिति पूरी तन्मयता से जुटी है। प्रथम पुरस्कार एक लाख इनाम राशि वाले 21 किलोमीटर की चंद्रशेखर हाफ मैराथन में प्रतिभागिता को लेकर नेशनल ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय धावक भी अपना रजिस्ट्रेशन करवाने बलिया पहुंच रहे हैं । इसी क्रम में बुधवार को केन्या के दो धावक बलिया पहुंच गए। वहीं, राजस्थान से भी एक खिलाड़ी का आगमन हो गया है। राष्ट्रनायक चंद्रशेखर मैराथन समिति के सचिव उपेंद्र सिंह व संतोष सिंह, संजय सिंह, धीरेन्द्र राय व मनोज शर्मा ने रेलवे स्टेशन पर इन अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का माला पहना कर स्वागत किया। इसके बाद स्टेडियम पहुंचे केन्या के धावक जॉन इकिस व कोस्गी स्टीफेन काफी खुश नजर आ रहे थे। दोनों ने कहा कि हम यहां आकर खुश हैं। वहीं, राजस्थान से आए खिलाड़ी मुकेश कुमार ने कहा कि यह मैराथन देश भर में लोकप्रिय है। हमें इसमें भाग लेकर गर्व महसूस होगा, क्योंकि यह युवा तुर्क के रूप में जाने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की याद में हो रहा है।

मैराथन का आयोजन करने वाली समिति के सचिव उपेंद्र सिंह ने बताया कि अब तक चार सौ खिलाड़ियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। यह सिलसिला तेज हो रहा है। रजिस्ट्रेशन जिस गति से हो रहा है, ऐसा लग रहा है कि इस बार अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। अभी से केन्या समेत देश के अन्य राज्यों से खिलाड़ी आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि 18 अप्रैल को स्टेडियम में आफलाइन रजिस्ट्रेशन भी होगा। बाहर से आने वाले सभी प्रतिभागियों के ठहरने के इंतजाम किए गए हैं।

उधर, चंद्रशेखर हाफ मैराथन के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए धावकों, आयोजकों, अधिकारियों और जिलावासियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। जिला प्रशासन द्वारा भी मैराथन को लेकर सहयोग किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के आने के मद्देनजर एसपी ओमवीर सिंह खुद इसकी निगरानी रख रहे हैं। उनके निर्देश पर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मैराथन प्रारम्भ स्थल पेट्रोल पम्प पचखोरा से लेकर जिला मुख्यालय स्थित वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रहेगी।

कलेक्ट्रेट सभागार मे गीता प्रतियोगिता बैठक का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। जनपद के समस्त कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बालिकाओं को श्रीमद्भागवत गीता के संदेश को आत्मसात करने हेतु जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने ऑनलाइन कक्षाओं का शुभारंभ आज दिनांक 17 अप्रैल 2025 को कलेक्ट्रेट सभागार से किया। इस दौरान जिले के सभी केजीबीवी विद्यालयों से एक-एक छात्रा एवं एक-एक शिक्षक ने प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता की, जबकि अन्य विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण वर्चुअल माध्यम (वीसी) से इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

इस दौरान छात्राओं ने जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का उच्चारण किया, जिसे सुनकर जिलाधिकारी ने उनकी सराहना की एवं सभी प्रतिभागियों को श्रीमद्भगवद्गीता की प्रतियां भेंट स्वरूप प्रदान कीं।जिलाधिकारी ने कहा कि गीता केवल किसी एक धर्म की पुस्तक नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण मानवता के लिए जीवन जीने की एक उत्कृष्ट मार्गदर्शिकाए सदैव सत्य रहने वाले संदेशों का संग्रह है। इसके अध्ययन से व्यक्ति को आंतरिक शांति, स्थिरता एवं आत्मिक बल की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि गीता के उपदेशों को आत्मसात करने से बच्चों में संस्कारों की वृद्धि होगी तथा बच्चे परिवार के बीच में सामंजस्य बैठाना भी सीखेंगे। उन्होंने सभी अध्यापकों एवं छात्राओं से आग्रह किया कि वे पूरे मनोयोग से गीता प्रतियोगिता की तैयारी करें।

उन्होंने निर्देश दिया कि प्रतियोगिता दो स्तरों पर आयोजित की जाए - एक अध्यापकों के लिए और दूसरी छात्राओं के लिए। अध्यापकों की प्रतियोगिता पहले आयोजित की जाए और उसके परिणामों के पश्चात छात्राओं के बीच प्रतियोगिता करवाई जाए। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि श्लोकों को रटवाने की बजाय उनके भावार्थ एवं सार को समझाते हुए शिक्षण कार्य किया जाए। श्लोकों को कहानी एवं संवाद शैली में समझाकर बच्चों में नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक समझ को बढ़ावा दिया जाए। उपस्थित राज्य संदर्भ समूह के सदस्यों को जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि वह श्लोकों से संबंधित 200 शब्दों की एक शब्दावली तैयार करें ।पुरस्कारों की घोषणा करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि-प्रथम पुरस्कार - ?21,000/-द्वितीय पुरस्कार - ?15,000/-तृतीय पुरस्कार -?10,000/- साथ ही, 10 अन्य प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप ?2,000/- की धनराशि अथवा उपहार प्रदान किए जाएंगे।जिलाधिकारी ने उम्मीद जताई कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं में भारतीय संस्कृति, नैतिक शिक्षा तथा आत्मिक जागरूकता को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने सभी विद्यालयों से प्रतियोगिता के आयोजन हेतु पूर्ण मनोयोग से तैयारी करने की अपेक्षा की एवं कार्यक्रम की सफलता की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर चालक की मौत

सीखड़, मीरजापुर। चुनार थाना क्षेत्र के अन्तर्गत रूदौली गांव निवासी टैक्टर चालक की उपचार के दौरान ट्रामा सेंटर वाराणसी में मौत हो गई। चालक की मौत से परिजनों में शोक। प्राप्त जानकारी के अनुसार चुनार थाना क्षेत्र के अन्तर्गत रूदौली गांव निवासी अशोक यादव 32वर्ष पुत्र जवाहर यादव बुधवार को टैक्टर से भूसा लेकर वाराणसी कही गिराने जा रहा था कि रोहनिया थाना अंतर्गत साधों माधो पुल के पास ट्रैक्टर का चक्का टूट कर अलग हो गया जिससे ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गई जिसके नीचे अशोक आ गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी लें गई जहां रात्रि को उपचार के दौरान अशोक की मौत हो गई।शव घर पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के दो छोटे छोटे बच्चे है।

बच्चों ने निकाली स्कूल चलो अभियान की रैली

सीखड़, मीरजापुर। विद्यालय में बच्चों का नामांकन बढ़ाने एवं विद्यालय में बच्चों की शत् प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए, गुरुवार को सीखड़ क्षेत्र के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के बच्चों व शिक्षकों द्वारा स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली गई। प्राथमिक विद्यालय गोरैयां में प्रधानाध्यापिका ललिता देवी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तो प्राथमिक विद्यालय सीखड़ द्वितीय में अमित कुमार सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय सीखड़ में प्रधानाध्यापिका रमवन्ती सिंह ने वही उच्च प्राथमिक विद्यालय अदलपुरा में प्रधानाध्यापिका अनीता सिंह के नेतृत्व में रैली को रवाना किया गया। रैली में बच्चों के साथ साथ शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल रही। रैली के माध्यम से शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा अभिभावकों से संपर्क कर उनके बच्चों का विद्यालय में दाखिला करवाने का अनुरोध किया गया। रैली में बच्चों द्वारा हाथ में लिए तख्त पर लिखें स्लोगन का नारा मम्मी पापा हमें पढ़ाओं, स्कूल में चल कर नाम लिखवाओं,हम सब का है एक ही वादा,शिक्षित बच्चे नेक इरादा,हर घर में चिराग जलेगा,हर बच्चा स्कूल चलेगा का नारा लगाते हुए अपने अपने गांव की गलियों से गुजरते हुए वापस विद्यालय पहुंचे। उक्त रैली में अभय राज मिश्रा, विनीत द्विवेदी, अमरेन्द्र सिंह, अभय प्रकाश सिंह, कौशल पति त्रिपाठी, सुषमा मिश्रा, रीना सिंह, बीना सिंह सहित अन्य शिक्षक शिक्षकाएं शामिल रही।

पीआरवी 112 पुलिसकर्मियों द्वारा तत्परता पूर्वक कार्यवाही करते हुए युवक को फांसी के फंदे पर लटकने से बचाया

भदोही आज दिनांक-17.04.2025 को सायं डायल 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति उम्र करीब 30 वर्ष अपने घर में अंदर से कमरा बंद करके फांसी लगाने जा रहा है। सूचना पर पीआरवी-6240 पर ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर देखा कि युवक द्वारा फांसी का फंदा बनाकर पंखे से लटकने जा रहा है,इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही करते हुए कमरे का दरवाजा खोलवाकर युवक को समझाते हुए कमरे से बाहर लाया गया। युवक के परिजनो व स्थानीय लोगों द्वारा पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए तत्परतापूर्वक कार्यवाही व बहादुरी की भूरि- भूरि प्रसंशा की गई।

पीआरवी पर ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों का विवरण- .आरक्षी सोनू कुमार 2.होमगार्ड चालक रामनारायण यादव

सुरेन्द्र चौरसिया को पंचायती राज समिति के सदस्य मनोनीत किये जाने पर खुशी की लहर- दिवाकर

देवरिया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा रामपुर कारखाना विधायक सुरेन्द्र चौरसिया को पंचायत राज समिति का सदस्य मनोनीत किए जाने पर क्षेत्र की जनता में खुशी की लहर है। कैंप कार्यालय बरियारपुर पर भाजपा अनुसूचित जन जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष विजय कुमार, मनोज मिश्र, मंडल अध्यक्ष बरियारपुर दिवाकर चन्द्र यादव,डा.पिंटू लाल यादव योग विशेषज्ञ सुनील मद्धेशिया, शिवम गुप्ता, कृष्णानंद गिरी, मनीष सहाय, सुनील शाह, मनीष गुप्ता, विनोद गौड़ रामविलास गुप्ता, अजीत भारती व क्षेत्र के अन्य लोगों द्वारा माल्यार्पण व बुके देकर मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाए दीं।

सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्राप्तांक एवं ग्रेडिंग के आधार पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक

पूर्वांचल विकास निधि के कार्यों में लापरवाही व शिथिलता बरतने पर कार्यदायी संस्था के जेई को डीएम ने लगाई कड़ी फटकार

● विकास कार्यों की सीएम डैशबोर्ड सहित त्वरित विकास योजना क्रिटिकल गैप्स योजना,01 करोड़ से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं, पूर्वांचल विकास निधि की भी डीएम ने की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात

भदोही 17 अप्रैल 2025:-सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्राप्तांक एवं ग्रेडिंग के आधार पर विकास कार्यों की मासिक समीक्षा सहित निर्माण कार्यों, त्वरित विकास योजना क्रिटिकल गैप्स योजना वित्तीय वर्ष 2024-25 ,मुख्यमंत्री अनुश्रवण प्रणाली के अंतर्गत रुपए 01 करोड़ से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा, पूर्वांचल विकास निधि भदोही की प्रगति, की भी समीक्षा बैठक जिलाधिकारी विशाल सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में विकास कार्यो के मार्च माह की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में पूरे प्रदेश में जनपद भदोही 96.84 प्रतिशत के साथ टॉप चौथा स्थान प्राप्त करने पर जनपद के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई देते हुए नंबर वन पर आने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी विशाल सिंह ने बताया कि कुल 86 परियोजना/इन्डीकेटर्स में विभिन्न विभागों के 65 परियोजनाओं में ए प्लस, 05 परियोजना में ए, 04 परियोजना में बी, एवं सी में 02परियोजना है। जिलाधिकारी विशाल सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम सभी मिलकर और भी कर्तव्यनिष्ठा व लगन के साथ विकास कार्यो को सम्पादित करें, जिससे पूरे प्रदेश में जनपद भदोही प्रथम स्थान प्राप्त कर सके। यह उपलब्धि जनपद भदोही के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और यह दर्शाता है कि जनपद के विकास कार्यो में तेजी आई है।

जिलाधिकारी ने लम्बित कार्यो से सम्बन्धित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्यो का निष्पादन समय-सीमा में करना सुनिश्चित करें। विकास कार्यो में शिथिलता व लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को सख्त निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड पर कार्य पूर्ण होने की तिथि यदि गलत हुई या फोटो गलत गली तो कड़ी कार्यवाही की जायेगी। सीएम डैशबोर्ड की प्रगति रिपोर्ट माह मार्च-2025 में खराब श्रेणी -बी, सी, वाले इंडिकेटर में रहने वाले विभाग व कार्यो पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सभी विभाग ए प्लस श्रेणी में लाने का पूरा प्रयास करें। विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में सी श्रेणी में पंचायतीराज विभाग के 15 वां वित्त आयोग ग्राम पंचायत के व्यय धनराशि, निपुण परीक्षा आकलन,बी श्रेणी में जल जीवन मिशन हर घर जल, फैमिली आईडी, पर्यटन विभाग की राज्य योजना अंतर्गत प्राप्त भौतिक लक्ष्य, निर्माण कार्य सीएमआईएस उपर्युक्त सभी कार्यों से संबंधित विभागाध्यक्षों को जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अगले मांह की रैंकिंग में ए प्लस श्रेणी में कार्य प्रदर्शित हो।

फैमिली आईडी बनाने में खंड विकास अधिकारी सूरियावा को छोड़कर शेष पांचो विकास खंडों में कम प्रगति पर जिलाधिकारी ने सभी बीडीओ को सख्त निर्देश दिया कि अगले माह की बैठक तक अपेक्षित सुधार सुनिश्चित हो, साथ ही नगरीय निकायों में सभी अधिशाषी अधिकारी को निर्देशित किया कि डाटा को ठीक व अपडेट करें। पर्यटन विभाग निर्माणाधीन कार्यों में प्रगति करते हुए अगले माह में एक श्रेणी में आने का निर्देश डीएम ने दिया।

यूपी राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमि. कार्यदायी संस्था द्वारा ज्ञानपुर के चकसुंदर में पाइप पेयजल योजना, त्रिलोकपुर में पाइप पेयजल योजना आदि में जो परियोजनाएं लंबित है अधिशासी अभियंता संबंधित फर्म ठेकेदार का नाम, पता ,मोबाइल नंबर सहित तहरीर देने का डीएम ने निर्देश दिया।

महाराजा बलवंत सिंह जिला चिकित्सालय में स्वतंत्र व विद्युत फीडर के निर्माण में केबल कनेक्शन 30 अप्रैल तक पूर्ण करने का निर्देश डीएम ने दिया। पुलिस लाईन में पुरूषों हेतु 100 क्षमता के बैरक हास्टल निर्माण में अपेक्षित प्रगति न दर्शित होने और कार्य अत्यंत विलंब होने पर जिलाधिकारी ने चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक को अपने स्तर से समीक्षा कर कार्यदायी संस्था यूपी राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड इकाई भदोही पर प्राथमिकी दर्ज करने को कहा।

कार्यदायी संस्था यू0पी0पी0सी0एल द्वारा जिला कारागार में 30 क्षमता की 02 नग बैरक की निर्माण, सीड स्टोर, किसान कल्याण केन्द्र का कार्य स्लैब लेवल तक होने ,जिला चिकित्सालय में 50 बेड क्रिटिकल केयर का निर्माण, न्यायिक अधिकारी के श्रेणी 05 का 06नग आवास के प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जल्द ही पूर्ण करने का निर्देश दिया। कार्यदायी संस्था उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा निर्मित राजकीय पॉलिटेक्निक भदोही के प्रिंसिपल अनुपस्थित रहने के कारण कार्य की अद्यतन समीक्षा न होने पर उनका वेतन रोकते हुए प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने का डीएम ने निर्देश दिया।

अल्पसंख्यक विभाग की योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न पाइप पेयजल योजनाओं के कार्यों की स्थलीय समीक्षा हेतु जिलाधिकारी ने एक्शईन जल निगम की अध्यक्षता में एई, जेई व अल्पसंख्यक अधिकारी की समिति बनाते हुए कंप्लीट परियोजनाओं की संपूर्ण क्रियाशीलता की व्याख्या देने का निर्देश दिया। भदोही मामदेवपुर में 100 बेडेड बालिका छात्रावास पूर्ण होने पर संचालन हेतु डीएम ने डीआईओएस को निर्देशित किया। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत जीआईसी ज्ञानपुर में निर्माणाधीन शौचालय, प्रयोगशाला, मल्टीपरपज हाल एवं पुस्तकालय निर्माण कार्यों को मई तक पूर्ण करने का जिला विद्यालय निरीक्षक ने प्रतिबद्धता जताई।

भदोही प्रयागराज बॉर्डर पर तुलसीपुर कठार वरुणा नदी पर लघु सेतु पहुंच मार्ग एवं अतिरिक्त मार्ग में तहसील हडिया की कुछ भूमि की उपलब्धता हेतु डीएम ने प्रयागराज के एडीएम व तहसील हडिया के एसडीएम से पीडब्ल्यूडी विभाग भदोही समन्वय बनाते हुए भूमि विवाद को समाधान कराने का निर्देश दिया। 100 सैया संयुक्त चिकित्सालय के निर्माण में डीएम ने तेजी लाने का निर्देश दिया। भदोही के जिला चिकित्सालय में 50 बेड क्रिटिकल केयर ब्लॉक के निर्माण पर बल दिया। सीएचसी अभोली की मेन बिल्डिंग में एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज में विद्युत ट्रांसफार्मर ,बिजली कनेक्शन व संयोजन पश्चात संचालन हेतु शासन को पत्र लिखने का निर्देश दिया। कार्यदायी संस्था द्वारा बताया गया कि हेल्थ यूनिट लैब दुर्गागंज के भवन निर्माण का कार्य जून तक पूरा हो जायेगा। एमसीएस व एमबीएस जिला चिकित्सालयों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का कार्य धनाभाव के कारण कार्य रूकने पर जिलाधिकारी ने गम्भीरता से कहा कि अग्नि सुरक्षा कार्य जनहितार्थ अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

फंड उपलब्धता के लिए शासन को पत्र लिखने हेतु सीएमओ को निर्देशित किया। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा निर्माणाधीन छोटी-छोटी सड़कों को अविलम्ब पूर्ण करने का निर्देश दिया। यू0पी0 प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन-16 के द्वारा निर्माणाधीन जिला कारागार में 30 क्षमता की दो नग बैरक निर्माण में बल दिया ।नगर पालिका परिषद भदोही के फत्तुपुर में निर्माणाधीन कल्याण मण्डप के कार्यो में तेजी लाने का निर्देश दिया। सभी वाटर सप्लाई स्कीम की बिलम्ब स्थिति पर जिलाधिकारी ने चिन्ता व्यक्त करते हुए प्रगति करने का निर्देश दिया। पर्यटन विभाग के अन्तर्गत लवकुश बाल्मिकी आश्रम निर्माणाधीन सत्संग हॉल एवं विधानसभा औराई में संत रविदास मंदिर के निर्माण प्रगति की समीक्षा लेते हुए डीएम ने सीडीओ को निर्देशित किया कि संबंधित मंदिर समिति के साथ बैठक कर प्रबंध व सुचारू संचालन पर बल दिया जाए। विकास विधानसभा ज्ञानपुर में रामजानकी मन्दिर, सीता समाहित स्थल का सौन्दरीकरण आदि पर्यटन कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया।

पूर्वांचल विकास निधि के अंतर्गत 04 करोड़ 10 लाख रुपए के विधानसभा औराई के अंतर्गत विकासखंड औराई में 12, विकासखंड भदोही में 07, विकासखंड ज्ञानपुर में 01 कार्यो को पूर्ण करने में शिथिलता व लापरवाही बरतने पर कार्यदायी संस्था के एक्शईएन व जेई पर कड़ी फटकार व नाराज़गी व्यक्त करते हुए तनख्वाह रोकते हुए शासन को पत्र भेजने का निर्देश दिया तथा दोनों द्वारा हस्ताक्षरित रिपोर्ट तत्काल खंड विकास अधिकारी को देने का निर्देश दिया। साथ ही 2 दिन के अंदर संबंधित खंड विकास अधिकारी द्वारा कार्यो का स्थलीय निरीक्षण व क्वालिटी चेक कर कार्य की पूर्णता का तथ्यपरक रिपोर्ट डीईएसटीओ को देने का निर्देश डीएम ने दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, सीएमओ डॉ.संतोष कुमार चक, पीडी डीआरडीए आदित्य कुमार , उपायुक्त मनरेगा राजाराम, उपयुक्त स्वत~ रोजगार, डीईएसटीओ शशिकांत, जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र नारायण सिंह सहित सभी अधिशासी अभियंता, अधिशासी अधिकारी व संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भदोही में पोषण पखवाड़ा के तहत गोद भराई कार्यक्रम सम्पन्न

● राज्य महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात भी रही मौजूद

स्वतंत्र प्रभात

भदोही। पोषण पखवाड़ा के तहत वृहस्पतिवार को ज्ञानपुर ब्लॉक के गोपीपुर में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर गोद भराई कार्यक्रम बड़े ही उत्साह के साथ संपन्न हुआ। जहां पर गर्भवती महिलाओं क़ो फल, पोषण सामग्री वितरित की गई। साथ ही आंगनवाड़ी केंद्र पर मौजूद गर्भवती महिलाओं और किशोरियों क़ो स्वास्थ्य से जुड़ी तमाम जानकारी दी गई। जहां पर सुरक्षित, पर्याप्त और उपयुक्त पूरक खाद्य पदार्थ के बारे में विस्तार से बताया गया। आंगनबाड़ी केंद्र पर कार्यकत्री एवं सहायिका द्वारा ऊपरी आहार एवं बच्चों की सही विकास की पहचान से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई किया गया। इस मौके पर राज्य महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात ने भी आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और महिलाओं और किशोरियों क़ो तमाम जानकारी भी दी। राज्य महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात ने कहा कि पोषण पखवाड़ा के तहत जिला स्तर से लेकर ब्लॉक और पंचायत से गांव स्तर पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कहा कि पोषण पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य किशोरी, गर्भवती और धात्री महिलाओं क़ो सही पोषण मिले और उनका स्वास्थ्य बेहतर हो जिससे एक स्वस्थ परिवार व समाज का निर्माण हो सके। महिला आयोग की सदस्यत नीलम प्रभात ने कहा कि महिलाएं अपने काम के आगे खानपान पर कम ध्यान देती है जिससे तमाम बीमारियां और परेशानियां होती है, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान बहुत जरूरी है। सरकार भी महिलाओं क़ो स्वस्थ व सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात ने अधिकारियो क़ो भी निर्देशित किया कि सरकार की हर योजना पात्रों क़ो अवश्य मिले किसी भी स्तर से लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस कार्यक्रम में प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी मंजू वर्मा, जिला प्रोबशन अधिकारी शत्रुघ्न कन्नौजिया, गीता केसरी, पूनम मालवीय और मीरा देवी समेत भारी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

अनपरा विद्युत उत्पादन निगम को मिली नई कोयला रैक, आपूर्ति होगी सुगम

अनपरा ,सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम (उप्राराविउनिलि) अनपरा के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। निगम द्वारा खरीदे गए 40 वैगन का नया बीओबीआर (बॉगी ओपन बॉटम रैपिड अनलोड) रैक आखिरकार अनपरा पहुंच गया है। इस नए रैक के आने से अनपरा तापीय परियोजना के लिए कोयले की आपूर्ति और अधिक सुगम हो जाएगी। गौरतलब है कि 40 वैगन के इस विशेष रैक का ऑर्डर वर्ष 2022 में दिया गया था, जिसकी कुल लागत लगभग 16 करोड़ रुपये थी। हालांकि, कुछ तकनीकी कारणों से इसकी आपूर्ति में विलंब हो रहा था। लेकिन निगम प्रबंधन, अनपरा परियोजना प्रमुख और संबंधित उच्च अधिकारियों के लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप, इस 40 वैगन की रैक की आपूर्ति अनपरा के लिए संभव हो पाई है।यह नया वैगन विशेष रूप से नीचे से अनलोडिंग की आधुनिक सुविधा के साथ डिज़ाइन किया गया है। प्रत्येक वैगन की क्षमता 60 टन ग्रेडेड कोयला ले जाने की है। यह न केवल ईंधन सुरक्षा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, बल्कि रेलवे रैक के प्रतिधारण समय को कम करने में भी सहायक होगा, जिससे परिचालन दक्षता में सुधार आएगा।गुरुवार को अनपरा परियोजना के प्रमुख इं. जे.पी. कटियार ने महाप्रबंधक (अं एवं बं) इं. दूध नाथ, महाप्रबंधक (प्रशासन) इं. निखिल चतुर्वेदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना करके वैगनों की अनलोडिंग और ट्रायल ऑपरेशन का शुभारंभ किया। इसके पश्चात, उन्होंने खड़िया की खदान से कोयला लाने के लिए इस नए रैक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक इं. जे.पी. कटियार ने कहा कि अनपरा परियोजना के लिए एमजीआर (मेरठ-गाजियाबाद-रेवाड़ी) के माध्यम से कोयला लाने के लिए 40 वैगन की एक अतिरिक्त रैक मिल जाने से कोयले की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे परियोजना की रेलवे के रैक पर निर्भरता कम होगी, जिससे मालभाड़े के मद में होने वाले खर्च को भी कम किया जा सकेगा और अंततः परियोजना को आर्थिक लाभ होगा।इस महत्वपूर्ण अवसर पर इं. एस.पी. यादव, इं. कर्मेंद्र सिंह, इं. आर.के. सिंह, इं. चन्द्र विजय, इं. प्रभाकर सिंह, इं. योगेंद्र मौर्या, इं. आर.पी. यादव, इं. अदालत वर्मा, इं. अमरनाथ यादव, इं. बृजेंद्र सिंह, इं. प्रमेंद्र चौधरी, इं. सुशील सिंह, मनोज पाल, सलाउद्दीन अंसारी सहित दर्जनों अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होंने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

जिलाधिकारी द्वारा गोद लिए गये पी0एम0श्री0 कम्पोजिट विद्यालय कछवां का किया निरीक्षण

● विद्यालय के सभी कक्षो को टाइलीकरण कराए जाने व विद्यालय के पीछे चहरदीवारी बनाए जाने

हेतु आगणन बनाकर प्रस्तुत करने का निर्देश

पी0एम0श्री0 कम्पोजिट विद्यालय कछवां का होगा सुन्दरीकरण, जिलाधिकारी ने लिया गोद

स्वतंत्र प्रभात

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा गोद लिए गये पी0एम0श्री0 कम्पोजिट विद्यालय कछवां का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय विद्यालय में कुल 06 कक्षा/भवन जर्जर बताया गया व एक एन0पी0जी0एल0, एक षटकोणीय मूल भवन मरम्मत योग्य है, जिलाधिकारी ने विद्यालय में सभी कक्षों का टाईलीकरण कराये जाने, विद्यालय के पीछे स्थित खाली भूमि को चहारदीवारी से संतृप्त कराये जाने, विद्यालय में डायनिंग सेड का निर्माण कराये जाने, केन्द्रीयकृत किचन का निर्माण कराये जाने हेतु आगणन एक सप्ताह में ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग से बनवाकर प्रस्तुत किये जाने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया।

इन्डोर खेल कक्ष निरीक्षण के समय जिलाधिकारी द्वारा द्वारा षटकोणीय मूल भवन के एक कक्ष में व्यवस्थित इंडोर खेल कक्ष विकसित करने का निर्देश दिया गया। खेल कूद मैदान का विकास-विद्यालय के प्रागंण में स्थित खेल के मैदान में एक बैडमिन्टन कोर्ट व एक रनिंग कोर्ट विकसित करने के लिए भी कहा गया। रनिंग कोर्ट के निर्माण हेतु स्टीमेट प्राप्त करने के साथ ही छोटे बच्चों के लिए लगे हुए/लगने वाले स्लाइडिंग, झूला, आदि को व्यवस्थित एवं सुरक्षित रूप में विकसित करने का निर्देश दिया गया। टायलेट ब्लाक-निरीक्षण के समय दिव्यांग शौचालय के समीप स्थित शौचालय को और सुव्यवस्थित बनाने के साथ-साथ कुछ अतिरिक्त बालक/बालिका शौचालय का निर्माण कराते हुए टायलेट ब्लाक विकसित करने का निर्देश दिया गया। पुस्तकालय को षटकोणीय मूल भवन के एक कक्ष में विकसित करने के साथ ही पुस्तकालय संचालन हेतु प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक से एक-एक शिक्षक को नोडल नामित करने का निर्देश दिया गया। स्मार्ट क्लास वर्तमान में रोबोटिक्स लैब के साथ स्थापित है जिसको दूसरे कक्षा-कक्ष में स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक कक्षा के बच्चों को समय सारिणी के अनुसार स्मार्ट क्लास में सीखने का अवसर प्रदान किया जाये। विज्ञान कक्ष में स्थित पुस्तकालय को अन्य कक्ष में स्थानान्तरित किये जाने व विज्ञान कक्ष को और व्यवस्थित करने हेतु निर्देशित किया गया। विज्ञान कक्ष का संचालन विज्ञान शिक्षक द्वारा नियमित रूप से किया जाय जिससे बच्चों के विज्ञान विषय समझ एवं रूचि का विकास हो। रोबोटिक्स लैब को सुव्यवस्थित करते हुए उसके संचालन हेतु सभी विद्यालय में शिक्षण कार्य कर रहे गणित/विज्ञान शिक्षक को प्रशिक्षित किया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि बी0टेक0 योग्यताधारी शिक्षको को प्राथमिकता दी जाय। नामित एजेन्सी के तकनीकी सहायको के द्वारा शिक्षको के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाय तथा सभी क्लास के बच्चों को उनकी कक्षा के स्तर के अनुरूप शिक्षण/प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए जिलाधिकारी द्वारा अध्यापको को निर्देशित किया गया।

विद्यालय में एक बहुउद्देशीय कक्ष की मांग पर जिलाधिकारी द्वारा मुख्य गेट के दाहिनी ओर स्थित जर्जर भवन के स्थान पर बहुउद्देशीय कक्ष के निर्माण हेतु स्टीमेट तैयार कराने का निर्देश दिया जिसके क्रम में भूमि की माप की गयी जो 14 मीटर गुणा 18 मीटर है। उक्त के अतिरिक्त द्वारा विद्यालय के कक्षाध्यापको को कक्षा अवलोकन के समय कम उपस्थिति पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसमें सुधार करने व नामांकन में वृद्धि करने का निर्देश दिया गया। किचन गार्डेन में शहजन का पेड़. लगवाने व उपलब्ध किचन गार्डेन को और समृद्ध करने का निर्देश दिया गया। क्लास रूम के सामने सौन्दर्याकरण करने के लिए फूल वाले पौधे लगवाने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विभिन्न कक्षाओ में उपस्थित छात्र-छात्राओ से गणित, हिन्दी व अन्य विषयो को पढ़ाकर तथा श्यामपट सवालो को हल कराकर शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली तथा बच्चो को प्रोत्साहित करने के लिए टाफी, बिस्किट आदि प्रस्कृत किया गया।

अम्बेडकर जयंती गोष्ठी में विधायक ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया नियुक्ति पत्र तथा दिव्यांगों को ट्राई साईकिल

स्वतंत्र प्रभात

हलिया। स्थानीय ब्लॉक सभागार में डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह की गोष्ठी में बृहस्पतिवार को छानवे विधायक रिंकी कोल ने संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस दौरान 45 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र एवं 36 दिव्यांगों को ट्राईसाईकिल वितरित किया। नियुक्ति पत्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व ट्राईसाईकिल दिबांग पाते ही खुशी से झूम उठे। इस दौरान बालविकास परियोजना अधिकारी प्रवेश प्रजापति ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के दायित्व के बारे में विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि हमारे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कार्य 20 से 25 वर्ष में दिखाई देता है।नियुक्ति पत्र के बाद सभी को अपने दायित्व निर्वहन करेंगे।खंड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल से 28 अप्रैल तक मनाए जाने का कार्यक्रम चल रहा है। भारत के विकास में संविधान निर्माता की अहम भूमिका है।

कई देशों से उत्तम हमारा संविधान है जयंती तो बहुत महापुरुषों की मनाई जाती है सभी महापुरुष पूजनीय है। सरकार की एक पखवाड़े तक जयंती समारोह मानाए जाने से सभी जागरूक हो रहे हैं।विधायक रिंकी कोल ने अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सभी दलितों को अग्रणी भूमिका में लाने व देश हित में संविधान निर्माता का आभार व्यक्त किया। अंत में कार्यक्रम का संचालन कर रहे लाल जी मौर्य(मास्टर) ने कहा कि भगवान कृष्ण की दो माता थी जो देवकी व यशोदा के नाम से जानी जाती है जिसकी भूमिका आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निभाती हैं। खाली रिक्त पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रिया दुबे पत्नी अशोक दूबे को विधायक रिकी कॉल ने अपने हाथों से प्रमाण पत्र दिया इस मौके पर वक्ताओं की कडी में जिला दिव्यांग अधिकारी राजेश कुमार सोनकर ,रमाकांत पटेल, गुलाब पटेल, विकास सोनकर , जनार्दन कोल ,एडीओ पंचायत रूपेश श्रीवास्तव, एडीओ एजी नरेंद्र कानपुरिया प्रधान अरूण मिश्रा, राजेश मौर्य आदि लोग अपने विचार व्यक्त किए।

सच्ची भक्ति से भगवान मन में प्रकट हो जाते हैं

● एकादशी व्रत से यश-कीर्ति मिलती है

श्रीमद्भागवत कथा के दौरान आचार्य लोकशिक्षक की भूमिका में दिखे

स्वतंत्र प्रभात

मिर्जापुर। भगवान के भक्तों को कष्ट नहीं देना चाहिए, इससे भगवान को अत्यंत पीड़ा होती है। उक्त उद्गार नगर के तिवराने टोला स्थित डॉ भवदेव पाण्डेय शोध संस्थान में गुरुवार को प्रवचन के दौरान व्यासपीठ से आचार्य डॉ ब्रह्मानन्द शुक्ल ने व्यक्त किया। डॉ शुक्ल ने कहा कि सच्ची भक्ति से भगवान मन में प्रकट हो जाते हैं। डॉ शुक्ल ने कहा कि कभी भी भगवान पर अविश्वास कर उन पर यह आरोप नहीं लगाना चाहिए कि भगवान उनपर कृपा नहीं कर रहे हैं।ऐसा करना भगवान का अपमान है। डॉक्टर शुक्ल ने भगवान श्रीराम के पूर्वज राजा रघु की महिमा बताते हुए कही। उन्होंने कहा कि वे त्रिकाल गायत्री मंत्र का जप एवं एकादशी का व्रत रखते थे। उनके पास ऋषि वरतन्तु का शिष्य कौत्स 14 करोड़ अशरफी गुरु द्वारा दी गई विद्या के एवज में दक्षिणा मांगने जब आया, उस वक्त राजमहल में बैठे रघु मिट्टी के बर्तन में खाते-पीते दिखाई पड़े। राजा रघु के दरबार से जब कौत्स जाने लगा तब रघु ने आगमन का कारण पूछा। कौत्स को 14 करोड़ अशर्फी देने के लिए कुबेर के घर चढ़ाई का संकल्प रघु ने लिया। इससे घबराकर कुबेर स्वतः हाजिर हुए तथा अशरफी प्रदान की। यह रघु की तपस्या का फल था।

अपने प्रवचन में डॉक्टर शुक्ल लोकशिक्षक की भी भूमिका में नज़र आए तथा उपस्थित श्रोताओं को धर्म संबंधित ज्ञान भी देते चल रहे हैं। उन्होंने एकादशी महात्म्य का जिक्र करते हुए कहा कि हर गृहस्थ को भी एकादशी व्रत रहना चाहिए। इसमें एकादशी तिथि के सूर्योदय से द्वादशी तिथि के सूर्योदय तक व्रत रखना चाहिए न कि एकादशी तिथि के दिन किसी वक्त द्वादशी लग जाने पर पारण नहीं करना चाहिए। अनेक बोधकथाओ के जरिए श्रोताओं से कहा कि इंद्रियों को जितना भोग- विलास में लगाया जाएगा, उतनी भोग की इच्छा बढ़ती ही जाएगी, इसलिए इंसान को हर हाल में संयमी होना चाहिए। जितेंद्रिय होने से चेहरे की कांति एवं शक्ति बढ़ती है। आचार्य डॉक्टर शुक्ल का नगर के विशिष्टजनों ने स्वागत किया।

संक्षिप्त खबरें

तैराकी सीखने के दौरान युवक की डूबने से मौत, ट्रेनर पर लापरवाही का आरोप

प्रयागराज। गऊघाट पर तैराकी सीखने गए एक युवक की यमुना नदी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान अमन यादव (उम्र लगभग 20 वर्ष) के रूप में हुई है, जो ब्रह्मपुरी कॉलोनी, झूंसी छतनाग का रहने वाला था। अमन ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज में बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र था और पिछले 20 दिनों से तैराकी सीखने गऊघाट जा रहा था। रविवार को वह अपने दोस्तों के साथ तैराकी अभ्यास के लिए गया था, जहां ट्रेनर की मौजूदगी में ही वह नदी में डूब गया। साथी छात्रों का आरोप है कि तैराकी ट्रेनर ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए थे और न ही समय पर कोई मदद उपलब्ध कराई गई। दोस्तों के मुताबिक, अमन की जान ट्रेनर की लापरवाही के कारण गई। घटना के बाद अमन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता राम निरंजन यादव, सुल्तानपुर में पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर है और तैराकी प्रशिक्षण की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जिलाधिकारी ने जसुनवाई के दौरान हुबलाल इण्टरमीडिएट कालेज भारवारी की छात्रा गरिमा को दिया टैबलेट

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज कार्यालय कक्ष में जन सुनवाई के दौरान हुबलाल इण्टरमीडिएट कालेज भारवारी में कक्षा- 11 की छात्रा गरिमा रामपुर सुहेला ने प्रर्थना प्रत्र देकर अवगत कराया कि मेरे घर में चोरी हो गयी थी, जिससे मुझे पढ़ाई करने में असुविधा हो रही है न तो मेरे पास मोबाइल है और न लैपटाप है जिस पर जिलाधिकारी ने छात्रा गरिमा को पढाई करने के लिए टैबलेट दिया और जो शासन से अनुमन्य व्यवस्था है उसको उपलब्ध कराया गया।

लोकतंत्र और संविधान की धज्जियां उड़ा रही भाजपा सरकार- दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने गुरुवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पिछले 11 साल से लोकतंत्र और संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। दीपेंद्र हुड्डा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार लगातार विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रही है। सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के जरिए डराने और दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि ईडी ने अब तक 800 से अधिक मुकदमे दर्ज किए हैं, लेकिन इन मामलों में से एक भी नेता को दोषी नहीं पाया गया है।

उन्होंने कहा कि ईडी की ओर से दायर किए गए ये सभी मुकदमे केवल विपक्ष के नेताओं पर ही दर्ज हुए हैं, भाजपा के किसी भी नेता पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जिन विपक्षी नेताओं पर पहले ईडी या सीबीआई की कार्रवाई होती है, वह जैसे ही भाजपा में शामिल हो जाते हैं, उसे राहत दे दी जाती है। यह दिखाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए किया जा रहा है।

इसके अलावा, दीपेंद्र हुड्डा ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की ओर से दायर की गई चार्जशीट पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर हो रही कार्रवाई से कांग्रेस डरने वाली नहीं है। कांग्रेस पार्टी हमेशा देश के हर वर्ग और हर नागरिक के हक के लिए लड़ती रहेगी। हम लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए आखिरी दम तक संघर्ष करेंगे। उल्लेखनीय है कि नेशनल हेराल्ड मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच के सिलसिले में ईडी ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।

लेखपालों का ट्रांसफर करते हैं एसडीएम दलालों का ट्रांसफर करेगा कौन

● राजस्व लेखपाल के साथ लगे दलाल अधिकारियों के नाम पर वसूली करके अकूत सम्पत्ति अर्जित करते हैं

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। ग्राम पंचायत में तैनात राजस्व लेखपाल की शिकायत पर उनका स्थानान्तरण सम्बन्धित उप जिला अधिकारी या जिला अधिकारी कर देते हैं लेकिन लेखपालों के साथ लगे समन्तारण दलालों का स्थानान्तरण आखिर कौन करेगा गांव क्षेत्र में राजस्व लेखपालों के साथ दलालों का बड़ा दखल है और सही गलत की पहचान दलालों के वसूली पर निर्भर करती है जिससे गांव के लोगों को राजस्व लेखपालों से न्याय नहीं मिल पाता है और यह दलाल बीच में दखलअंदाजी करते हैं राजस्व लेखपाल के साथ लगे दलाल अधिकारियों के नाम पर वसूली करके अकूत सम्पत्ति अर्जित करते हैं ताजा मामला नगर पालिका परिषद मंझनपुर के ओसा क्षेत्र का है जहां राजस्व लेखपाल के साथ रामकृपाल पाल बीते 20 वर्षों से दलाली कर रहा है यह लेखपाल के मुंशी के नाम से क्षेत्र में चर्चित है आवास योजना की जांच हो या सरकारी भूमि का पट्टा हो आय निवास जाति प्रमाण पत्र बनवाने में रिपोर्ट लगवाना हो या किसी अन्य सरकारी कार्य में हो राजस्व लेखपाल का मुंशी रामकृपाल पाल की दखलअंदाजी बनी रहती है और जिसने रामकृपाल पाल को खुश नहीं किया उसके सही कार्यों को गलत कर देना लेखपाल के कार्यों में शुमार है और जिसने रामकृपाल पाल की मेहरबानी स्वीकार कर ली उसका गलत कार्य भी लेखपाल की कलम से सही हो जाता है इस बात की शिकायत बीते दिनों नगर पालिका परिषद के सभासद प्रतिनिधि आर्यवीर लोधी ने डीएम से लेकर के सूबे के मुख्यमंत्री तक से की जिस पर मामले की जांच कराई गई और सारा दोष लेखपाल सौरभ उपाध्याय का बता करके लेखपाल को इस क्षेत्र से हटा दिया गया है और उनके स्थान पर दूसरा लेखपाल राजन सिंह को तैनाती दिए जाने की चर्चा है अब सवाल उठता है कि यदि राजन सिंह लेखपाल ने भी मुंशी बने रामकृपाल पाल का साथ पकड़ा तो गांव के लोगों को क्या न्याय नहीं मिल पाएगा आखिर रामकृपाल पाल बिना वेतन के लेखपालों के पीछे कैसे ड्यूटी देता है लेखपाल को तो सरकार वेतन देती है लेकिन इन दलालों को वेतन भी नहीं मिलता है फिर भी 18 घंटे ड्यूटी देते हैं और देखते-देखते करोड़ के संपत्ति के मालिक बन जाते हैं लेखपाल के साथ रहने वाले मुंशी के कारनामों को शासन प्रशासन को संज्ञान लेना होगा और प्रशासनिक अधिकारियों के नाम पर करोड़ों की वसूली करने वाले लेखपाल के मुंशीयों पर मुकदमा दर्ज कर करके उनकी गिरफ्तारी करवा करके जेल भेजते हुए उनकी संपत्ति को गुंडा गैंगस्टर अधिनियम के तहत जब्त किए जाने की जरूरत है तभी ग्राम पंचायत में राजस्व से संबंधित मामले में पारदर्शिता आएगी और आम जनता का शोषण बन्द होगा हेरा फेरी करके अपने नाम और अपने भाइयों परिजनों के नाम भी दो दर्जन सरकारी भूमि का पट्टा इस मुंसी ने करवा लिया था जिसकी शिकायत हुई थी जांच के दौरान आवास का पट्टा गलत पाए जाने पर कुछ भूमि का पट्टा निरस्त कर दिया गया है इतना ही नहीं पुलिस लाइन से लेकर ओसा गांव तक में अभी भी 10 सरकारी जमीन का पट्टा लेखपाल के मुंशी और उनके परिवार के लोगों के पास मौजूद है जो बड़ी जांच का विषय है दलाली में माहिर लेखपाल का यह मुंशी पुलिस फोर्स पर हमला कर चुका है जिस मामले में इस पर मुकदमा दर्ज हुआ इसकी गिरफ्तारी हुई और पुलिस पर हमला करने के आरोप में मुंशी जेल भी भेजा गया था लेकिन जेल से जमानत पर बाहर आ चुका है और फिर अधिकारियों के नाम पर पूरे दिन वसूली कर व्यवस्था बिगाड़ने में लगा है।

देर रात सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक, कमियां देख लगाई फटकार

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। विधायक पीयूष रंजन निषाद बुद्धवार देर रात निरीक्षण करने निकले और वीरपुर मार्ग पहुँच गए, वीररपुर कचरी सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कार्य हो रहा है जहां मरम्मत काम में कमियां देख फटकार लगाई। करछना क्षेत्र से विधायक पीयूष रंजन निषाद अपने कार्यशैली के लिए अलग पहचान रखते हैं। वह लगातार अपने क्षेत्र में विकास कार्यो को लेकर सजग रहते हैं। और समय-समय पर अधिकारियों के साथ पहुंचकर निरीक्षण करते हैं। और लापरवाही पर अधिकारियों को फटकार भी लगते हैं। इसी कड़ी में विधायक पीयूष रंजन निषाद बुद्धवार देर रात निरीक्षण करने निकले। करीब आधे घंटे तक उन्होंने वीरपुर कचरी मार्ग के मरम्मत कार्य को देखा। जहां कमियां दिखीं, जिसका वीडियो बना कर खुद विधायक ने सोशल मीडिया में पोस्ट किया और अधिकारियो को फटकार लगाई। गौरतलब है कि करछना के वीरपुर में 3.50 किलोमीटर वीरपुर कचरी सम्पर्क मार्ग का मरम्मत कार्य 49.12 लाख रूपये से हो रहा है। सड़क के मरम्मत कार्य में अनियमितता बरती जा रही। जिसमें मानक के रूप में सड़क का मरम्मत नहीं हो रहा है। जिसको लेकर विधायक ने जिम्मेदारो को फटकार भी लगाई। विधायक ने कहा की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं होगा। विधायक के इस कार्य का वीडियो तेजी के साथ सोशल मीडिया पर वायरल भी है।

प्रयागराज- आर्य समाज द्वारा जारी विवाह प्रमाण पत्र बेकार कागज नहीं

प्रयागराज- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आर्य समाज मंदिर में हुए विवाह की वैधता के संबंध में अपने महत्वपूर्ण निर्णय में कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम,1955 की धारा 7 के तहत आर्य समाज में हुए विवाह वैध हैं। अगर वे वैदिक या अन्य प्रासंगिक हिंदू रीति- रिवाजों और समारोहों के अनुसार करवाए गए हों। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने महाराज सिंह की याचिका खारिज करते हुए पारित किया।याची ने अपनी पत्नी द्वारा आईपीसी की धारा 498-ए और 506 के तहत दर्ज मामले को रद्द करने की मांग की थी। याची की पत्नी ने दहेज उत्पीड़न के मामले में उसके खिलाफ आईपीसी की उक्त धाराओं के तहत पुलिस स्टेशन हाफिजगंज, बरेली में मामला दर्ज करवाया था। याची के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि उसका विवाह विपक्षी के साथ आर्य समाज मंदिर में हुआ था। अतः इसे वैध विवाह नहीं माना जा सकता है, इसलिए उस पर आईपीसी की धारा 498-ए और 506 के तहत आरोप नहीं लगाए जा सकते हैं। इसके अलावा उसने अपनी पत्नी द्वारा प्रस्तुत विवाह प्रमाण पत्र को भी जाली और मनगढ़ंत बताया तथा विवाह के पंजीकृत ना होने की बात भी कही। कोर्ट ने माना कि आर्य समाज मंदिर में विवाह वैदिक पद्धति के अनुसार संपन्न होते हैं, जिसमें कन्यादान, पाणिग्रहण, सप्तपदी तथा सिंदूरदान के समय मंत्रोच्चार होता है। अतः आर्य समाज द्वारा जारी प्रमाण पत्र को बेकार कागज नहीं कहा जा सकता है। अंत में कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि गैर पंजीकरण वैध विवाह को अमान्य नहीं बनाता है, साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 7 के तहत पारंपरिक रीति-रिवाज और समारोहों के अनुसार विवाह संपन्न होने पर वैध ही रहेगा, भले ही वह किसी भी स्थान पर संपन्न हुआ हो।

जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय इच्छू का पूरा का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कल देर सांयकाल विकास खण्ड कौशाम्बी के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय इच्छू का पूरा का किया निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान बबिता त्रिपाठी, फुल टाइम टीचर अवकाश पर थीं। इसके अतिरिक्त शीला देवी वार्डेन, अनीता देवी, पार्ट टाइम टीचर, तीनों रसोइयां, राजकुमार, चौकीदार सहित सभी स्टाफ उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय बच्चे रात्रि का भोजन कर चुके थे। निरीक्षण के समय विद्यालय में नामांकित 100 के सापेक्ष 65 बालिकाएं उपस्थित पायी गयीं। तत्पश्चात् जिलाधिकारी द्वारा भोजन की गुणवत्ता को परखने के उद्देश्य से किचेन का निरीक्षण किया गया, किचेन की साफ-सफाई के बारे में रसोइयों से बात की और पूछा गया कि रसोई का साफ-सफाई कौन करता है, रसोइयों द्वारा बताया गया कि स्वयं हम लोग भोजन के बर्तन एवं रसोई की साफ-सफाई करते हैं। इस पर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वेरी गुड कहा गया। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में अवस्थित 13 कमरों में बारी-बारी जाकर निरीक्षण किया गया और छात्राओं से बात-चीत कर छात्राओं से पूछा गया कि आप क्या पढ़ रहे हो अधिकतर बालिकाएं हिन्दी की किताब पढ़ती हुई पायी गयीं तो जिलाधिकारी ने कहा कि अंग्रेजी की किताब निकालो मैं, पढ़ाता हूॅं। इस अवसर पर अपने-अपने कमरों में बालिकाएं पढ़ती हुई पायी गयी।

इसके अतिरिक्त छात्राओं से जिलाधिकारी द्वारा भोजन के बारे में पूछा गया कि समय से गुणवत्तापूर्ण भोजन मिलता है कि नहीं इस पर छात्राओं ने बताया कि समय से अच्छा भोजन खाने को मिलता है। विद्यालय में निरीक्षण के समय जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय की वार्डेन, शीला देवी से पूंछा गया कि विद्यालय में कितने स्टाफ हैं वार्डेन द्वारा बताया गया कि विद्यालय में 01 फुल टाइम टीचर, 01 पार्ट टाइम टीचर कार्यरत हैं, इसके अलावा परिषदीय विद्यालय से अर्चना गुप्ता एवं कमलेश सिंह सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय इच्छू का पूरा को विद्यालय में शिक्षण कार्य हेतु सम्बद्ध किया गया है।

जिलाधिकारी द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय फरीदनपुर का किया औचक निरीक्षण

● जिलाधिकारी ने उचित दर विक्रेता ग्राम बनीखास सरकारी दुकान का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जिलाधिकारी द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय फरीदनपुर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यपक को शिक्षक अभिभावक गोष्ठी कर स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत अधिक से अधिक नये नामांकनो तथा विद्यालय में पुस्तक यूनिफार्म जूते, मोजे समय से बच्चो को उपलब्ध कराने तथा शासन की मंशा के अनुरूप मि-डे मील योजना के क्रियान्वन पर बल दिया गया, निरीक्षण के दौरान छात्र उपस्थिति कम पाये जाने पर उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के समय विद्यालय में कार्यरत कुल 07 शिक्षक-शिक्षिकाओं के सापेक्ष प्र0अ0 शहाना परवीन, स0अ0 अरिमर्दन सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, बुद्धिराज सिंह एवं सर्वेन्द्र कुमार निगम तथा शिक्षामित्र सुमित्रा देवी व बुधराम सहित सभी उपस्थित पाये गये।

निरीक्षण के समय विद्यालय में नामांकित कुल 150 बच्चों के सापेक्ष मात्र 80 बच्चे उपस्थित पाये गये। छात्र उपस्थिति कम पाये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा पूछा गया कि छात्रों की उपस्थिति कम क्यों है, उस पर प्रधानाध्यापक द्वारा बताया गया कि गेंहू की कटाई के कारण अभिभावकों द्वारा बच्चों को नहीं भेजा जा रहा है।

तत्पश्चात् प्रधानाध्यापक सहित सभी अध्यापकों को निर्देशित किया कि घर-घर जाकर बच्चों को बुलाया जाय एवं छात्र उपस्थिति में वृद्धि लायी जाय तथा नवीन नामांकन कराये जाने हेतु विशेष प्रयास किया जाय। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि अभिभावकों को पी0टी0एम0 के माध्यम से बच्चों को स्कूल भेजने हेतु प्रेरित किया जाय। निरीक्षण के समय सभी शिक्षक अपने-अपने कक्षा-कक्ष में शिक्षण कार्य करते हुए पाये गये। इस पर जिलाधिकारी द्वारा टैबलेट पर छात्रों की उपस्थिति को देखा गया उसके बाद माह मार्च, 2025 की उपस्थिति दिखाने हेतु शिक्षक से कहा गया तो शिक्षक द्वारा टैबलेट पर उपस्थिति का अवलोकन कराया गया। निरीक्षण के समय विद्यालय में एम0डी0एम0 के अन्तर्गत भोजन मीनू के अनुसार बन रहा था, जिसकी गुणवत्ता को जिलाधिकारी द्वारा परखा गया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि रोड का विद्यालय है। अतः विद्यालय के समयावधि में बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षा की दृष्टि से विद्यालय का गेट बन्द करके रखा जाय। इसके अतिरिक्त निरीक्षण में विद्यालय की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था किये जाने एवं बच्चों को गुणवत्ता शिक्षा तथा एम0डी0एम0 में गुणवत्तापूर्ण मीनू के अनुसार भोजन दिये जाने के निर्देश दिये गये। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने उचित दर विक्रेता ग्राम बनीखास कोटेदार अरविन्द त्रिपाठी के सरकारी दुकान का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर वितरण रजिस्टर व स्टाक रजिस्टर तथा ई-पास मशीन व कॉटा का भी निरीक्षण किया जिसमें संतोष जनक स्थिति पायी गयी।

सोनभद्र, मध्य प्रदेश जाने वाली अंतरराज्यीय सड़क 15 दिन में ही उखड़ी, पीडब्ल्यूडी की खुली पोल

● पीडब्ल्यूडी की 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने की जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात

सोनभद्र, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के प्रांतीय खंड में व्याप्त भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप एक बार फिर सामने आए हैं, जिसने विभाग की कार्यप्रणाली पर गहरा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ताजा मामला चोपन से भरहरी होते हुए मध्य प्रदेश की ओर जाने वाले महत्वपूर्ण मार्ग का है, जिसका निर्माण कार्य हाल ही में संपन्न हुआ था। चौंकाने वाली बात यह है कि निर्माण के महज 15 दिनों के भीतर ही यह अंतरराज्यीय सड़क कई स्थानों से बुरी तरह उखड़ने लगी है, जिससे सड़क निर्माण की गुणवत्ता और पीडब्ल्यूडी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर कड़ी आपत्ति जताई है और स्पष्ट रूप से आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किया गया है। उनका कहना है कि घटिया और निम्न स्तर की सामग्री का इस्तेमाल किया गया है, जिसके चलते नई सड़क इतनी जल्दी अपनी गुणवत्ता खो बैठी है।मरम्मत के बावजूद बदहाल सड़कें स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क के कई हिस्सों की मरम्मत भी की गई, लेकिन इसके बावजूद वे जगह-जगह से उखड़ गए हैं। उनकी बार-बार की शिकायतों के बावजूद, सुधार का काम महज एक दिखावा बनकर रह गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की मरम्मत में भी घटिया गिट्टी और मोबिल के खराब मिश्रण का उपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण सड़क कुछ ही समय बाद फिर से अपनी पुरानी खस्ताहालत में लौट आती है। अधिकारियों की अनुपस्थिति और अनियमितताएं

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि सड़क निर्माण के दौरान संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की लगातार गैरमौजूदगी रही। इसी वजह से कार्यदायी संस्थाओं को घटिया सामग्री का खुलकर उपयोग करने का अवसर मिला। जनता का कहना है कि अधिकारी निर्माण स्थल पर नियमित रूप से निरीक्षण के लिए नहीं आते हैं, जिसके परिणामस्वरूप निर्माण कार्य में भारी अनियमितताएं व्याप्त हैं। योगी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर सवालिया निशान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भ्रष्टाचार के खिलाफ घोषित 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के बावजूद पीडब्ल्यूडी विभाग में इस तरह का गंभीर भ्रष्टाचार सामने आना सरकार की भ्रष्टाचार मुक्त शासन की मंशा पर सवाल खड़े करता है।

स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है और वे पुरजोर मांग कर रहे हैं कि इस पूरे निर्माण कार्य की तत्काल उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जो भी अधिकारी और ठेकेदार इस घोर लापरवाही के लिए जिम्मेदार पाए जाएं, उनके खिलाफ कठोर और अनुकरणीय कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की आपराधिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इस घटना ने पीडब्ल्यूडी विभाग की कार्यशैली की पोल खोलकर रख दी है और यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार किस कदर हावी है।

जनपद में कई वर्षों से एक ही विद्यालय में जमे शिक्षकों का इस बार भी स्थानान्तरण होने की टूटी उम्मीद

● कौशाम्बी के परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों के स्थानान्तरण में नियम कानून को दरकिनार कर विभाग वसूल रहा मोटी रकम

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद के परिषदीय विद्यालयों में 15- 20 वर्षों से एक ही विद्यालय में जमे मठाधीश शिक्षकों के स्थानान्तरण में सरकार के नियम कायदे ठेंगे पर चले गए हैं और बीते 15-20 वर्षों से एक विद्यालय में तैनात दर्जनो महिला पुरुष शिक्षक मठाधीश हो गए हैं और पठन-पाठन का कार्य छोड़कर मौज मस्ती कर रहे हैं जिले के लगभग दो दर्जन से अधिक विद्यालयों में शिक्षक लम्बे समय से तैनात हैं जहां स्थानान्तरण नीति पूरी तरह से चुम्बक की तरह चिपक चुकी है जिससे परिषदीय विद्यालयों की पूरी शिक्षा व्यवस्था चौपट होती दिखाई पड़ रह है मठाधीश शिक्षकों का स्थानांतरण न किए जाने के नाम पर विभाग में मोटी रकम की वसूली बेसिक शिक्षा विभाग के कर्मचारियों द्वारा विभागीय अफसरो के नाम पर खुले आम हो रही है बीते 15--20 वर्षों से एक स्कूल में जमे शिक्षकों का स्थानान्तरण न किए जाने से शिक्षा विभाग के अफसरो पर बड़ा सवाल खड़ा होना लाजमी है शिक्षा विभाग के अफसरो के इस कारनामे की यदि शासन प्रशासन ने जांच कराई तो शिक्षा विभाग के अफसरो के बदनुमा चेहरे उजागर होंगे।

शिक्षकों के तबादले की अन्तिम तारीख शासन ने बढ़ा दी है अब यूपी के शिक्षक 20 अप्रैल तक तबादले के लिए आवेदन कर सकेंगे उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के अन्तर्जनपदीय तबादले के लिए आवेदन की अन्तिम तारीख बढ़ा दी गई है। अब 20 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन शिक्षक कर सकेंगे। पहले अन्तिम तिथि 11 अप्रैल थी लेकिन लम्बे समय से जमे शिक्षक अपना स्थानान्तरण नहीं कराना चाहते हैं जिससे उन्होंने आवेदन नहीं किया है और विभाग के अफसर भी सूची बनाकर लम्बे समय से चुम्बक की तरह जमे शिक्षकों का स्थानान्तरण करने का प्रयास नहीं कर रहे हैं जिससे उनकी संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता ऑनलाइन आवेदन के बाद शिक्षकों को अपनी हार्डकॉपी सम्बन्धित बीएसए कार्यालय में 21 अप्रैल तक जमा करनी होगी। जिन शिक्षकों ने पहले ही रजिस्ट्रेशन करा लिया है, वे अपनी आपत्तियां 15 अप्रैल तक बीएसए कार्यालय में जमा कर सकते थे। सभी आपत्तियों का निस्तारण 17 अप्रैल तक कर दिया जायेगा। लेकिन स्थानान्तरण का समय बढ़ाए जाने के बाद भी कौशाम्बी में स्थानान्तरण नीति का पूरी तरह से पालन होता नहीं दिख रहा है मनमानी तरीके से शिक्षकों की जिले में तैनाती दी जाती है और तमाम शिक्षक चुम्बक की तरह एक विद्यालय में बीते 15--20 वर्षो से तैनात रह गये हैं जिससे विभागीय व्यवस्था पर सवाल खड़े हैं क्या इस वर्ष भी स्थानान्तरण में मठाधीश शिक्षकों का स्थानान्तरण नहीं हो पाएगा यह तमाम सवाल शिक्षा विभाग के अफसरो के निष्पक्ष व्यवस्था पर खड़े हैं।

दुर्गेश पाठक के घर ष्टक्चढ्ढ की रेड, आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर साधा निशाना

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए दावा किया कि आप नेताओं को डराने-धमकाने के लिए केंद्र सरकार ने सीबीआई का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। ताजा मामला दुर्गेश पाठक से जुड़ा है, जिन्हें हाल ही में गुजरात विधानसभा चुनाव 2027 के लिए आम आदमी पार्टी का सहप्रभारी नियुक्त किया गया है। सहप्रभारी नियुक्त किए जाने के कुछ दिन बाद ही गुरुवार सुबह केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उनके घर पर छापेमारी की। आम आदमी पार्टी ने इस घटना को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है। सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷पिछले गुजरात चुनाव में आम आदमी पार्टी की मजबूत मौजूदगी से घबराकर भाजपा ने हमारे नेताओं को गिरफ्तार करवाया था। अब जब दुर्गेश पाठक को गुजरात की जिम्मेदारी सौंपी गई है, तो सीबीआई को उनके पीछे लगा दिया गया है।"

आम आदमी पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से बयान जारी कर कहा, "गुजरात के सहप्रभारी दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई पहुंची है। केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी को खत्म करने का हर हथकंडा अपना लिया, लेकिन फिर भी उन्हें चैन नहीं

है। गुजरात में भाजपा की हालत पतली हो रही है। जैसे ही दुर्गेश पाठक को वहां की जिम्मेदारी दी गई, जिस पर भाजपा बौखला गई है।"'आप' ने यह भी कहा कि भाजपा अब आम आदमी पार्टी को गुजरात में एक प्रमुख विपक्षी ताकत के रूप में देखने लगी है और इसी वजह से वह डर गई है। पार्टी के अनुसार, यह छापेमारी इस बात का संकेत है कि भाजपा 'आप' के निरंतर विस्तार से घबरा चुकी है।

अब फास्टैग नहीं, 1 मई से शुरू होगा जीपीएस आधारित टोल सिस्टम, जानें यात्रियों को कैसे मिलेगा फायदा

स्वतंत्र प्रभात

देश की टोल वसूली प्रणाली में बड़ा बदलाव होने वाला है। 1 मई 2025 से केंद्र सरकार जीपीएस आधारित टोल वसूली प्रणाली शुरू करने जा रही है, जिससे हाईवे पर यात्रा पहले से कहीं अधिक सहज और तेज़ हो जाएगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) अब मौजूदा FASTag सिस्टम को धीरे-धीरे हटाकर त्नहस्स् तकनीक पर आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम को लागू करने की तैयारी में है। यह नई प्रणाली वाहन की यात्रा की दूरी को ट्रैक करके उसी आधार पर टोल शुल्क तय करेगी।

इस तकनीक में वाहन में एक जीपीएस ट्रैकर या ऑन-बोर्ड यूनिट (OBU) लगाया जाएगा, जिससे यह पता लगाया जा सकेगा कि वाहन ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर कितनी दूरी तय की है। इसके अनुसार टोल शुल्क निर्धारित होकर यात्री के बैंक खाते या डिजिटल वॉलेट से स्वतः कट जाएगा। इससे टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारों और तकनीकी दिक्कतों से मुक्ति मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि GNSS आधारित प्रणाली अप्रैल के अंत तक लॉन्च की जाएगी, जो अब 1 मई से लागू होगी। सरकार का मानना है कि इस नई तकनीक से न केवल समय की बचत होगी बल्कि ट्रांसपेरेंसी भी बढ़ेगी। फिलहाल फास्टैग उपयोग में रहेगा और 30 अप्रैल 2025 तक इसकी व्यवस्था जारी रहेगी। इसके बाद सभी वाहनों में सरकार द्वारा अनुमोदित जीपीएस

डिवाइस लगाना अनिवार्य होगा। इस प्रक्रिया के बाद धीरे-धीरे FASTag की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। इस बदलाव से यात्रियों को न केवल सफर के दौरान बेहतर अनुभव मिलेगा, बल्कि टोल संग्रहण प्रक्रिया भी अधिक पारदर्शी, तेज़ और तकनीकी रूप से उन्नत हो जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

महेशपुर पशुपालन विभाग ए0आई0 वर्कर का पशु गणना में नहीं ले रहे हैं रुचि

पाकुड़, झारखंड- पाकुड़ जिला के महेशपुर प्रखंड में पशु गणना का कार्य अंतिम चरण पर है ,लेकिन ए0आई0 वर्कर को पशु गणना की जिम्मेदारी सौंप गई है ,लेकिन महेशपुर के ए0आई0 वर्कर सरकारी आदेश की अवहेलना करते हुए पशु चिकित्सा एवं अन्य कार्य में व्यस्त है और पशु गणना का कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं। प्रखंड के नोडल पदाधिकारी डॉक्टर कलीमुद्दीन अंसारी ने बताया कि सभी ए0 आई0 वर्कर को निर्देश दिया गया है फिर भी ए0 आई0 कर्मी द्वारा मनमानी किया जा रहा है ! ढंग का कोई रिपोर्ट नहीं आ रहा है !इन सभी ए0आई0 वर्कर पर वरिय पदाधिकारी से अपील है, कि इन सभी अवहेलना करने वाले ए0आई0 वर्कर पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

स्ट्रीट लाइटें बंद, कॉलेज रोड पर मँडरा रहा है खतरा

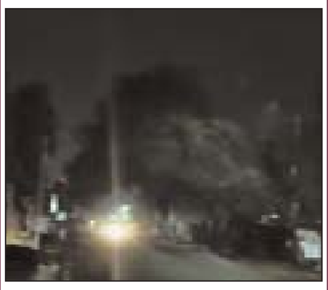

मधुपुर, देवघर, झारखंड- शहर का प्रमुख मार्ग कॉलेज रोड इन दिनों अंधेरे में डूबा हुआ है। इस मुख्य सड़क की स्ट्रीट लाइटें आजकल बंद पड़ी हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय सड़क पर घना अँधेरा छा जाता है, जिससे विशेषकर छात्र-छात्राओं, महिलाओं और बुजुर्गों को आने-जाने में खतरे का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मुख्य सड़क की स्ट्रीट लाइटें बन्द रहने के कारण मोहल्ले के महेन्द्र मुनि सरस्वती शिशु मंदिर, एमएलजी उच्च विद्यालय, कॉलेज समेत अन्य शैक्षणिक संस्थान के मुख्य द्वार अंधेरा पसरा रहता है।

ज्ञात हो कि कॉलेज रोड न सिर्फ एक प्रमुख मार्ग है, बल्कि यह शहर के कई शिक्षण संस्थानों, कोचिंग सेंटर्स, अस्पतालों आदि आवासीय मोहल्लों को जोड़ता है। दिनभर इस मार्ग पर सैकड़ों लोगों की आवाजाही होती है, लेकिन जैसे ही रात होती है, सड़क पर अँधेरा छा जाता है। इलाके के निवासियों का कहना है कि नगर परिषद और बिजली विभाग द्वारा इसपर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। अंधेरे के कारण राहगीरों को दुर्घटनाओं का डर बना रहता है और असामाजिक तत्वों की सक्रियता भी बढ़ने लगी है। नागरिकों ने प्रशासन से जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि इलाके में फिर से रौशनी लौट सके और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

हल्की वर्षा से निखरने लगी है, प्राकृतिक सौंदर्य

तीखी धूप व गर्मी से मिली लोगों को बड़ी राहत

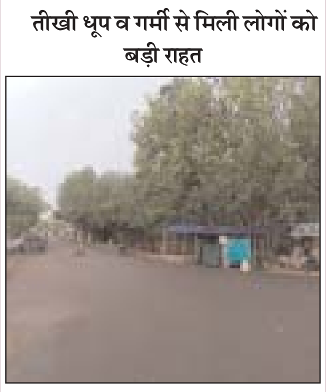

पाकुड़िया/पाकुड़/झारखण्ड- पिछले कई दिनों के बाद पुनः17 अप्रैल को हल्की बारिश से लोगों को भीषण गर्मी एवम धूप की प्रखर किरणों से, बड़ी राहत मिलने से लोगों के चेहरे पर मुस्कान उभरती देखी गई। हालांकि,समाचार संप्रेषण करने तक पाकुड़िया के आकाश पर घने बादल छाए रहे, और गरजते भी रहे जिससे वर्षा होने सम्भावना देखी गई। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों का मानना है कि संध्या वेला में, आये कुटुम्ब नहीं जाते हैं उसी प्रकार संध्या को हो रही बारिश भी, रूक-रूक कर बरसती रहेगी। लोगों ने पूछने पर कहा-यह बैशाख का महीना है,और हल्की बारिश होती रही है। वहीं मौसम विभाग भी हवा के साथ बारिश व बज्रपात की सम्भावना जताते हुए, सावधान किया है। वहीं किसानों ने बताया हल्की वर्षा से सब्जियां व लतादि को लाभ होगा, और मवेशियों को घास मिलेगा। बहरहाल, प्रकृति अपने बंधे नियमों से चलती रहेगी और हमें, चौकस व तत्परता पूर्वक समय का उपयोग करते हुए बढ़ते रहना होगा।

जनता दरबार में की गई शिकायतों का हुआ निष्पादन

● विद्युत स्पर्शाघात से दिव्यांग हुए बालक को विभाग द्वारा प्राप्त हुआ 2 लाख का मुआवजा तथा आशा देवी का बना राशन कार्ड

स्वतंत्र प्रभात

गोपालगंज (बिहार)- जिला पदाधिकारी,गोपालगंज प्रशांत कुमार सी एच द्वारा समाहरणालय कार्यालय कक्ष में जिला पदाधिकारी के जनता दरबार में प्राप्त शिकायत परिवाद पत्रों पर किए गए अनुपालन की समीक्षा की गई।

संबंधित बैठक में अभी तक जिला पदाधिकारी के जनता दरबार में प्राप्त शिकायत/परिवाद पत्र पर किए गए अनुपालन की समीक्षा संबंधित पदाधिकारी से करते हुए निष्पादन की जानकारी ली गई साथ ही अभी तक निष्पादन से वंचित प्रत्येक मामलों की क्रमवार पृच्छा करते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा निष्पादन के लिए समय अवधि निर्धारित किया गया और निर्देश दिया गया कि निर्धारित समय अवधि में मामलों का निष्पादन संबंधित पदाधिकारी सुनिश्चित करेंगे। विद्युत स्पर्शाघात से 45 प्रतिशत दिव्यांग पीड़ित नबी हसन को विद्युत विभाग से प्रावधान अनुसार मुआवजा दिलाने हेतु कार्यपालक अभियंता विद्युत वितरण खंड गोपालगंज मोहम्मद इकबाल अंजुम को निर्देश दिया गया था। उनके द्वारा बताया गया कि प्रावधान अनुसार उक्त दिव्यांग बच्चे को दो लाख रुपए का भुगतान कर दिया गया है । जिस पर निर्धारित अवधि में मामले के निस्तारण पर जिला पदाधिकारी द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई ।साथ ही विद्युत विभाग से संबंधित अन्य मामलों में भी समय निर्धारित करते हुए निस्तारण के निर्देश दिए।

वहीं वाहन रजिस्ट्रेशन संख्या के एक अंक के भूल बस एम भी आई गोपालगंज द्वारा 68000 का चालान काटे जाने की जनता दरबार में शिकायत पर जांच कराते हुए पिकअप वाहन स्वामी को चालान राशि से मुक्त किया गया। राशन कार्ड नहीं बनने की शिकायत तेंदुआ प्रखंड बैकुंठपुर की निवासी आशा देवी क्या जांचोपरांत जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि इनका राशन कार्ड निर्गत कर दिया गया है। पुनः जिला पदाधिकारी द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उपस्थित सभी पदाधिकारी से कहा गया कि इस प्रकार मामलों के ससमय निस्तारण हो जाने से आम जनता का विश्वास बढ़ता है। अतः आप सभी विशेष ध्यान देकर मामलों का ससमय निस्तारण करायें। वहीं जिला पदाधिकारी द्वारा हरेंद्र कुवर और संतराम सेवानिवृत्ति चौकीदार के सेवांन्त लाभ को गंभीरता से लेते हुए अंचल अधिकारी बैकुंठपुर से बात कर सेवान्त लाभ देते हुए इसकी सूचना जिला पदाधिकारी को देने के निर्देश दिए। इस प्रकार जनता दरबार में प्राप्त कई मामले पूर्ण निष्पादित कराए गए कुछ मामले आंशिक निष्पादित और शेष मामलों को निष्पादन की प्रक्रिया में लायें जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके लिए जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारी को समय अवधि निर्धारित करते हुए निर्देश दिया गया कि निर्धारित समय अवधि में निस्तारण करना सुनिश्चित करें

नोडल पदाधिकारी लोक शिकायत राकेश चौबे द्वारा बताया गया कि जनता दरबार में प्राप्त अभी तक कुल 600 मामले में 496 मामले पूर्ण रूप से निष्पादित किए जा चुके हैं। वहीं शेष मामले निष्पादन की प्रक्रिया में अथवा आंशिक निष्पादित है बैठक में अपर

समाहर्ता, उत्पाद अधीक्षक अमृतेश कुमार, अपर परिवहन पदाधिकारी एस एन राजू, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद गोपालगंज राहुल धर दुबे, जिला आपूर्ति पदाधिकारी कैसर जमाल, जिला पंचायती राज पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार, नोडल पदाधिकारी लोक शिकायत सह निदेशक डीआरडीए , अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी-सह- सामान्य शाखा प्रभारी प्रशांत अभिषेक, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी शिक्षा विभाग आदि पदाधिकारीगण कार्यालय कक्ष में उपस्थित थे और अन्य संबंधित पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी प्रशांत कुमार द्वारा किया गया हथुआ अनुमंडल का औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

गोपालगंज (बिहार)- जिला पदाधिकारी गोपालगंज प्रशांत कुमार सी एच द्वारा हथुआ अनुमंडल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा अनुमंडल लोक शिकायत निवारण कार्यालय ,डी सीएलआर कार्यालय और अनुमंडल कार्यालय का औचक निरीक्षक किया गया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा कर्मियों की उपस्थिति पंजी एवं अन्य पंजीयों की विधिवत जांच की और उनके कार्यों की समीक्षा की।इसी क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा लोक शिकायत में आए हुए लोगों की समस्याओं की जानकारी लेते हुए उनके निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जिसमें मुख्य रूप से राशन कार्ड बनवाने और बिजली बिल अधिक आने की शिकायत के लिए संबंधित पदाधिकारी को जिला पदाधिकारी द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी के साथ अनुमंडल पदाधिकारी हथुआ अभिषेक कुमार चंदन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हथुआ आनंद मोहन गुप्ता, डीसीएल आर हथुआ वसीम अकरम, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्रीमती प्रियंका कुमारी आदि मौजूद थे।

सड़क हादसा में मदरसा जा रहे तीन बच्चे ट्रक की चपेट में आए, एक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात

बरही, झारखंड- बरही थाना क्षेत्र के कोनरा स्थित मदरसा तहफूजे इस्लाम के पास गुरुवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बालक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब तीन बच्चे सड़क पार कर मदरसे जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक संख्या जेएच 10 बीजे 3352 ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 13 वर्षीय मो. हसन पिता मो. इस्लाम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो अन्य बच्चे सैफ अली खान पिता मो. कयूम, ग्राम हराकुराह, थाना फतेहपुर और मो. सोहेब, पिता मो. कयूम, निवासी शादी मुहल्ला कोनरा निवासी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए उन्हें हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, तीनों बच्चे रोजाना की तरह मदरसा तहफूजे इस्लाम

कोनरा बरही में पढ़ाई के लिए जा रहे थे। स्थानीय लोगों ने घटना के बाद ट्रक चालक को पकड़कर बरही पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। मृतक बालक का पोस्टमार्टम बरही अनुमंडलीय अस्पताल में किया गया। इस सम्बंध में मृतक के चाचा मो. कलाम अंसारी पिता मो सेराज ने बरही थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और सड़क सुरक्षा के ठोस इंतजाम की मांग की है। इधर घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बरही थाना में सामाजिक कार्यकर्ता शरीफुल हक़ समेत अन्य लोग मौजूद थे।

श्री श्री 1008 नौ दिवसीय रुद्र महायज्ञ को लेकर डूमरडीह से निकली भव्य कलश यात्रा, बरही विधायक मनोज यादव हुए शामिल

● महायज्ञ से क्षेत्र में आती है सुख-समृद्धि- विधायक मनोज यादव

स्वतंत्र प्रभात

बरही, झारखंड- बरही प्रखंड के डूमरडीह गांव में श्री श्री 1008 नौ दिवसीय रुद्र महायज्ञ, शिव सह परिवार एवं हनुमत प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ बरही विधायक मनोज यादव ने किया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश महिलाओं को प्रदान कर जलभरण के लिए रवाना किया। इस दौरान गांव का वातावरण धार्मिक जयघोषों और भक्ति रस में डूबा रहा। कलश यात्रा में सैकड़ो की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, जिला परिषद सदस्या प्रीति गुप्ता, सद्भावना विकास मंच के अध्यक्ष राजसिंह चौहान, भाजपा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी, पूर्वी मंडल अध्यक्ष सह मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, भाजपा प्रदेश नेता रंजीत चंद्रवंशी, मुखिया प्रतिनिधि मुकेश कुमार राम, पंसस विकास सिंह सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक मनोज यादव ने इस धार्मिक आयोजन को समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश देने वाला बताया। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं।

महायज्ञ में बतौर जजमान के रूप में बैजनाथ यादव सपत्नी, अजय सिंह, रविंदर सिंह, अजय चंद्रवंशी, मुनेश्वर यादव, धनेश्वर यादव, ठाकुरी यादव, वंशी यादव, दिनेश चंद्रवंशी, चंदेश्वर यादव, रमेश यादव, दिलीप सिंह, नंदू सिंह, सत्रुधन यादव, बृंदा

सिंह, कैलाश सिंह और जनार्दन चंद्रवंशी आसीन रहे। पूरे विधिविधान से पूजा संपन्न कराने में पंडित अर्जुन पांडेय, शुभम पांडेय, शक्ति शास्त्री एवं उपेन्द्र पांडेय ने अपनी भूमिका निभाई।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष बैजनाथ यादव, उपाध्यक्ष शकर चंद्रवंशी, सचिव रामाधीन चंद्रवंशी, उपसचिव रविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष जीबलाल शर्मा, संयोजक बीरेंद्र शर्मा, जीबलाल राणा, झरी महतो, बीरेंद्र राणा, शंकर राम, लक्ष्मी सिंह, रामधनी राणा, कैलाश राम, रामाधीन राम, मुरली राम, लूकन राणा, धनुखी राम, पंकज राम, बाबूनी राम, सुकर महतो, लक्ष्मण यादव, तुलसी यादव, दिगंबर, उदय राम, प्रदीप राम, भीरगुनंदन यादव, कामाख्या सिंह, रामस्वरूप राम, नरेश राम, सुनील यादव, प्रभु राम, चंदन सिंह, विदेशी राम, चमन महतो, प्रमेशर ठाकुर, दुखी राम, मुनेष यादव, सूरज रविदास, द्वारिका भुइयां, जनार्दन राम, सहदेव महतो, रामदेव यादव, रामवृक्ष यादव, रामखेलावन राम, संतोखी सिंह सहित सैकड़ों महिला-पुरुषों का योगदान रहा।

उपायुक्त ने तम्बाकू एवं भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए चलाए गए अभियान की समीक्षा कर आवश्यक दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़, झारखंड- पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट एवं सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम, 2003÷ का जिले में हो रहे अनुपालन को लेकर समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देश के आलोक में हुई अनुपालन की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सदस्यों से कहा कि कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए उचित कदम उठाएं। सरकार की हिदायतों के अनुसार प्रसव पूर्व लिंग जांच करवाना कानूनी अपराध है। इसमें अगर किसी अल्ट्रासाउंड केंद्र की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। जिला सहायक नोडल पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि वर्तमान में जिला में 09 अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफी क्लिनिक कार्यरत हैं। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी कार्यरत क्लीनिक का नियमित निरीक्षण एवं अनुश्रवण अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित डीआईएमसी द्वारा किया जाए। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी कार्यरत क्लीनिक में लिंग परीक्षण से संबंधित नोटिस का साइनेज प्रदर्शित किया जाए। साथ ही उक्त साइनेज में अनुमंडल पदाधिकारी एवं सिविल सर्जन का मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया ताकि आम नागरिक अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफी क्लीनिक से संबंधित सूचना उपलब्ध करा सके।

उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि पाकुड़ जिला अंतर्गत बिना अनुज्ञप्ति के चलाए जा रहे अवैध अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफी या गैर- आक्रामक अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफ़ी क्लिनिक से संबंधित जानकारी प्राप्त होने पर इसके संबंध में

अनुमंडल पदाधिकारी एवं सिविल सर्जन को जानकारी उपलब्ध कराई जाए ताकि ऐसे क्लिनिक पर दंडात्मक कार्रवाई की जा सके। उपायुक्त पाकुड़ के द्वारा निर्देश दिया किया कि Schedule II की दवाओं का विक्रय चिकित्सक के दवा पर्ची के बिना नहीं किया जाए। इस संबंध में जानकारी औषधि निरीक्षक पाकुड़ के सहयोग से सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि कोटपा एक्ट 2003 के तहत सघन जांच अभियान चलाया जाए। कोटपा एक्ट 2003 के तहत जांच अभियान के दौरान उल्लंघनता से प्राप्त दंड राशि संबंधित बैंक खाता में जमा करना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त पाकुड़ के द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि विद्यालय एवं आंगनबाड़ी में तंबाकू से संबंधित जागरूकता कार्यशाला आयोजित करवाना सुनिश्चित करेंगे।

सदर अस्पताल पाकुड़ में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की दिशा में बड़ी पहल

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़, झारखंड- सदर अस्पताल पाकुड़ में विशेषज्ञ और अति-विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डॉक्टरों के पैनल निर्माण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों - स्त्री रोग विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक और हड्डी रोग विशेषज्ञ- ने अपनी सेवाएं सदर अस्पताल पाकुड़ में देने पर सहमति जताई है। इससे जिले के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतर सुविधा मिल सकेगी। चयन समिति की इस बैठक में सिविल सर्जन, उपाधीक्षक सदर अस्पताल, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, जिला आरसीएच पदाधिकारी, जिला भीबीडी पदाधिकारी, तथा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पाकुड़ भी उपस्थित रहे। प्रशासनिक स्तर पर इस पहल को स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा सुलभ हो सके।

हजारीबाग में चलंत लोक अदालत एवं विधिक जागरूकता अभियान का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

हजारीबाग, झारखंड- झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), हजारीबाग द्वारा चलंत लोक अदालत सह विधिक जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आज हजारीबाग जिले के सदर प्रखंड मुख्यालय, बेहरी पंचायत और गुरहेट पंचायत मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में मुख्य विधिक सहायता अधिवक्ता मुरली राणा और मध्यस्थ मनीष चंद्रा ने स्थानीय लोगों को कानून से जुड़ी अहम जानकारियाँ प्रदान कीं। मुरली राणा ने बताया कि डीएलएसए एक ऐसा मंच है जहाँ लोगों को निःशुल्क और त्वरित न्यायिक सहायता मिलती है। उन्होंने लोगों को प्रोत्साहित किया कि वे अपने छोटे-छोटे विवादों को सुलझाने के लिए डीएलएसए का सहारा लें, जहाँ आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से समाधान प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी भी साझा की गई कि अब आमजन टोल-फ्री नंबर 15100 के माध्यम से घर बैठे निःशुल्क कानूनी सलाह प्राप्त कर सकते हैं। मुरली राणा ने बताया कि सिर्फ एक आवेदन पत्र देकर कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या का समाधान पा सकता है और समय व धन की बचत करते हुए विवादों को शांतिपूर्वक सुलझा सकता है। मीडियेटर मनीष चंद्रा ने उपस्थित जनसमूह को बाल विवाह, भ्रूण हत्या, नशीली पदार्थों का सेवन और इसके दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इन सामाजिक बुराइयों से बचने की सलाह भी दी। कार्यक्रम को पंचायत के प्रमुख, मुखिया तथा अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। उन्होंने डीएलएसए द्वारा दी जा रही सुविधाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर पीएलवी विकास कुमार पांडेय, सन्नी कुमार विश्वकर्मा, विनोद कुमार, रंजीत कुमार, अनिल रंजन, मोहम्मद आरिफ समेत कई स्थानीय महिला-पुरुष उपस्थित थे।

सुरजबेड़ा पंचायत में संचालित योजनाओं का डीपीआरओ ने किया निरीक्षण, झरना कूप बना ग्रामीणों का सहारा

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़, झारखंड- जिला पंचायती राज पदाधिकारी (DPRO) प्रीतिलता मुर्मू ने लिट्टीपाड़ा प्रखंड के सुरजबेड़ा पंचायत अंतर्गत जीतालपुर गांव में संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भस्मक योजना एवं झरना कूप का स्थल भ्रमण कर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीपीआरओ ग्रामीणों से रूबरू हुई और उन्होंने स्थानीय समस्याओं को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पानी की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी, लेकिन अब झरना कूप उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

ग्रामीणों ने बताया कि गर्मी के दिनों में जब आसपास के स्रोत सूख जाते हैं, तब यही झरना कूप रोजाना करीब 200 लोगों की प्यास बुझा रहा है। पहले जहां पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं अब इस कूप के माध्यम से काफी राहत मिली है। डीपीआरओ ने झरना कूप की उपयोगिता की सराहना करते हुए इसके संरक्षण एवं नियमित देखभाल पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित विभागीय कर्मियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए,

ताकि ग्रामीणों को अधिकतम लाभ मिल सके। यह निरीक्षण न केवल योजनाओं की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन था, बल्कि प्रशासन की संवेदनशीलता और जन समस्याओं के प्रति प्रतिबद्धता का भी परिचायक रहा।

झारखंड सरकार और एसबीआई के बीच सैलरी पैकेज को लेकर हुआ एमओयू, राज्य कर्मियों को मिलेगा 1 करोड़ तक का बीमा लाभ

स्वतंत्र प्रभात

रांची, झारखंड- मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में वित्त विभाग, झारखंड सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के बीच राज्य सरकार के कर्मचारियों के सैलरी पैकेज को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया। यह एमओयू सरकारी कर्मचारियों को वित्तीय सुरक्षा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। समझौते पर वित्त विभाग की विशेष सचिव राजेश्वरी बी और भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक देवेश मित्तल ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव वंदना दादेल, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक (झारखंड-बिहार) के.बी. बंगारराजू और महाप्रबंधक प्रभाष बोस मौजूद थे।

बिना शुल्क के मिलेगा बीमा और बैंकिंग सुविधाओं का लाभ- इस एमओयू के तहत जिन सरकारी कर्मियों का वेतन खाता एसबीआई में है, उन्हें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक करोड़ रुपये तक का दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा और अन्य कई बैंकिंग सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

आर्थिक सुरक्षा की दिशा में नया अध्याय - मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन-

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज से सरकारी कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। सरकार सभी श्रेणी के कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सेवा काल के दौरान दुर्घटना में मृत्यु की स्थिति में कर्मियों के परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सरकारी कर्मियों को मिल रही आर्थिक सुरक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दूरदर्शी सोच और संवेदनशीलता के साथ कर्मियों की सुरक्षा के लिए कार्य कर रही है। आज हर व्यक्ति अपने परिवार की आर्थिक व स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर चिंतित रहता है। सरकार इसी चिंता को दूर करने के लिए यह कदम उठा रही है, उन्होंने कहा।

राज्य विकास में कर्मचारियों की भूमिका को बताया अहम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नीति निर्माण से लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन तक, कर्मचारी ही असली आधार होते हैं। उन्होंने कर्मियों से राज्यहित में ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों के निर्वहन का आह्वान किया।

सरकार और एसबीआई की साझेदारी से मिलेगा स्थायित्व और भरोसा

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि झारखंड जैसे पिछड़े राज्य में जब एसबीआई जैसी संस्थाएं सहयोग के लिए आगे आती हैं, तो इससे राज्य के प्रशासनिक तंत्र को स्थायित्व और भरोसा मिलता है। यह समझौता इसी भरोसे और भविष्य की साझेदारी की नींव है।

संक्षिप्त खबरें

पीड़ित परिवार को मिला 5 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग

सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम भगवानपुर के टोला चैनपुर निवासी आभूषण व्यवसायी सुनील वर्मा की विगत दिनों हुए दुर्भाग्यपूर्ण हत्या के उपरांत गुरुवार को सदर विधायक श्यामधनी राही ने पीड़ित परिजन को 5 लाख रुपए का चेक सौंप कर आर्थिक सहायता प्रदान किया । हाल ही में सदर विधायक श्यामधनी राही ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उक्त घटना की जानकारी दी थी जिसके पश्चात मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ ने घटना को तुरंत संज्ञान में लेते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने एवं पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग का भरोसा दिलाया था जिसके सापेक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अपने राहत कोष से पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है।जिसका चेक सदर विधायक श्याम धनी राही ने उपजिलाधिकारी सदर कल्याण सिंह मौर्य की मौजूदगी में परिजनों को सौंपा। इस दौरान पूर्व मण्डल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय, कंचन वर्मा, विजय चौरसिया, दूधनाथ यादव, ओमप्रकाश गुप्ता, राजेश मिश्रा, राजेश जायसवाल, अनुराग, बैतुल्लाह, घनश्याम, तीरथ राज वर्मा, प्रहलाद वर्मा, राधेश्याम वर्मा, प्रिंस वर्मा आदि मौजूद रहे।

न्यायालय ने लगाया 25 हजार का जुर्माना

जौनपुर जफराबाद।जलालपुर क्षेत्र के सादीपुर गांव के एक व्यक्ति पर गलत याचिका दायर करने को लेकर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।इस धन की वसूली डीएम के माध्यम से कराई जाएगी।उस पैसे को कोर्ट में जमा कराया जाएगा। सिरकोनी ब्लॉक के ऊक्त गांव निवासी ऊक्त व्यक्ति ने हाइकोर्ट में याचिका दायर किया।जिसमे उसने गांव में स्थित जूनियर हाइस्कूल के प्रबंधक उदयप्रताप सिंह पर राजमार्ग बनाते समय फर्जी कागजात के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रतिकर का भुगतान लिया गया है।यह मामला गलत निकला।इस लिए ऊक्त व्यक्ति पर कोर्ट ने 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

धर्म की रक्षा हेतु अवतार लेते हैं भगवान- झिलमिलजी महाराज

लालगंज (रायबरेली)। ऐहार गांव स्थित सुप्रसिद्ध बाल्हेश्वर महादेव मंदिर के निकट ऋषि आश्रम परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन कथा व्यास झिलमिलजी महाराज ने श्रीकृष्ण जन्म की दिव्य कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि जब-जब धरती पर पाप, अधर्म और अत्याचार बढ़ता है, तब धर्म की स्थापना और भक्तों की रक्षा के लिए भगवान स्वयं अवतार लेते हैं। कथा व्यास ने कहा कि भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण रूप में धरती पर जन्म लेकर अत्याचार का अंत किया और धर्म की पुनर्स्थापना की। श्रीकृष्ण के जन्म से जुड़ी कथा को उन्होंने भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि देवकी और वासुदेव के पुत्र रूप में जन्म लेकर, श्रीकृष्ण ने बचपन में ही असुरों का नाश करना शुरू कर दिया था। इस अवसर पर समुद्र मंथन, अजामिल चरित्र, तथा श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भी संगीतमय वर्णन हुआ। बालकृष्ण की झांकी देख श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठे। कथा में उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर होकर भक्ति में डूबे नजर आए। आयोजन में रज्जन गुप्ता, सत्यम गुप्ता, चौधरी यादव, टेनी महाराज, सतीश द्विवेदी, शिवबरन, रमेश माली, इंद्रनाथ त्रिवेदी, धुन्ना सिंह, राजेश साहू, राहुल पाल, घनश्याम सोनी, अंकित गुप्ता, शिवगोपाल गुप्ता, अनंतू गुप्ता समेत अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कानपुर आगमन के मद्देनजर एडीजी आलोक सिंह की मुख्य सचिव से वार्ता

कानपुर। पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 व मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन द्वारा प्रधानमंत्री, भारत सरकार नरेन्द्र मोदी के दिनांक 24.04.2025 को जनपद कानपुर नगर प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थल चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर व अन्य सम्भावित स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया गया। बाद निरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों के सम्बन्ध में शासन/प्रशासन के समस्त अधिकारियों के साथ समीक्षा गोष्ठी कर दिशा-निर्देश दिये गये। कार्यक्रम की तैयारियों के सम्बन्ध में अखिल कुमार, पुलिस आयुक्त, कानपुर कमिश्नरेट व आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा विस्तार से अवगत कराया गया।

कांशीराम सामुदायिक भवन पर नाम बदलने को लेकर नगर में मचा राजनीतिक घमासान, चर्चाओं का बाजार गर्म

स्वतंत्र प्रभात

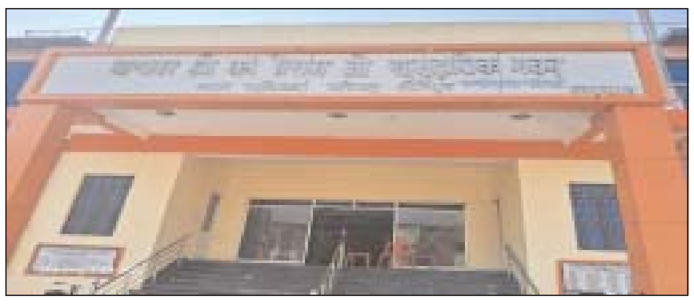

जौनपुर। जिले के कलेक्ट्रेट कचहरी से सटे कांशीराम सामुदायिक भवन पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष का नाम हटाकर वर्तमान अध्यक्ष का नाम अंकित किए जाने को लेकर नगर में सियासी हलचल तेज हो गई है। यह भवन वर्ष 2010 में बहुजन समाज पार्टी की सरकार के दौरान तत्कालीन नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश टण्टन के कार्यकाल में निर्मित कराया गया था। उस समय भवन के शिलालेख पर अध्यक्ष दिनेश टण्टन का नाम भी अंकित किया गया था। हाल ही में इस भवन पर टण्टन का नाम हटाकर वर्तमान नगरपालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य का नाम अंकित कर दिया गया है, जिससे नगरवासियों के बीच चर्चा का माहौल बन गया है। राजनीतिक गलियारों में इसे एक तरह से पूर्व की सरकार और उसके कार्यों को मिटाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इस संदर्भ में जब पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश टण्टन से दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया गया, तो उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, "यह कोई नई बात नहीं है। इस तरह के कार्य पहले भी किए गए हैं। यह गंदी सोच और गंदे राजनीति की मिसाल है। पहले के कार्यों को मिटाना और अपने नाम की माला पहनना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। यह पूरी तरह अशोभनीय कृत्य है।"

नगर में इस मुद्दे को लेकर दो गुट बन गए हैं—एक पक्ष इसे वर्तमान अध्यक्ष की उपलब्धि का प्रचार मान रहा है, तो दूसरा पक्ष इसे इतिहास से छेड़छाड़ और पूर्व कार्यों की अनदेखी करार दे रहा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या कोई नई योजना या पुनर्निर्माण कार्य हुआ है, जिसके तहत यह बदलाव किया गया है, या फिर यह केवल राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश है?

नगरपालिका प्रशासन की ओर से इस बदलाव के पीछे कोई आधिकारिक बयान अब तक सामने नहीं आया है। नगर के सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनीतिक विश्लेषकों और नागरिकों का मानना है कि इस तरह के बदलाव से जनता के बीच गलत संदेश जाता है। कोई भी भवन या योजना किसी पार्टी विशेष की नहीं, बल्कि जनता की संपत्ति होती है और उसमें किए गए योगदान का सम्मान किया जाना चाहिए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाता है और क्या पूर्व अध्यक्ष को उनका नाम पुनः भवन पर लौटाया जाएगा या यह मुद्दा महज चर्चा तक सीमित रह जाएगा।

नगर पंचायत द्वारा प्रत्येक वार्डो में डेंगू और मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु करवाई गयी फ़ांगिंग

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर जफराबाद। नगर पंचायत जफराबाद के द्वारा डेंगू और मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु प्रत्येक वार्डों में रोस्टर के द्वारा फागिंग करवाया गया। नगर पंचायत चेयरमैन उम्मे रहिला एवं ईओ विजय कुमार सिंह के निर्देश पर नगर पंचायत के प्रत्येक वार्डों में कर्मचारियों द्वारा बुधवार शाम को रोस्टर के द्वारा डेंगू और मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु फागिंग करवाया गया। सफाई सुपरवाइजर वेद प्रकाश और रिजवान की निगरानी में सभी वार्डों में शाम के पांच बजे के बाद फ़ांगिंग शुरू कर दी गयी। इसी क्रम में बुधवार शाम को भी वार्ड नासही, शेखवाड़ा, काजी अहमद नूर, दरीबा, ताड़तला सहित सभी वार्ड में फॉगिंग की गई। चेयरमैन उम्मे रहिला ने बताया कि कस्बे में डेंगू और मच्छर जनित रोग से बचाव हेतु वार्ड वाशियो के सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारियों की टीम लगाकर रोस्टर के द्वारा फ़ांगिंग करवाया जा रहा है। ईओ विजय कुमार सिंह ने कहा कि फ़ांगिंग के साथ- साथ दोनों पालियों में टीम द्वारा साफ- सफाई और कूड़ा निस्तारण लगातार किया जा रहा है।

निजी भूमि में मत्स्य पालन करने वाले 62 मत्स्य पालकों को मिलेगा लाभ

प्रतापगढ़। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण विकास कुमार दीपांकर ने बताया है कि मत्स्य विभाग में संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं में निजी भूमि में मत्स्य पालन करने वाले इच्छुक आवेदक के लिये विभागीय पोर्टल पर आनलाईन आवेदन करने हेतु 01 फरवरी से 28 फरवरी तक खोला गया था, इस अवधि में कुल 84 आवेदन प्राप्त हुये थे,जिसके चयन हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक में कुल प्राप्त 84 आवेदनों में 62 आवेदनों को चयन तथा 22 आवेदनों को मानक के अनुसार अभिलेख विभागीय पोर्टल पर अपलोड न करने एवं कार्यालय में भी उपलब्ध न कराने के कारण अस्वीकृत किया गया। 62 आवेदकों को इस योजना के माध्यम से लाभ प्रदान किया जायेगा जिससे इनके आय में वृद्धि होगी।

सूरज राय बनें एसपी बागपत, जिले में खुशी की लहर

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। मुफ्तीगंज ब्लाक के पेसारा गांव के मूल निवासी सूरज को बतौर पुलिस अधीक्षक बागपत में पहली पोस्टिंग मिलने पर परिजनों सहित जनपदवासियों में हर्ष का माहौल है। बचपन से पढ़ने लिखने में मेधावी सूरज राय इंजीनियर बनने का सपना संजोए हुए थे, इसके लिए उन्होंने ने एम.एम.एन. आई. टी इलाहाबाद में बीटेक करने के लिए प्रवेश लिया। लेकिन ईश्वर को शायद कुछ और ही मंजूर था । पहले सेमेस्टर के दौरान ही पुलिस विभाग में कार्यरत इनके पिता महेंद्र राय की एक जमीनी विवाद में केराकत ब्लॉक के अजोरपुर गांव में 31जुलाई 2009 हत्या कर दी जाती है । ऐसी परिस्थितियों मे जहां लोग बदले की भावना से ग्रसित होकर अपराध का दामन थाम लेते हैं, वही सूरज राय ने विपरित परिस्थितियों में विचलित होने के बजाय इन परिस्थितियों को अपनी ताकत बनाया और बीटेक करने के बाद 2018 में यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठापरक परीक्षा में 117 वीं रैंक हासिल कर यूपी कैडर के आईपीएस बनने का गौरव हासिल करने में सफलता प्राप्त की । सूरज राय का व्यक्तित्व प्रतियोगी परीक्षा हो या सामाजिक जीवन की परीक्षा दोनों ही युवाओं की सफलता के लिए प्रेरणास्रोत है।

मालूम हो कि सूरज राय के बड़े भाई आनन्द राय 'एडवोकेट' सिविल कोर्ट में अधिवक्ता हैं और दूसरे बड़े भाई सौरभ राय मुम्बई में आयकर आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। श्री राय को बागपत का एसपी बनाये पर

उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा है। इस मौके पर डा. पवन कुमार राय, उपेन्द्र राय एडवोकेट, आलोक राय, पत्रकार विद्याधर राय विद्यार्थी, बलवंत राय, कमलेश पाण्डेय, अनिल कुमार गुप्ता, बलिराम दूबे, अवनीश पाठक आदि ने खुशी जाहिर किया है।

मनोन्याय- मानसिक रोगियों के लिए जनपद में गठित इकाई द्वारा मानसिक रोगी को उपलब्ध करायी गयी सहायता

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली, उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में गठित इकाई लीगल सर्विस यूनिट फॉर पर्सन मेन्टल इलनेस एण्ड पर्सन्स विद इन्टेलेक्च्यूयेल डिसीबिलीटीस (मनोन्याय) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के अधीन इकाई के सदस्य, जय सिंह यादव डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल, रायबरेली के द्वारा 05 अप्रैल 2025 को मानसिक रुप से पीड़ित एक व्यक्ति को डिग्री कालेज चौराहे के समीप देखा गया था जो कि निर्वस्त्र अवस्था में सड़क पर घूम रहा था। इस सम्बन्ध में सदस्य द्वारा समिति के अध्यक्ष अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को लिखित में सूचना दी गयी। तद्परांत मानसिक रुप से पीड़ित व्यक्ति के बारे मे कोतवाली सदर को भी अवगत कराया गया। कोतवाली पुलिस के सहयोग से अज्ञात पीड़ित व्यक्ति को पहनने के लिए कपड़े उपलब्ध कराये गये तथा परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय, रायबरेली ले जाया गया। उक्त लिखित प्रार्थनापत्र पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विस्तृत आदेश उक्त इकाई मनोन्याय के अन्तर्गत मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के प्रकाश में अज्ञात मानसिक रुप पीड़ित व्यक्ति की देखभाल एवं मानसिक परीक्षण हेतु थानाध्यक्ष कोतवाली को आदेशित किया गया। उक्त आदेश के प्रकाश में थानाध्यक्ष द्वारा पीड़ित व्यक्ति की उचित देख-रेख एवं इलाज हेतु मानसिक चिकित्सालय वाराणसी भेजने के संदर्भ में समस्त जाँच एवं परामर्श आख्याये जिला चिकित्सालय, रायबरेली से प्राप्त करने के उपरांत उचित प्रार्थनापत्र को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रायबरेली के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिस पर विचारोपरांत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रायबरेली के द्वारा मानसिक रुप से अज्ञात पीड़ित व्यक्ति को मानसिक चिकित्सालय, वाराणसी में दाखिल करने के सम्बन्ध में थानाध्यक्ष कोतवाली को आदेशित किया गया। मानसिक पीड़ित व्यक्ति को मानसिक चिकित्सालय, वाराणसी में आज दाखिल किया गया। उक्त इकाई जिले में मानसिक रुप से पीड़ित व्यक्तियों विधिक सहायता उनके अधिकारों के संदर्भ में उपलब्ध कराने के लिए बनायी गयी है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नं0- 15100 पर कोई भी मानसिक रुप से पीड़ित व्यक्ति के सम्बन्ध में सम्पर्क किया जा सकता है।

किसने की मांगों को लेकर किसान यूनियन द्वारा जिला अधिकारी को सोपा गया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशन के नेतृत्व में किसानों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर किसानों ने गेहूं के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की मांग की है। उनका कहना है कि वर्तमान बाजार भाव को देखते हुए प्रति कुंतल 200 रुपए का बोनस मिलना चाहिए। बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए किसानों ने कहा कि कर्मचारी गलत मीटर रीडिंग कर रहे हैं। रीडिंग सही करने के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। किसानों ने इस पर कार्रवाई की मांग की है। जिले में एक बड़ी समस्या झोलाछाप पशु चिकित्सकों की है। झोलाछाप डॉक्टरो से गलत इलाज से दूधारू पशुओं की हो रही मौत। किसानों ने झोलाछाप डॉक्टरों पर तत्काल कार्यवाही करने की मांग की है। आवारा पशुओं की समस्या से भी किसान परेशान हैं। गौशालाएं खाली पड़ी हैं और पशु खेतों में घूम रहे हैं। किसानों ने गौशालाओं की जांच कर आवारा पशुओं को वहां भेजने की मांग की है। बजाज ग्रुप पर गन्ना किसानों का करोड़ों रुपए का बकाया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार 14 दिन में ब्याज सहित भुगतान होना चाहिए। किसानों ने इस बकाए के भुगतान की मांग की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

जौनपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मखदूम शाह अढ़न स्थित एक दुकान में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम की कार्यवाही करने के साथ जांच पड़ताल में भी जुट गई है। सूत्रों के मुताबिक शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला ख्वाजगी टोला निवासी साहिल उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र लल्लन कुरैशी मोहल्ला अर्जन बड़ी मस्जिद अपनी मौसी के यहां रहकर मखदूम शाह अढ़न मोहल्ला स्थित दुकान पर कामकाज किया करता था। घटना बुधवार रात्रि लगभग 10ः00 बजे की बताई जा रही है कि जिस दुकान में वह काम करता था उसी दुकान के अंदर वह अचेतावस्था में पड़ा था। किसी तरह जानकारी होने पर क्षेत्रीय लोग उसे ऑटो में रखकर उसकी मौसी के घर लेकर पहुंचे और उसे उतारने लगे। तभी उसकी मौसी समेत परिवार के अन्य लोगों ने नीचे उतारने का विरोध करने लगे।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर में गुरुवार की सुबह एक तेज रफ्तार दुध की टैंकर ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे गंभीर हालत में समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर किया गया है। घटना जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र के भट्टी चौक के पास की है। मृतक की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मधुरपुर टारा वार्ड 14 निवासी नीतीश कुमार (32) के रूप में हुई है। वहीं जख्मी की पहचान संतोष कुमार के रूप में हुई है। इस हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने शव के साथ मुआवजे की मांग को लेकर चार घंटे से अधिक समय तक दरभंगा-समस्तीपुर मुख्य सड़क पर जाम कर आवागमन बाधित कर दिया। सड़क जाम की वजह से वाहनों की लंबी कतार लगी रही। जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई। इस दौरान लोगों ने टैंकर पर हमलाकर उसे क्षतिग्रस्त

कर दिया मृतक के परिजनों ने बताया कि नीतीश शौचालय निर्माण के लिए रिंग बनाने का काम करता था और वह अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उसके तीन बेटियां और एक बेटा हैं। इस मामले में चकमेहसी थानाध्यक्ष संतोष यादव ने बताया कि दुध की टैंकर ठोकर से एक युवक की मौत हो गयी। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया। सुचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और लोगों को समझा बुझाकर सड़क जाम हटवाने का प्रयास कर रही है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

● सरायख्वाजा के जपटापुर मे आधी रात को हुई घटना

सीसीटीवी फुटेज से आरोपी स्कॉर्पियो की हुई पहचान

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जपटापुर बाजार के पास बुधवार की रात स्कार्पियो की तेज रफ्तार ने बाईक सवार दो युवको की जान ले ली।पुलिस ने दोनो शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । घटना से गांव में कोहराम मचा हुआ है। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सन्दहां गांव का निवासी प्रतिक गौतम (38) अपनी मोटरसाइकिल से अपने मित्र मुडैला गांव का निवासी प्रवेश(36) के साथ बुधवार शाम मोटरसाइकिल से खेतासराय थाना क्षेत्र के एदतमादपुर में अपने मित्र के घर किसी कार्यक्रम में शामिल होने गया था। देर रात करीब 11 बजे दोनों मित्र मोटरसाइकिल से घर के लिए जब निकले। इसी दौरान करीब पौने बारह बजे जौनपुर शाहगंज मार्ग स्थित जपटापुर बाजार के समीप पहुंचे थे और घर की तरफ मुड़ रहे थे इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही स्कार्पियो न्यू है टक्कर मारते हुए फरार हो गई स्कॉर्पियो से टक्कर लगने से बाईक समेत सड़क के पर गिर पड़े। और गंभीर रूप से घायल हो गए।

काफी संख्या में लोग जुट गए और मौके पर पीछे से आ रहे प्रवेश का भाई पर प्रवीण भी पहुंच गया। घटना के बाद भाग रहे स्कॉर्पियो को रोकने का प्रयास किया लेकिन वह फरार हो गई । दोनों घायल युवको को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गया । चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद दोनों युवक

को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर होते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई ।रोते बिलखते परिजन आनन-फानन जिला अस्पताल पहुंचे । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बृहस्पतिवार को परिजनों ने सरायख्वाजा पुलिस को तहरीर दी जिसमें आरोपी स्कॉर्पियो का नंबर सहित लिखित दिया। थाना प्रभारी विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि दोनो मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मढिया बाजार में बनाए गए गोदाम में संचालित खाद एवं कीटनाशक की दुकान को जिला कृषि अधिकारी ने किया सील

मितौली-खीरी। जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी ने मितौली के कल्लिया रामपुर गांव ग्राम पंचायत स्थित मढिया बाजार में बनाए गए गोदाम में संचालित खाद एवं कीटनाशक की दुकान को सील कर दिया। यह कार्रवाई जिले के सैकड़े फुटकर कृषि विक्रेताओं की शिकायत पर की गई, जिसमें कहा गया था कि हरगांव चीनी मिल के कर्मचारी गांव-गांव जाकर खाद और कीटनाशक बेच रहे हैं। जिससे उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है शिकायत की जांच के लिए जिला कृषि अधिकारी के साथ कृषि रक्षा अधिकारी कार्यालय की टीम मौके पर पहुंची। जांच में पाया कि जिस लाइसेंस पर दुकान चलाई जा रही थी उसमें दुकान की चौहद्दी अंकित नहीं थी साथ ही मांगे गए जरूरी अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराया जा सके। इसके बाद गोदाम को सील कर संबंधित के खिलाफ नोटिस जारी करने की बात कही गई। ग्रामीण क्षेत्रों में बिना लाइसेंस और बिना नियत स्थान के बिक्री करना नियमों के खिलाफ है। व्यापारियों को कहना है कि मिल कर्मचारी भ्रम फैलाकर गुणवत्ताहीन उत्पाद बेच रहे हैं, जिससे किसानों को उत्पादन में नुकसान हो रहा है।

जंगल से भटककर गांव में घुसा घायल बारहसिंघा

● वन विभाग की टीम ने रेस्क्यु कर जंगल में छोड़ा

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली) कोतवाली क्षेत्र के उमरामऊ गांव में बृहस्पतिवार को जंगल से भटककर एक बारहसिंघा गांव में घुस आया। जिससे गांव में अफरा तफरी मच गई। कुत्तों के हमले से बारहसिंघा के शरीर पर कई जख्म हो गए थे। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने बारहसिंगा को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया। जहाँ इलाज के बाद उसे जंगल में छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह करीब छः बजे एक बारहसिंघा भटक कर गांव आ गया। जिसे कुत्तों ने दौड़ा लिया। कुत्तों से बचने के लिए बारहसिंघा मोहित सिंह के घर में जाकर घुस गया और छिप गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर

पहुंची। सेक्शन अधिकारी अंकित सिंह, बीट प्रभारी विजय कुमार वर्मा, वॉचर अमर बहादुर ने ग्रामीणों की मदत से उसे रेस्क्यू किया। घायल बारहसिंघा को डलमऊ पशु चिकित्सा केन्द्र ले जाया गया। वहां उसका इलाज हुआ। इलाज के बाद उसे माधवपुर जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया है। क्षेत्रीय वन अधिकारी रविशंकर ने बताया कि बारहसिंघा जंगल से भटक कर गांव पहुंच गया था। कुत्तों के हमले से वह घबरा गया और भागता हुआ घर में एक घर मे घुस गया। समय रहते उसे सुरक्षित पकड़ लिया गया और उपचार के बाद जंगल में छोड़ दिया गया है।

धर्मशाला व पक्का तालाब को संरक्षित कराने की मांग

स्वतंत्र प्रभात

लालगंज (रायबरेली)। अखिल भारतीय वैश्य एकता व दोसर वैश्य समाज ने बृहस्पतिवार को एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा। नगर की काशी धर्मशाला व पक्का तालाब को पूर्ववत संरक्षित कराए जाने की मांग की। एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी को सौंपे गए ज्ञापन में समाज के लोगों ने बताया कि काशी धर्मशाला व काशी तालाब (पक्का तालाब) लगभग 110 वर्षों से नगर की ऐतिहासिक धरोहर है। शुरू से ही धर्मशाला और तालाब का संरक्षण व संचालन दोसर वैश्य समाज करता चला आ रहा है। धर्मशाला में आज भी सार्वजनिक कार्यक्रम, मेलों और धार्मिक आयोजन होते हैं। समाज के लोग इसे वैवाहिक आयोजनों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के लिए उपयोग में लाते हैं। इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समेत विभिन्न संगठनों की बैठकों का भी यह स्थान केंद्र रहा है। यहां पर सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय की भी शुरुआत की गई थी। समाज के लोगों का आरोप है कि कुछ दिन पहले नगर पंचायत अध्यक्ष के पति व कांग्रेसी नेता ने तालाब और धर्मशाला की साफ सफाई के नाम पर समिति से चाभी मांग ली। आरोप है कि साफ सफाई के न कराकर बिना समिति के लोगों से सहमति लिए तालाब की सीढ़ियों को तोड़ फोड़ शुरू दिया और प्लास्टर के नाम पर लीपा पोती की। तालाब की एक तरफ की चहारदीवारी तोड़कर सहन को कम करने का प्रयास किया गया। जिससे समाज मे आक्रोश है। वैश्य समाज के विरोध करने पर नगर पंचायत को काम रोकना पड़ा। उन्होंने बताया कि काशी धर्मशाला व काशी तालाब दोसर वैश्य समाज की संपत्ति है। जिसका संरक्षण और संचालन दोसर वैश्य समाज करता है। समाज ने प्रशासन से

ऐतिहासिक धरोहर पर किसी अन्य का हस्तक्षेप न किया जाना सुनिश्चित कराने की मांग की है। इस मौके पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के अध्यक्ष सतीश महाजन, संरक्षक अनिल गुप्ता, दोसर वैश्य समाज के अध्यक्ष नागेंद्र गुप्ता, विमल गुप्ता, गोपाल जी गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, दीपेंद्र रस्तोगी, बऊवन, कृष्णा गुप्ता, पुष्कर गुप्ता, तुषार गुप्ता, राहुल अग्रहरि समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

धौरहरा मे कागजों पर चल रहा आईटीआई कालेज

● कक्षप गति से चल रहा भवन निर्माण अभी अधूरा पड़ा है भवन

जिले से संचालित हो रहा आर टीआई कालेज

स्वतंत्र प्रभात

धौरहरा खीरी–गाँजर क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से धौरहरा क्षेत्र में शासन द्वारा आईटीआई कालेज की स्वीकृति की गयी थी। करीब बारह साल पहले शासन ने बजट स्वीकृत कर धौरहरा क्षेत्र के टेगनहा गांव के पास भवन निर्माण शुरू करवा दिया था। परन्तु बारह साल बीत जाने के बाद भी भवन बन कर तैयार नहीं हो सका है । युवा पढ़ने के लिए जिला मुख्यालय सहित आसपास के जिलों में पढ़ाई करने को विवश हैं।

आलम यह है कि यहां के युवाओ को प्रशिक्षण के लिए जिला मुख्यालय जाना पडता है । जबकि अधिकारी कार्यदाई संस्था की जिम्मेदारी बता कर अपना दामन बचा रहे हैं । वर्ष 2008 मे धौरहरा सिसैया मार्ग के टेगनहा गांव के पास आईटीआई कालेज का निर्माण शुरू होने से क्षेत्र के युवाओं में एक खुशी की लहर दौड़ गई थी कि उन्हें भी अब अपने पड़ोस मे ही रोजगार परक शिक्षा मिलेगी। परन्तु उनका यह सपना सपना ही रह गया । बारह साल बीत जाने के बाद भी पढाई तो छोड स्कूल का भवन भी बनकर तैयार नही हो सका है। जिले के अधिकारी अपना दामन बचाने के लिए कुछ छात्रों का नामांकन दिखा कर

कालेज को जिले पर संचालित होने का दम्भ भर रहे है।जबकि स्थति यह है कि इलाके के अधिकतर युवाओं को धौरहरा मे आईटीआई कालेज होने की जानकारी ही नहीं है । क्षेत्र के युवा रोजगार परक शिक्षा के लिए मुख्यालय सहित आसपास के जनपदों की ओर पलायन कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

खेत में लगा झटका मशीन उड़ा ले गए चोर

महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रतनपुर में सब्जी के खेत में लगा झटका मशीन चोरी हो गया। वहीं जब सुबह खेत में जब किसान पहुंचा तो झटका मशीन गायब देखकर हैरान रह गया। जानकारी के मुताबिक उपरोक्त थाना क्षेत्र के रतनपुर खास निवासी शिवसरन साहनी पुत्र रामदवन गांव से दक्षिण अपने खेत में सब्जी लगाया है। सब्जी के खेत को जानवरों से बचाने के लिए पांच हजार पांच सौ रूपए का झटका मशीन खरीदकर लगाया था। शनिवार की रात चोरों ने खेत में झटका मशीन चुरा लिया। सुबह जब शिवसरन खेत पहुंचा तो देखा झटका मशीन गायब है। शिवसरन ने आस-पास के लोगों से खेत में लगा झटका मशीन को लेकर पूछताछ किया लेकिन कहीं कोई अता-पता नहीं चला। शिवसरन ने नौतनवां पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर खोजबीन की मांग की है।

मारपीट गाली गलौज व धमकी के मामले में एक अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना अन्तू पुलिस द्वारा मारपीट गाली गलौज व धमकी के अभियोग से सम्बन्धित वांछित एक अभियुक्त को थाना अन्तू क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बहेलियापुर से गिरफ्तार किया गया।थाना अन्तू के ग्राम बहेलियापुर में वादी के आम के पेड़ से आम तोड़ लेना एवं वादी व वादी परिजनों के साथ आरोपीगणों द्वारा मारपीट, धमकी, गाली गलौज करने के प्रकरण में वादी की प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अन्तू में 04 नामजद अभियुक्तों अभियोग पंजीकृत किया गया था।थाना अन्तू प्रभारी निरीक्षक आनन्द पाल सिंह के नेतृत्व में उप निरीक्षक शुभनाथ साहनी मय हमराह द्वारा गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर थाना अन्तू में दर्जी मु0अ0सं0 209/2018 धारा 323/504/506/427/452/435/382 भादवि से संबंधित वांछित अभियुक्त उमेश पुत्र भगौती निवासी ग्राम बहेलियापुर थाना अंतू जनपद प्रतापगढ़ को ग्राम बहेलियापुर से गिरफ्तार किया गया ।

दुष्कर्म अपहरण पॉक्सो एक्ट के अभियोग में बाल अपचारी गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना पट्टी पुलिस द्वारा दुष्कर्म, अपहरण व पाक्सो एक्ट के अभियोग से संबंधित एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी द्वारा वादिनी की पुत्री का अपहरण कर दुष्कर्म करने के संबंध में थाना पट्टी पर मु0अ0स0 33/25 धारा 137(2), 65 (1), 87 बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था।थाना प्रभारी पट्टी निरीक्षक अवन कुमार दीक्षित के नेतृत्व में उप निरीक्षक लक्ष्मीकांत सेंगर मय हमराह हे0का0 ऊधम सिंह, का0 पंकज कुमार यादव द्वारा मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर अन्तर्गत धारा 137(2), 65 (1), 87 बीएनएस से संबंधित एक बाल अपचारी को थाना क्षेत्र के ग्राम धनगढ़ सराय छिवलहा रसुलहा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया।

नि:शुल्क कॉक्लियर इम्प्लांट सुविधा का उठाए लाभ:डीएम

5 आयु वर्ग के श्रवण बाधित बच्चों के लिए उम्मीद की किरण बना कॉक्लियर इम्प्लांट

देवरिया 17 अप्रैल। जिले में मूक-बधिर बच्चों के सशक्तीकरण हेतु जिला प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के माध्यम से ऐसे मूक-बधिर बच्चों, जो जन्म से बोल और सुन नहीं सकते हैं, को सुनने एवं बोलने योग्य बनाने के लिए नि:शुल्क कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की सुविधा प्रदान की जा रही है। यह सुविधा 5 वर्ष तक की आयु के उन बच्चों के लिए है, जिनके अभिभावक निर्धन और असहाय हैं।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बताया कि योजना का उद्देश्य ऐसे बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना है, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष में अब तक 15 बच्चों का कॉक्लियर इम्प्लांट सफलतापूर्वक कराया जा चुका है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

जिलाधिकारी ने अपील की है कि जिन भी अभिभावकों के बच्चे इस श्रेणी में आते हैं, वे आगे आकर योजना का लाभ उठाएं। यह प्रयास समाज के ऐसे बच्चों को एक नई दिशा देने का माध्यम है।

एसएसबी व पुलिस ने किया बार्डर पर संयुक्त गस्त

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज। सशस्त्र सीमाबल के 22वीं वाहिनी कमाण्डेन्ट शक्ति सिंह ठाकुर के निर्देशन में बुधवार को सोनौली कोतवाली क्षेत्र के भगवानपुर सशस्त्र सीमाबल के जवान व पुलिस की संयुक्त टीम ने घुसपैठियों व तस्करों पर नकेल कसने के लिए सीमावर्ती क्षेत्र में गस्त कर ग्रामीणों को सुरक्षा का एहसास कराया। समवाय भगवानपुर के कार्यक्षेत्र में पुलिस के साथ संयुक्त टीम ने सीमा स्तंभ संख्या स्तंभ संख्या 515/21 पर गस्त किया। खुली सीमा होने के कारण घुसपैठियों का खतरा ज्यादा रहता है। इसके साथ ही तस्कर बडे पैमाने पर तस्करी को अंजाम देते हैं। जिसको लेकर पुलिस और एसपी के जवानों ने सीमा पर पैदल कष्ट कर सुरक्षा का एहसास कराया।

इस दौरान 22वीं वाहिनी भगवानपुर निरीक्षक कुलदीप तिवारी, भगवानपुर पुलिस चौकी इंचार्ज अमित रंजन सिंह के साथ तमाम एसएसबी व पुलिस के जवान मौजूद रहे।

सीडीओ ने निर्माणाधीन पाईप्ड पेयजल योजना की समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा विकास भवन में की गयी। निर्माणाधीन पाईप्ड पेयजल योजनाओं की समीक्षा के दौरान सीडीओ ने निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पाईपलाईन बिछाते समय क्षतिग्रस्त मार्गो को अविलम्ब मरम्मत कराया जाय जिससे जनसामान्य का आवागमन सुचारू रूप से हो सके। इसके अतिरिक्त पूर्ण पेयजल योजनाओं में नियमानुसार जलापूर्ति सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये गये। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत आईएसए द्वारा कराये गये कार्यो के सन्दर्भ में योजना के प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियन्ता जलनिगम तौसीफ अहमद, सहायक अभियन्ता हिमांशु केसरवानी, डीपीएमयू आई0एस0ए0क्कार्डिनेटर एवं आईएसए प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री ब्रिजेश पाठक ने ली स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

●स्वास्थ्य मंत्री द्वारा सीयचसी अस्पताल का निरीक्षण कर

मौसमी बीमारियों की रोकथाम और उचित इलाज हेतु दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

खजनी गोरखपुर उपमुख्यमंत्री , स्वास्थ्य मंत्री ब्रिजेश पाठक ने आज हरनही सीयच सी अस्पताल के वैठक हाल में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली । इस दौरान स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई एवं विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पाठक ने राज्य में मौसमी बीमारियों की रोकथाम और उचित इलाज के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी कार्रवाई की जा सके। सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए हैं। आपात स्थितियों में बेहतर और त्वरित उपचार प्रदान करने के लिए अस्पतालों में सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं साथ ही कहा है कि मरीजों को किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सभी अस्पतालों में साफ-सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं ताकि संक्रमण फैलने की संभावना को कम किया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने सभी संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करें और राज्य के नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए विशेष जोर दिया और अधिकारियों को नियमित निरीक्षण एवं त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति, चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता, दवाओं की आपूर्ति एवं अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की।

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से प्राचार्य मेडिकल कॉलेज गोरखपुर डॉक्टर राजेश झा सीएमओ डॉ अरुण चौधरी डिप्टी सीएम ओ डॉक्टर गणेश यादव एसीएमओ डॉ ए के सिंह डिप्टी सीएम ओ डॉक्टर अश्विनी चौरसिया डिप्टी सीएम ओ डॉक्टर एसके मिश्रा डिप्टी सीएम ओ डॉ प्रदीप त्रिपाठी जुमराती अहमद आशीष अशोक सिंह सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के पहले उपमुख्यमंत्री गाजर नरसिंह गांव में दयाशंकर राम त्रिपाठी के आवास पर मांगलिक कार्यक्रम में पहुंचकर दो बटुको को आशीर्वाद देने के उपरांत सभी प्रदेश मंडल जिला के वरिष्ठ नेताओं पदाधिकारी एवं आम जनता से मिलकर सबका हालचाल लिए इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष हरकेश राम त्रिपाठी उनके अनुज पवन त्रिपाठी बुके देकर स्वागत की इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला मनोज तिवारी अभिनेता सांसद डॉ कुमार विश्वास कैलाशानंद गिरि जी महामंडलेश्वर आचार्य प्रमोद कृष्ण जी उपेंद्र राय भारत एक्सप्रेस न्यूज़ चैनल के मालिक राजेश्वर सिंह विधायक सांसद रवि किशन शुक्ला संजय निषाद राष्ट्रीय अध्यक्ष निषाद पार्टी धर्मेंद्र सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष जिला अध्यक्ष जनार्दन तिवारी देवेंद्र प्रताप सिंह एमएलसी फतेह बहादुर सिंह विधायक महेंद्र पाल सिंह विधायक प्रदीप शुक्ला विधायक राजेश त्रिपाठी विधायक श्रीराम चौहान संत प्रसादपुर विधायक ब्लॉक प्रमुख दुबे ब्लॉक प्रमुख पूजा सिंह कौशिक ब्लॉक प्रमुख अंशु सिंह पूर्व सभासद संतोष राम त्रिपाठी विनोद पांडे जगदंबा शुक्ला रामपाल सिंह उपस्थित रहे।

तरुण चेतना द्वारा आयोजित कार्यशाला में कन्या भ्रूण हत्या रोकने पर चर्चा

●क्या मिलेगा कोख में बेटी को मार कर-नसीम अंसारी

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। यूपीसीइजी व फावा नेटवर्क के निर्देशन में तरुण चेतना द्वारा गुरुवार को राजकीय बालिका इंटर कालेज पट्टी में कन्या भ्रूण हत्या व गिरते लिंगानुपात पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें पीसीपीएनडीटी एक्ट व उसके सामाजिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।इस अवसर पर तरुण चेतना के निदेशक नसीम अंसारी ने चर्चा की शुरुआत की कि क्या मिलेगा कोख में, बेटी को मार कर और बताया कि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश का लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 912 महिलाएं थी किन्तु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट के कड़ाई से पालन होने के कारण 2021 में नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे- 05 की रिपोर्ट के अनुसार प्रति 1000 पुरुषों पर 1017 महिलाएं हो गई। निदेशक अंसारी ने जेंडर भेदभाव पर चर्चा करते हुए कहा कि कोई अनहोनी होने पर बेटियों पर ही अंकुश लगाया जाता है जबकि इसके जिम्मेदार लड़कियां ही नहीं होती हैं।हमें आगे बढ़कर इस तरह की सोंच पर रोक लगानी होगी जिससे लड़कियों की शिक्षा व उनका विकास बाधित न हो सके।

इस अवसर पर कालेज की शिक्षिका अर्पणा देवी ने कहा कि बेटियों को अपने अन्दर हिम्मत जगाना होगा तभी हम बेटियों और महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा का सामना डट कर सकते है। कालेज की उप प्रधानाचार्या अर्चना भारद्वाज ने कहा की बेटियाँ यदि शिक्षित होगी तभी वह अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होगी और जागरूकता से ही बेटियाँ अपनी पहचान और सम्मान पा सकती है।तरुण चेतना के रिसर्च आफिसर श्याम शंकर शुक्ल ने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा हथियार है जिससे समाज में सशक्तिकरण लाया जा सकता है इसलिए बालिकाओं की शिक्षा अति आवश्यक है।इसी क्रम में तरुण चेतना के सह निदेशक हकीम अंसारी ने कहा की बेटियों को चांद की तरह नम नहीं सूरज की तरह तेज होना चाहिए जिससे कोई उनका सामना न कर सके।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने कन्या भ्रूण हत्या न करने व इसे रोकने की शपथ ली द्व इस अवसर पर कालेज की शिक्षिका कंचन मिश्रा,पुष्पा वर्मा,पूजा गुप्ता,रीना,रेनू गुप्ता एवं तरुण चेतना की एफ एफ हुसनारा बानो और शहीद अहमद आदि उपस्थित रहे।

पांच साल की बिटिया ने शुरू किया कुरान तिलावत

स्वतंत्र प्रभात

गोलाबाजार गोरखपुर गोला उपनगर के वार्ड नंबर 6 निवासी सुबी परवीन की बिटिया इज्मा पांच साल की उम्र में इज्मा जश्ने कुरान की तिलावत शुरू किया है।परिवार को है बिटिया पर भारी नाज, है।

प्राप्त बिबरण के अनुसार भीखीगंज कस्बे में रहने वाली इज्मा जश्ने कुरान की तिलावत के साथ नूरी जश्न का शुभारंभ किया। वार्ड नंबर 6निवासी सूबी परवीन की पांच साल की बिटिया इज्मा कुरान पढ़ना शुरू कर नाजरा मुकम्मल कर लिया।

लड़की की इस कामयाबी से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। लड़की की मां सूबी परवीन ने बताया कि ईजमा बड़ी मेहनत करके कुरान पढ़ा है उन्होंने बताया कि हुजूर सल्लालाहो ओसल्लम ने फरमाया कि अपने बच्चों की तीन चीज का ज्ञान सिखाओ पहला पैग़म्बरे इस्लाम से मोहब्बत करना दूसरा अहले बेत से मोहब्बत करना और तीसरा कुरान पढ़ना। इस मौके उसकी मां ने कहा कि हर मां बाप को चाहिए कि वो अपने बच्चों को कुरान की तालीम दे और अच्छे संस्कार सिखाए। उन्होंने कहा कि जिस घर में अच्छे तालीम और नेक मां बाप हो वो घर तहजीब और इंसानियत की यूनिवर्सिटी से कम नहीं होता है।और आगे कहा कि औरतें और लड़कियां किसी की सल्तनत नहीं बल्कि इस्लाम की रानियां और शहजादीया होती है। इस मौके पर बधाई देने वाले का जमावड़ा लग गया।

गैर इरादतन हत्या के मामले में एक अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। थाना सांगीपुर पुलिस द्वारा तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर गैर इरादतन हत्या के प्रकरण में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। मंगलवार को थाना सांगीपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम गडहा के पास एक अज्ञात चार पहिया वाहन चालक द्वारा तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए अन्य वाहन में टक्कर मारकर भाग गया,जिसमें एक महिला की तत्काल मृत्यु तथा एक व्यक्ति की ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। घटना के संबंध में वादी की प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सांगीपुर में अज्ञात के नाम अभियोग दर्ज किया गया था। थाना सांगीपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में उप निरीक्षक इन्द्रेश कुमार मय हमराह का0 संदीप कुमार, का0 विष्णु शर्मा द्वारा तलाश वांछित की कार्यवाही के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 68/2025 धारा 281/125/106(1) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त जितेन्द्र कुमार सिंह उर्फ नितेष सिंह निवासी ग्राम कोटवाशुकुलपुर थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ को गुरुवार को थाना क्षेत्र सांगीपुर के क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कोटवाशुकुलपुर से गिरफ्तार किया गया।

प्रस्तावित रोडवेज बस स्टैंड के लिए हुआ भूमि का स्थलीय निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

गोलाबाजार गोरखपुर। गोला ब्लॉक अंतर्गत ग्रामसभा बांहपुर के एवं राम जानकी मार्ग पर स्थित नुआंव ग्राम में प्रस्तावित बस स्टैंड कीभूमि का स्थलीय निरीक्षण क्षेत्रीय प्रबंधक लव कुमार सिंह, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक अशोक कुमार सिंह एवं सेवा प्रबंधक मुकेश कुमार के द्वारा चिन्हित स्थल पर जाकर किया गया। चिन्हित भूमि के सामने की जमीन नुआंव के ही एक किसान की है जिससे रास्ता निकलना है। विभाग के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर जमीन मालिक से भी बातचीत की लेकिन अभी सहमति बन नहीं पाई है। प्रधान प्रतिनिधि संजय राय ने बताया कि सहमति मिलने हेतु बातचीत किया जा रहा है और जल्द ही मुद्दे का हल निकाल लिया जाएगा। इस पर क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि 40 डिसमिल भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। जैसे ही रास्ते के जमीन का सहमति पत्र मिल जाएगा मिनी डिपो का नक्शा बनाकर स्टीमेट दे दिया जाएगा और जल्द ही कार्य शुरू करवाने का प्रयास होगा ।।, ग्राम सभा में बस स्टैंड बनने की आशा से ग्रामवासियों एवं क्षेत्र के लोग काफी उत्साहित हैं तथा स्थलीय निरीक्षण हो जाने से आशान्वित नजर आ रहे हैं।

इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि संजय राय, ग्राम प्रधान रामसमुझ, शिवबचन यादव,, धर्मदेव राय, रमाशंकर राय, उमाशंकर राय, प्रवीण राय, रुदल चौधरी, संतोष यादव, रामकरण, नगीना , रामसागर विश्वकर्मा आदि जनमानस उपस्थित रहे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उत्कृष्ट उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने छात्रों को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

देवरिया। आईआईटी मद्रास के स्कूल कनेक्ट प्रोग्राम के अंतर्गत शैक्षणिक साझेदारी करने वाले जनपद के विद्यालय शिवम साइंस अकादमी, भाटपाररानी के विद्यार्थियों ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के कक्षा 11वीं के 20 मेधावी छात्रों ने आईआईटी मद्रास द्वारा संचालित ऑनलाइन कोर्स डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सफलतापूर्वक पूर्ण कर परीक्षा उपरांत प्रमाणपत्र प्राप्त किया है।

छात्रों की इस सराहनीय उपलब्धि पर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते हुए तकनीकी क्षेत्रों में छात्र-छात्राओं की भागीदारी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस दौरान छात्रों ने जिलाधिकारी को अपने हाथों से बनाया हुआ सेंसर युक्त रोबोटिक कार और आटोमेटेड डस्टबिन भेट किया।

विद्यालय के निदेशक डॉ. विनीत यादव ने छात्रों को सम्मानित करने के लिए डीएम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को जोड़ा जा रहा है, जिससे उन्हें आधुनिक तकनीक से परिचित कराया जा सके। आईआईटी मद्रास द्वारा जारी इस प्रमाण पत्र को प्राप्त कर सम्मानित हुए विद्यार्थियों मे अन्नू, मनीषा, अदिति पांडेय, शिल्पी यादव, सिमरन यादव, निशा भारती, गुलशन यादव, खुशी मिश्रा, अनुपम सिंह, अविनाश कुशवाहा, अश्वनी, हर्षित सिंह, सौरभ, प्रतीक आनंद, आदित्य शर्मा, अंगद यादव, हिमांशु, आर्यन सिंह, आर्यन यादव और रियाज अंसारी शामिल रहे।

दिव्यांगजन दुकान निर्माण व दुकान संचालन योजना का उठाये लाभ, करें आनलाइन आवेदन

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी मनीष कुमार मिश्रा ने दिव्यांगजनों को सूचित किया है कि दुकान निर्माण व दुकान संचालन योजना के अन्तर्गत लाभार्थी को वित्तीय सहायता के रूप में 20 हजार रूपये की धनराशि स्वीकृत की जाती है जिसमें 15 हजार रूपये की धनराशि 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर पर ऋण के रूप में तथा 5 हजार रूपये की धनराशि अनुदान के रूप में दी जाती है। दुकान संचालन हेतु दुकान न्यूनतम 5 वर्ष के लिये किराये लिये जाने हेतु एवं खोखा गुमटी हाथ ठेला क्रय हेतु पात्र लाभार्थी को वित्तीय सहायता के रूप में 10 हजार रूपये की धनराशि स्वीकृत की जाती है, जिसमें 7500 रूपये की धनराशि 4 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की दर पर ऋण के रूप में तथा 2500 रूपए की धनराशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाती है। उन्होने पात्रता के सम्बन्ध में बताया है कि ऐसे दिव्यांग जो 40 प्रतिशत या इससे अधिक की दिव्यांगता से प्रभावित हो।दिव्यांग पुनर्वासन हेतु दुकान निर्माण व दुकान संचालन योजना के अन्तर्गत इच्छुक दिव्यांगजन दुकान निर्माण व दुकान संचालन हेतु वेबसाइट https://divyangjandukan.upsdc.gov.in पर आनलाइन आवेदन कर सकते है। आनलाइन फार्म भरते समय आवेदक को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला नवीनतम फोटो, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, सक्षम प्राधिकारी के स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित खाता तथा आधार कार्ड की छायाप्रति को स्वप्रमाणित कर आवेदन पत्र के साथ आनलाइन पर वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य है।

रामपुर चन्द्रभान के डॉ0संतोष ने बढ़ाया जिले का मान, बनाया मानव अनुसरण रोबोट

स्वतंत्र प्रभात

देवरिया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र के इंजीनियरों की नई खोज मानव अनुसरण रोबोट है। डॉ. संतोष कुमार के मार्गदर्शन में छात्रों ने एक ऐसा मानव-अनुसरण रोबोट बनाया है, जो एक इशारे पर सामान ढो सकता है। इस अनोखी तकनीक को हाल ही में पेटेंट भी मिला है, जो संस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमें इंटेलिजेंट ट्रैकिंग सिस्टम की ताकत है, जो मानव गतिविधियों को पढ़कर उनके पीछे चलता है। गोदामों में भारी-भरकम सामान शिफ्ट करना हो, अस्पतालों में दवाएं और उपकरण ले जाना हो या मॉल में शॉपिंग का बोझ हल्का करना हो, कोरोना महामारी से रोबोट बनाने की मिली थी प्रेरणा डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि यह रोबोट खासकर कोविड जैसे महामारी के समय में अस्पतालों और कंटेनमेंट जोन में सहायक हो सकता है। उन्हें भी इसी महामारी से ये रोबोट बनाने की प्रेरणा मिली थी। इसमें लगा कैमरा मानव की छवि को पहचानता है और एक बॉक्स के माध्यम से उसे मार्क करता है। अल्ट्रासोनिक सेंसर यह सुनिश्चित करता है कि रोबोट और इंसान के बीच एक सुरक्षित दूरी बनी रहे। यह रोबोट समय और मेहनत बचाने में सक्षम होगा। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग से डॉ. संतोष कुमार के मार्गदर्शन में रोबोट पर छात्र अजय ठकरान, अक्षय अग्रवाल और पुलकित महाजन ने अपने कार्य से आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूत किया है।

हाथ के इशारों पर इस तरह से कार्य करेगा रोबोट

डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि रोबोट एक व्हील-बेस्ड सिस्टम है। इसके कैमरे पहले इंसान को कपड़े, रंग, ऊंचाई से पहचानते हैं और फिर उसी व्यक्ति को एल्गोरिदम (किसी काम को पूरा करने के लिए चरणों का एक समूह) की मदद से फॉलो करना शुरू करता है। इसमें लगे सेंसर रास्ते में आने वाली बाधाओं को पहचानते हैं। रोबोट अपने मार्ग को खुद ही समायोजित करता है। इसमें विजन बेस्ड ट्रैकिंग, अल्ट्रासोनिक सेंसर और हैंड जेस्चर डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया जो इसे एक स्मार्ट और ऑटोमेटिक मूवमेंट की क्षमता प्रदान करती है।

डॉ0 संतोष कुमार रामपुर कारखाना विकास खंड के रामपुर चंद्रभान अमतही गांव निवासी है। इनके पिता का नाम स्व जगदीश गोंड हैं ।

उनकी माँ श्रीमती किशोरी देवी ने बताया की सन्तोष कुमार ने हाई स्कूल की पढ़ाई अशोक इंटर कॉलेज डुमरी, महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज देवरिया से किया। इसके बाद वे कुरुक्षेत्र के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से इंजीनियरिंग में पीएचडी की। उन्होंने आगे बताया की हम सभी इनके इस आविष्कार से बहुत खुश हैं।

संक्षिप्त खबरें

अंतर्जनपदीय स्थानांतरण की मांग को लेकर महिला शिक्षिकाओं ने बीएसए कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

सिद्धार्थनगर। अंतर्जनपदीय स्थानांतरण को लेकर उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष सुषमा सिंह की अगुवाई में शिक्षिकाओं ने बृहस्पतिवार को बीएसए कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। बेसिक शिक्षा सचिव को संबोधित ज्ञापन में लिखा है कि आकांक्षी जिला घोषित होने के बाद हुए तीन अंतर्जनपदीय स्थानांतरण के उपरांत भी वर्ष 2023 में सिर्फ दस प्रतिशत शिक्षिकाओं को इसका लाभ मिला। इसके बाद शिक्षिकाओं को अपने गृह या इच्छित जनपद में स्थानांतरण नही हो सका है, इससे इनकी घर गृहस्थी बिगड़ रही है। मांग किया कि स्थानांतरण के लिए एक स्थाई नीति बनाई जाए एवं अन्य विभागों के तरह ही एक निर्धारित अवधि तक एक जनपद में सेवा करने के उपरांत मनचाहा स्थानांतरण कर दिया जाए। निर्धारित दोषपूर्ण भारांक सुधार किया जाए, असाध्य रोगियों का मेडिकल टीम गठित कर भौतिक परीक्षण किया जाए न कि सिर्फ डॉक्टर की रिपोर्ट पर ही असाध्य रोगी मान स्थानांतरण प्रक्रिया में इसका लाभ दिया जाए। मागों से संबंधित ज्ञापन वित्त एवं लेखाधिकारी नीलोत्तम चौबे को सौंपा। इस दौरान महामंत्री रश्मि जायसवाल, निशात अंजुम,शशिकला सिंह, आरती शुक्ला, सीमा द्विवेदी, संचिता मजूमदार, रूपा, निधि, ऋचा, साधना, शीला यादव, शाइस्ता, उपमा, बीनू शर्मा, मधुरानी, वंदना, कविता, शिखा आदि मौजूद रहीं।

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के परसा - महादेव स्टेशन के बीच बुधवार की रात रेड़वरिया के पास ट्रेन की चपेट में आने से लगभग पचास वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची ढेबरुआ थाना पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वारंटी गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। जिले की मोहाना थाना पुलिस ने एक नफर वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुष्कर्म सहित पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त रितिक उर्फ अंशू जयसवाल पुत्र राजेश जयसवाल निवासी बर्डपुर तिराहा, थाना मोहाना, जनपद सिद्धार्थनगर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में शुद्धोधन चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक पप्पू कुमार गुप्ता, हेड कांस्टेबल रामाज्ञा पासवान, कांस्टेबल सूरज यादव शामिल रहे।

तानाशाह सरकार का तानाशाह पुलिस प्रशासन

गरीबों पर जुल्म अत्याचार अन्याय अब बर्दाश्त नहीं करेंगे

हरदोई में गरीबों का जीना मुश्किल हो गया है वाहन चेकिंग के नाम पर चारों तरफ लूट मची है। क्या सभी नियम और कानून गरीबों के लिए ही बने हैं? ई-रिक्शा चालकों के पास पूरे कागज होने के बावजूद भी उनके ई-रिक्शा जबरदस्ती चीज कर दिये जाते हैं। जो रिक्शा वाला ट्रैफिक पुलिस वालों को पैसे दे देता है उसकी गाड़ी सीज नहीं की जाती है रिक्शा वाला चाहे जेवर बेचकर या कोई सामान गिरवी रखकर पैसे ले आए लेकिन पुलिस वालों को पैसे चाहिए।

गरीब परेशान है जिसका रिक्शा सीज हो जाता है 15 से 20 दिन लगते हैं कोर्ट से छुड़वाने में 10 से 15000 रुपए खर्च भी आता है और 15 /20 दिन पुलिस लाइन में रिक्शा खड़ा रहता है इन गरीबों के घर का 15 /20 दिन घर का चूल्हा कैसे जलता होगा और घर का खर्चा कैसे चलता होगा यह इन घूसखोर पुलिस वालों को नहीं मालूम है। जिस गरीब का रिक्शा 15 से 20 दिन रिक्शा खड़ा रहेगा और 10 से 15000 रुपए देना भी पड़ेगा उसका घर का पूरा सिस्टम बिगड़ जाएगा किस्त भी देनी होती है और खर्च भी होते हैं। अगर अब किसी का रिक्शा पकड़ा जाता है पैसे देने की कोई जरूरत नहीं है हमारे पास फोन करिए मैं आपकी लड़ाई लडूंगा आपको न्याय दिलाऊंगा किसी गरीब के साथ अत्याचार अन्याय नहीं होने दूंगा।

समस्तीपुर पहुंचे राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री, बोले- 'जमीन सर्वे से जमीनी विवाद में कमी आएगी'

स्वतंत्र प्रभात

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी गुरुवार को समस्तीपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में भूमि विवाद काफी है, इसके लिए विशेष भूमि सर्वेक्षण कराया जा रहा है। इसके पूरा होने पर भूमि विवाद कम हो जाएगा। राजस्व मंत्री ने कहा कि रैयतों की सुविधा के लिए भूमि सर्वेक्षण की प्रक्रिया को पहले से सरल बनाया गया है। लोग अपने पास भूमि से संबंधित जो भी दस्तावेज उपलब्ध हैं, उसी के आधार पर आवेदन करें।

उन्होंने कहा कि आवेदन के लिए सभी दस्तावेजों की जरूरत नहीं है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री ने कहा कि रैयत अपने पास भूमि से संबंधित जो भी दस्तावेज उपलब्ध हैं, उसी के आधार पर आवेदन करें और स्वलिखित वंशावली भी दें। उन्होंने कहा कि अब भूमि म्यूटेशन कराने के लिए कार्यालय जाने की जरूरत नहीं है, अब सभी सुविधाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि म्यूटेशन के मामले में विभाग ने निर्णय लिया है कि 35 दिनों के अंदर भूस्वामी की जमीन का म्यूटेशन हो जाएगा, अगर किसी मामले में विवाद है तो 75 दिनों के अंदर उसका निष्पादन करना है। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के म्यूटेशन मामले में कागजात में कोई कमी है तो उसे सुनवाई के बाद भी रद्द करना है। अधिकारी को किसानों को बुलाना है, अगर कागजात की कमी है तो उन्हें कागजात उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में अभियान बसेरा 2 चल रहा है। जिसके तहत दलित महादलित पिछड़ा अति पिछड़ा समाज के लोगों के पास अगर जमीन नहीं है तो उन्हें जमीन उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि सरकार एक नया प्रावधान भी लेकर आई है, जिन पंचायतों में जमीन नहीं है उन पंचायतों के लोगों को जमीन खरीदने के लिए मुख्यमंत्री वास नीति योजना के तहत एक लाख रुपए चेक के माध्यम से दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन चल रहे काम की मॉनिटरिंग भी की जाती है, बिहार में 10 ऐसे क्षेत्र हैं जहां सबसे ज्यादा म्यूटेशन के मामले रद्द किए गए हैं। वहां के अंचल अधिकारी से कारण पृच्छा की गई है। कारण पृच्छा से संतुष्ट नहीं होने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई भी की जाएगी।

"समाजशास्त्रीय अध्ययन में परिवार एवं उनकी विशेषताएं" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज (सुपौल)- अनूपलाल यादव महाविद्यालय, त्रिवेणीगंज के आइक्यूएसी (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) के तत्वावधान में समाजशास्त्र विषय से संबंधित "समाजशास्त्रीय अध्ययन में परिवार एवं उनकी विशेषताएं" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार ने की, जबकि संचालन प्रो. अरुण कुमार द्वारा किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए विद्वानों एवं छात्र-छात्राओं ने परिवार की सामाजिक संरचना में भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि समाजशास्त्र में परिवार एक आधारभूत इकाई है, जो समाज की नींव और रीढ़ की तरह कार्य करता है। परिवार न केवल भावनात्मक संबंधों का केंद्र होता है, बल्कि सामाजिक नियमों, परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के पालन की पहली पाठशाला भी होता है। उन्होंने यह भी बताया कि परिवार के सदस्य आपसी संबंधों के माध्यम से एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से जुड़े रहते हैं तथा उनके विचार, भावनाएं और व्यवहार पारस्परिक रूप से प्रभावित होते हैं।

कार्यशाला में समाजशास्त्र विभाग के प्राध्यापकगण प्रो. अनमोल कुमार, प्रो. छात्रधारी यादव, प्रो. अरविंद कुमार तथा महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण - प्रो. अरुण कुमार, डॉ. सुदीत नारायण यादव, प्रो. देवनारायण यादव, प्रो. शंभू यादव, प्रो. रामानंद यादव, प्रो. राजकुमार यादव, प्रो. जलधर यादव, प्रो. जयप्रकाश यादव सहित अनेक छात्र-छात्राएं - गगन कुमार, दिग्दर्शन, निशांत कुमार, रोशन कुमार, मुकेश कुमार, ललिता कुमारी, रेखा कुमारी, जालेश्वर भगत, रत्नेश कुमार, विपिन, बादल, कुणाल, राजकुमार, विकास, मानव, अभिषेक, सरोज, अरविंद, शाहजहां, ज्योति, मनीष, मुस्कान, अंजू, मंजू, तृप्ति, निक्की कुमारी तथा अन्य उपस्थित थे। कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

भृष्टाचार- संविदा की नौकरी के नाम सेवा प्रदाता संस्था द्वारा मोटी रकम की डिमांड

● संविदा की नौकरियों में जमकर चल रहा भ्रष्टाचार

योगी सरकार में मथुरा में बडा भ्रष्टाचार नौकरी लगवाने के लिए 80 हजार की मांग

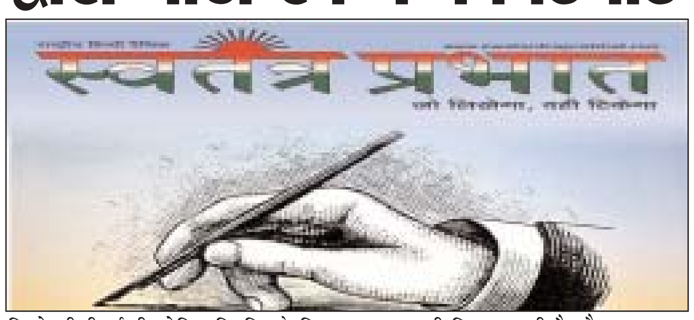

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। जनपद में बेरोजगारी चरम पर है। लेकिन सरकारी कर्मचारी संविधान नौकरी लगवाने के नाम पर भी मोटा भ्रष्टाचार कर रहे हैं इसमें सेवा योजन पोर्टल पर पंजीकृत सेवा प्रदाता संस्था अविका इंफ़्राटेक कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड को सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से ई0ई0सी0ई0 एजुकेटर जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय के पदों को भरने की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन नियुक्ति के लिए साक्षात्कार मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय पर आयोजित होने से पूर्व स्वयं प्रदाता संस्था के कर्मचारी ने अभ्यर्थियों को फ़ोन कर एक मोटी रकम 80 हजार ? की मांग की है वह आदमी डेविड अग्रवाल और अलोक पाण्डेय है जो कि ऑडियो रिकॉर्डिंग में अलोक पाण्डेय मोटी रकम की मांग करते कह रहा है कि आपकी नियुक्ति कर ली जाएगी। अभ्यर्थी कविता कुमारी ने मुख्य विकास अधिकारी से इस प्रकरण की शिकायत की है और आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत कर कहा गया है। कि ऐसी भ्रष्टाचारी संस्था पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए इसे ब्लैक लिस्ट किया जाए। जिससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जीरो टॉलरेंस एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश का सपना साकार हो सके व कोई भी संस्था निकट भविष्य किसी युवा के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। मुख्य विकास अधिकारी ने उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

महंगी किताबों के लिए स्कूलों के खिलाफ जिलाधिकारी को ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। आज नेशनल मीडिया प्रेस क्लब द्वारा एक समान शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था लागू किए जाने की मांग को कानपुर के पत्रकार व अधिवक्ता संगठित होकर एक साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और जिलाधिकारी महोदय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में निजी स्कूलों की मनमानी रोकने, बढ़ती फीस, ड्रेस खर्च, कॉपी किताबो का खर्च के मानक निर्धारित किए जाने की मांग रखी गई, क्योंकि विद्यालयों की बढ़ती फीस व अन्य खर्च इतना अधिक होता जा रहा है कि अच्छे मेधावी बच्चों के अविभावको के लिए शिक्षा दिला पाना उनकी पहुंच से बाहर होता जा रहा है जो श्राप बनकर शिक्षा व्यवस्था के लिए संकट बन चुकी है इस पर रोक लगाना अति आवश्यक है।

नेशनल मीडिया प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट पंडित रविन्द्र शर्मा (पूर्व अध्यक्ष दि लॉयर्स एसोसिएशन कानपुर) एवं प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट अरविंद दीक्षित (पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष कानपुर बार एसोसिएशन) द्वारा प्रमुखता से इसकी सराहनीय पहल की गई और मांग की कि शिक्षा का एक मानक निर्धारित किया जाए जिससे अविभावक अपने बच्चों को सही से शिक्षा दिया सके। अत्यधिक फीस के चलते मेधावी बच्चे शिक्षा से वंचित न रह जाएं इसके लिए शिक्षा को व्यवसाय न बनाकर सेवाभाव के रूप में एक मानक निर्धारित करके इसे लागू किया जाए।

नेशनल मीडिया प्रेस क्लब के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार को शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। शिक्षा सभी का जन्मसिद्धि अधिकार है लेकिन आज व्यवसाय बन चुकी शिक्षा व्यवस्था अविभावकों के लिए श्राप बनती जा रही है जिसे रोकना अति आवश्यक है। वहीं दूसरी ओर मादक पदार्थों की अनैतिक बिक्री को लेकर पब्लिक स्टेटमेंट संपादक दिग्विजय सिंह की खबर प्रकाशन से नाराज होटल संचालक ने पत्रकार को दी जान से मारने की धमकी तो नेशनल मीडिया प्रेस क्लब के दर्जनों पत्रकार व अधिवक्ता पुलिस कमिश्नर से मिले और धमकी देने वाले पर शख्त कार्यवाही करने की मांग की जिस पर कानपुर पुलिस कमिश्नर ने तत्काल उचित कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने का आश्वासन दिया।

वीवीआईपी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रमुख सचिव एवं डीजीपी का निरीक्षण कानपुर दौरा

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। आगामी वीवीआईपी कार्यक्रम को लेकर आज दिनांक 17.04.2025 को उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव मनोज कुमार सिंह एवं डीजीपी उ0प्र0 प्रशान्त कुमार महोदय द्वारा कानपुर नगर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा रूट व्यवस्था, मेट्रो स्टेशन, हैलीपैड, जनसभा स्थल एवं पार्किंग स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए, जिससे कि कार्यक्रम के दौरान सभी व्यवस्थाएँ सुचारु रूप से संचालित की जा सकें।

निरीक्षण के उपरांत चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर (CSA) विश्वविद्यालय परिसर में एक गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें तैयारियों की समीक्षा की गई। गोष्ठी में एडीजी जोन कानपुर आलोक सिंह, पुलिस आयुक्त अखिल कुमार, मंडलायुक्त कानपुर के. विजेयेंद्र पांडियन, आईजी रेंज कानपुर जोगेंद्र कुमार, जिलाधिकारी कानपुर जितेंद्र प्रताप सिंह, अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) हरीश चंदर सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात और जनता की सुविधा को लेकर सभी तैयारियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं।

एमवी एक्ट के तहत 194 ई-रिक्शा का हुआ चालान

कानपुर। शासन के आदेश के क्रम में व उच्चधिकारियों के निर्देशन में दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु शहर के प्रमुख चौराहों पर विशेष रुप से ई-रिक्शा वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर गलत दिशा में वाहन चलाने वालों, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, गलत नंबर प्लेट एवं बिना फिटनेस के सम्बन्ध में चेकिंग की गयी और यातायात नियमों का पालन न करने वाले ई-रिक्शा पर एमवी एक्ट के तहत सीज की कार्यवाही एवं 194 ई-रिक्शा का चालान किया गया।

वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन करने हेतु जागरुक किया गया। इस प्रकार की कार्रवाई के माध्यम से यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाता है। दुर्घटनाओं की रोकथाम में मदद मिलती है। वाहन चालकों को यह संदेश दिया जाता है कि यातायात के नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समस्तीपुर में जमीन विवाद में फायरिंग और पत्थरबाजी, पुलिस ने मौके से 2 खोखा बरामद किया

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर में जमीनी विवाद में गोलीबारी की घटना सामने आई। घटना जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र के चांदचौर मध्य वार्ड संख्या-1 की जहां बुधवार की रात करीब 8:30 बजे दर्जन भर बदमाशों ने मंटुन चौरसिया के घर पर हमलाकर फायरिंग की। इस दौरान दोनों पक्ष के लोगों ने एक दूसरे पर ईट पत्थर भी फेंके। घटना की सूचना पर पहुंची उजियारपुर थाने की पुलिस ने मौके से दो खोखा भी बरामद किया है।

बताया गया है कि 2 कट्ठा जमीन को लेकर मंटुन चौरसिया और अमीर लाल चौरसिया के बीच पूर्व से विवाद चल रहा था। इस बीच बुधवार को दोपहर में मंटुन चौरसिया उक्त जमीन पर बाउंड्री वॉल करवा रहे थे। तब रामदुलार चौरसिया और उसके भाई शिवलाल चौरसिया ने आकर मारपीट की और फायरिंग शुरू कर दी। तब सुचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों दोनों पक्षों को अपना अपना कागज लेकर थाना पर बुलाया था। इसके बाद फिर देर रात करीब दर्जन भर लोग मंटुन चौरसिया के घर पर आए और बाउंड्री तोड़ने लगे। इस दौरान हमलावरों ने करीब 10 राउंड फायरिंग भी की। हालांकि इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दूसरे पक्ष की ओर से जब ईट-पत्थर चलाना शुरू हुआ तो हमलावर फरार हो गए। इस मामले में थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि दिनभर दोनों पक्षों के बीच कई बार झड़प हुई। पुलिस के द्वारा दोनों पक्षों से आवेदन मांगा था। लेकिन शाम को दोनों पक्ष फिर भीड़ गए। इस दौरान एक पक्ष की ओर कई राउंड फायरिंग भी की गई। सुचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा और कुछ अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद किया है। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषी पर कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमद् भागवत कथा के लिए निकाली गई कलश यात्रा

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। जिले के चिल्हिया क्षेत्र के बेलवा में गुरुवार को भव्य कलश यात्रा निकाल कर श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा वाचक उदय नारायण पाण्डेय के नेतृत्व मे गावं से यात्रा बानगंगा नदी से पवित्र जल भरने के लिए शुरू हुई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु शामिल रहीं। पवित्र जल कलश को भर कर गांव के प्राचीन काली मंदिर, शिव मंदिर, हनुमान मंदिर व सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया गया। यात्रा के बाद कलश कथा आयोजन स्थल पर धार्मिक विधि एवं मंत्रोच्चरण के साथ स्थापित किया गया। आरती के साथ शुरू किए गए श्रीमद् भागवत कथा के कथा वाचक उदय नारायण पाण्डेय ने उपस्थित श्रद्धालुओं को सर्वप्रथम इसकी महिमा से अवगत कराया।

कथा वाचक उदय नारायण पाण्डेय ने बताया कि विश्व में सभी कथाओं में ये श्रेष्ठ मानी गई है। जिस स्थान पर इस कथा का आयोजन होता है, वह स्थान तीर्थ स्थल कहलाता है। इसका सुनने एवं आयोजन कराने का सौभाग्य भी प्रभु प्रेमियां को ही मिलता है। ऐसे में अगर कोई दूसरा अन्य भी इसे गलती से भी श्रवण कर लेता है, तो भी वह कई पापों से मुक्ति पा लेता है। इसलिए सात दिन तक चलने वाली इस पवित्र कथा को श्रवण करके अपने जीवन को सुधारने का मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। अगर कोई सात तक किसी व्यवस्तता के कारण नहीं सुन सकता है, तो वह दो तीन या चार दिन ही इसे सुनने के लिए अपना समय अवश्य निकालें। तब भी वो इसका फल प्राप्त करता है, क्योंकि ये कथा भगवान श्री कृष्ण के मुख की वाणी है, जिसमें उनके अवतार से लेकर कंस वध का प्रसंग का उल्लेख होने के साथ साथ इसकी व्यक्ति के जीवन में महत्ता के बारे में भी बताया गया है। इसके सुनने के प्रभाव से मनुष्य बुराई त्याग कर धर्म के रास्ते पर चलने के साथ साथ मोक्ष को प्राप्त करता है। शास्त्री ने बताया कि इस कथा को सबसे पहले अभिमन्यु के बेटे राजा परीक्षित ने सुना था, जिसके प्रभाव से उसके अंदर तक्षक नामक नाग के काटने से होने वाली मृत्यु का भय दूर हुआ और उसने मोक्ष को प्राप्त किया था। इस दौरान कथा आयोजक रोहित सिंह, कथा श्रोता पार्वती सिंह, रीता सिंह, मंजू सिंह, राधा सिंह, रीना सिंह, आरती सिंह, माही सिंह, निक्की सिंह, गुड्डी, दिवाली, काव्या, हर्षित, गगन, आदित्य, अक्षय उत्तरा आदि मौजूद रहे।

महज चंद पल में ही खुशी हुई काफूर,बेचारे दूल्हे पर टूटा दुःख का पहाड़

● ठगों ने शादी के नाम पर 55 हजार रुपये भी ठगे

दिलवाली दुल्हनिया टॉयलेट के बहाने हुई फुर

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज सुपौल। यू तो राजस्थान यूपी,पंजाब, हरियाणा आदि राज्यों से अधेड़ दूल्हे कोसी के ग्रामीण इलाके के गरीब तबके के लड़कियों को आर्थिक प्रलोभन देकर साफ्ट टारगेट कर रहे हैं और दिल वाली दुलहनिया बना बयाह कर ले जाते है। लेकिन अब शादी के नाम पर ठगने वाले ठग भी अपनी बाजीगरी दिखाने में पीछे नहीं है ।ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जो इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

ताजे मामला में राजस्थान के बीकानेर जिले से एक अधेड़ दूल्हे को शादी करवाने के लिए बुलाया गया और उनसे 55 हजार रुपए ठग लिए गए। वेसे ठगों ने शादी कराने का नायाब तरीका निकाला। शादी करने आये दूल्हे की बिधिवत शादी भी कराई गई,लेकिन ठगों ने गोपनीय ढंग से घूंघट में ढकी एक लड़की से बंद अंधेरे कमरे में नगर परिषद क्षेत्र के डपरखा में बिधिवत दूल्हे की शादी भी करवाकर कराई गई और फिर बिदाग़री की गई।लेकिन नई नवेली दुल्हन ने सिमराही में बाथरूम जाने के बहाने गाड़ी रूकवा कर रात के अंधेरे में फरार हो गई। लेकिन जब काफी खोजबीन के बाद भी दुल्हन नहीं मिली तो दूल्हे ,दलाल और दूल्हे के परिजन वापस लौट आये । घटना रविवार रात की बताई जा रही हैं।

बड़े पैमाने पर हो रही है शादी

अनुमंडल क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों एक गिरोह काफी सक्रिय हो गया है जो गरीबी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे भोले भाले अनपढ़ लोगों को उसकी बेटियों की शादी बड़े घराने में कराने का दिवा स्वप्न दिखाकर उसकी बेटियों को दूसरे राज्य खासकर उत्तर प्रदेश,राजस्थान,हरियाणा आदि राज्यों के अधेड़ पुरुषों के हाथों पैसे लेकर बेच देता है। इसी गिरोह के चंगुल में इस बार राजस्थान के बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ थाना क्षेत्र के सूडसर गांव निवासी हीराराम जाघव उर्फ दूड़ाराम जाट के पुत्र 42 वर्षीय जगदीश जाघव उर्फ जगदीशराम जाट फंस गए और शादी के लिए राजस्थान से त्रिवेणीगंज आ गए। पीड़ित राजस्थानी दूल्हे ने आरोप लगाया कि त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के तितूवाहा वार्ड नंबर 10 निवासी संजय सरदार ने शादी कराने के लिए उन्हें बुलाया। संजय सरदार, जो वर्तमान में वार्ड सदस्य भी है, वह पहले बीकानेर में मजदूरी करता था, वहीं पर उसकी मुलाकात जगदीश और उसके दोस्तों से हुई थी।

बकौल दूल्हा जगदीश राम, संजय ने उसे सुंदर लड़की से शादी कराने का लालच दिया और 55 हजार रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद उसे डपरखा ले जाकर एक बंद कमरे में घूंघट में छिपी लड़की के साथ बिना किसी रीति-रिवाज के सिंदूर भरवा कर शादी कराई। शादी होने के बाद जब वे लड़की को लेकर वापस राजस्थान लौट रहे थे, तभी सिमराही में रात के समय दुल्हन टॉयलेट के बहाने गाड़ी से उतरकर भाग गई।

काफी तलाश के बाद भी जब लड़की नहीं मिली, तो दूल्हा, उसके परिजन और दलाल वापस त्रिवेणीगंज लौट आए और जब राजस्थानी दूल्हे और उनके परिजनों को ठगी का एहसास हुआ तो सोमवार को थाना पहुंचकर एक लिखित शिकायत की। जगदीश राम का कहना है कि ठगी का एहसास होने पर जब उन्होंने दलाल से बात की तो वह धमकी देने लगा। इस पूरे मामले में एक महिला भी संलिप्तता है। पीड़ित दूल्हे के परिजनों का आरोप है कि संजय सरदार अब तक कई शादियाँ इस तरह रुपए लेकर करा चुका है। अब राजस्थानी दूल्हे और उसके परिजनों ने पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की गुहार लगाई है।

फीस में मृद्धि ड्रेस किताबों में कमीशन, अभिभावकों पर दोहरी मार

● निजी स्कूस संचालाकों की मनमानी के आगे अभिभावक असहाय

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। निजी स्कूल शिक्षा के लुभावने वायदों से हकीकत जुदा है। फीस में वृद्धि का रोना अभिभावक कलेक्टर तक रो कर आये हैं। स्कूलों का ड्रेस और किताबों में कमीशन अलग से। स्कूलों में नवीन सत्र के प्रारंभ होते ही अभिभावकों की परेशानी शुरू हो गई है। जिसमे अधिकतर प्राइवेट बिद्यालय संचालको द्वारा छात्रों की किताबें मनमानी कीमतों पर चुनिंदा और तयशुदा दुकानों पर बिक्री कराई जा रही हैं। जैसे राया क्षेत्र के अधिकतर विद्यालयों की किताबें कस्बे के बलदेव रॉड स्थित .एक पुस्तक भंडार पर मिलेंगी यह अभिभवकों को पहले ही बता दिया जाता है। दूसरे कस्बा और महानगर में भी यही स्थिति है। जो बिद्यालय संचालको को मोटा कमीशन देकर अभिभावकों की जेबो पर डांका डाल रहा है। जिससे अभिभावक खासे परेशान है। पाल्यो को पढ़ाने एवं विद्यालय संचालको के दबाब के चलते अभिभावकों को निज विक्रेता से ही किताबे लेनी पड़ रही है। महंगी किताबें, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म स्कूलों से खरीदना अभिभावकों की मजबूरी है। चुनिंदा दुमानों पर प्राइवेट पब्लिकेशन की किताबें लगवाई गई है, जिनकी कीमत आसमान छू रही है। कॉपी किताब भी विद्यालय या विद्यालय के निज विक्रेता से खरीदने का विद्यालय संचालक अभिभावकों पर दबाब बनाते है। वही किताबें अन्य पब्लिकशेन से खरीदने पर किताबो के दामो में भारी अंतर मिलता है। किताबो को किसी अन्य पब्लिकेशन से खरीदा जाएगा तो बिद्यालय में मान्य नही होंगी। कॉपी किताब का सेट इतना महंगा है कि उसे खरीदने में अभिभावकों के पसीने छूट रहे है। कई निजी स्कूलों में तो पहली से आठवीं कक्षा की किताबों का सेट छह से 10 हजार रुपये में दिये जा रहे हैं।

प्रशासन और शिक्षा विभाग इस लूट पर चुप्पी साधे हुए हैं। अब इसे इनकी मिलीभगत कहें या अनदेखी जिससे विद्यालय संचालक लूट खसूट करने में लगे है। इन दिनों सभी पुस्तक विक्रेताओं के यहां अभिभावकों की लंबी लंबी लाइनें लग हैं। परिजन बच्चों की किताब खरीदने चुनिंदा दुकानों पर पहुंच रहे हैं। स्कूलों द्वारा तय निजी प्रकाशकों की किताबें एनसीईआरटी की किताबों से पांच गुना तक अधिक महंगी हैं। अधिकांश निजी स्कूल संचालक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबें मंगवाने में रुचि नहीं दिखाते। निजी विद्यालयों में 80 फीसदी निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें पढ़ाई जाती हैं। इन किताबों की कीमत एनसीईआरटी से कई गुणा अधिक होती हैं। कई किताबों में तो प्रिंट रेट के ऊपर अलग से प्रिंट स्लिप चिपकाकर प्रकाशित मूल्य से कहीं अधिक वसूली की जा रही है। निजी स्कूलों में कमीशन के चक्कर में हर साल किताबें बदलने के साथ अलग अलग प्रकाशकों की

महंगी किताबें लगाई जाती हैं। एनसीईआरटी की 256 पन्नों की एक किताब 65 रुपये की है तो वहीं निजी प्रकाशक की 167 पन्नों की किताब 305 रुपये में मिल रही है। कई किताबों की कीमत 500 से 600 रुपये तक हैं। जिस प्रकार बुक सेलर बिना टेक्स पेढ बिल देकर करोड़ो रूपये की किताबो से लाखो रुपये की जीएसटी की चोरी कर रहे हैं।